राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

वर्ष 07, अंक 119, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कप्तान साहब खाकी को ढाल बना रहे स्पा माफिया, क्या आप तोड़ेंगे यह अपवित्र गठबंधन...02

ग्यारह दिन बाद दर्ज हुआ पति पर तीन तलाक, मारपीट और जान से मारने की धमकी...05

अजित की मौत से टूटी पवार फैमिली... फूट-फूटकर रोईं बहन सुप्रिया और पत्नी सुनेत्रा

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का बारामती में एक चार्टर प्लेन हादसे में निधन हो गया है. इस दुखद घटना में उनके समेत पांच लोगों की जान चली गई. पवार परिवार पर शोक का पहाड़ टूट पड़ा है, जहां सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार सहित परिवारजन भावुक देखे गए

महाराष्ट्र की सियासत के सबसे रसूखदार पवार परिवार पर आज दुख का पहाड़ टूट पड़ा है. डिप्टी सीएम अजित पवार का बारामती में चार्टर प्लेन हादसे में निधन हो गया है. इस हादसे में उनके समेत 5 लोगों की मौत हुई है. इस हादसे ने पवार परिवार को तोड़ दिया है. बारामती से भावुक कर देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं. सांसद सुप्रिया सुले और डिप्टी सीएम अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार परिवार के सदस्यों से मिलते समय भावुक हो गईं. दोनों अपने आंसू नहीं रोक सकीं. वो परिजनों से गले लगकर फूट-फूटकर रोती दिखीं।

11 बजे विद्या प्रतिष्ठान मैदान में होगा अंतिम संस्कार

बता दें कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार का गुरुवार को बारामती में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा. एनसीपी की ओर से जानकारी दी गई है किअजित पवार का अंतिम संस्कार सुबह 11 बजे विद्या प्रतिष्ठान मैदान में होगा. अंतिम संस्कार में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शामिल होने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कई अन्य नेताओं ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया है. इसे न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के लिए क्षति बताया.गडकरी ने कहा कि इस हादसे में अजित पवार के निधन की खबर स्तब्ध करने वाली, दुर्भाग्यपूर्ण और हृदयविदारक है.अजित पवार के साथ उनका बेहद घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध रहा है।

अजित दादा के साथ मेरी बहुत घनिष्ठ मित्रता रही

उन्होंने कहा, उन्हें मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि. कई वर्षो तक विधानमंडल में साथ काम करते हुए मेरी अजित दादा के साथ बहुत घनिष्ठ मित्रता रही. उनकी प्रशासनिक कुशलता, विकास की स्पष्ट दृष्टि और लोगों से सीधे जुड़ने की क्षमता ने राज्य की राजनीति में उनका ऐसा स्थान बनाया जिसे कभी कोई और नहीं ले पाएगा।

गडकरी ने कहा, महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध अजित पवार की असमय मृत्यु केवल राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है.महाराष्ट्र और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी पवार के निधन पर शोक जताया.देवव्रत ने कहा, उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असमय मृत्यु बेहद दुखद है. मैं अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. शोक संतप्त परिवार के सभी सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

देवरिया–कुशीनगर के सम्मानित ग्राम प्रधानरू बीडीसी सभासद,, चेयमैन सहित भाजपा कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनएं

डॉ. रतनपाल सिंह

सदस्य विधान परिषद (विधायक)

स्थानीय निकाय– देवरिया, कुशीनगर

सभापति–वित्तीय एवं प्रशासकीय विलम्ब समिति

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अंकित कुमार शुक्ला

ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत गायघाट, परसा, जमुहवा

विकास खण्ड बर्डपुर, जनपद –सिद्धार्थनगर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल अजीज

प्रधानाध्यापक

कंपोजिट जूनियर हाई स्कूल काशीपुर

विकास खण्ड बर्डपुर, जनपद –सिद्धार्थनगर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

के डी पब्लिक स्कूल

रामलक्षन, लक्ष्मीपुर, देवरिया

नर्सरी से 10 वीं तक

अंग्रेजी माध्यम

श्याम नारायण विश्वकर्मा

डाइरेक्टर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पी एस टी एलिमेंट्री स्कूल

लक्ष्मीपुर, देवरिया

नर्सरी से 10 वीं तक

अंग्रेजी माध्यम

रत्नेश कुमार त्रिपाठी

डायरेक्टर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शैलेंद्र गुप्ता

ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत बर्डपूर नंबर 2 एवं 3

विकास खण्ड बर्डपुर, जनपद –सिद्धार्थनगर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आर एस मेमोरियल एकेडमी

बजरंग चौराहा,नगवा खास, देवरिया

नर्सरी से 8 वीं तक

अंग्रेजी माध्यम

(सीएससी बाल विद्यालय)

ब्रम्हानंद दूबे – प्रबन्धक

सात्विक दूबे–डाइरेक्टर

स्वच्छ उसका स्वस्थ उसका सुन्दर उसका

कार्यालय–नगर पंचायत उसका बाजार–सिद्धार्थनगर

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

नगर पंचायत उसका बाजार की ओर से समस्त नगर वासियों को गणतन्त्र दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनायें

मा0 श्यामधनी राही, विधायक, कपिलवस्तु

मा0 अरविन्द कुमार शर्मा, नगर विकास मंत्री

मा0 जगदम्बिका पाल, सांसद, डुमरियागंज

मा0 ध्रुव कुमार त्रिपाठी, विधान परिषद सदस्य

मा0 सुभाष यदुवंश, एम.एल.सी.

नगर वासियों से विनम्र अपील

1 खुले में शौच कदापि न करें। खुले में शौच करते हुये पकड़े जाने पर जुर्माने से दण्डित किये जायेगें।

2 वार्ड की स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति में सक्रिय सहयोग कर वार्ड में पूर्ण स्वच्छता लायें।

3. डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में अपना सहयोग अवश्य करें एवं सूखा कूड़ा व गीला कूड़ा अलग करके कचरा संग्राहक को सौपें।

4 पर्यावरण को प्लास्टिक के प्रदूषण से मुक्त बनायें। पॉलीथीन का प्रयोग करते हुये पकड़े जाने पर जुर्माने से दण्डित किये जायेगें।

5. कूड़ा–करकट आदि नालियों, सड़कों, खुले स्थानों में न फेकें, सफाई में सहयोग करें।

6. बिना भवन का नक्शा पास कराये, भवन निर्माण न करायें।

7. जल ही जीवन है इसकी बचत करें और भूगर्भ जलस्तर को बनाये रखने में अपना सहयोग करें।

8. नगर पंचायत की भूमि, सार्वजनिक स्थलों, सड़क की पटरी, नाली/नालों आदि पर अवैध अतिक्रमण ना करें।

9. पथ प्रकाश बिन्दुओं को क्षति ना पहुंचायें।

10. यह नगर आपका है इसे स्वच्छ एवं अपना सुन्दर बनाने में अपना सहयोग करें।

हेमन्त कुमार जायसवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि, नगर पंचायत उसका बाजार, सिद्धार्थनगर

मंजू जायसवाल, अध्यक्ष, नगर पंचायत उसका बाजार, सिद्धार्थनगर

सम्मानित सदस्य का नाम

श्रीमती प्रमिला देवी, श्री कल्लू प्रसाद, श्री कासिम, श्रीमती कांती देवी, श्रीमती गुड़िया देवी, श्रीमती सूर्यमती देवी, श्री विभूति प्रसाद अग्रहरि, श्री राजेश कुमार, श्री अंगद सहानी, श्री मयँक पाण्डेय, श्री उपेन्द्रनाथ दूबे, श्रीमती पूनम त्रिपाठी, श्री अयोध्या साहू, श्रीमती प्रेमा देवी, श्री सूरज कुमार

कार्यालय नगर पंचायत रूद्रपुर, देवरिया

स्वच्छ सर्वेक्षण–2026

स्वच्छ भारत मिशन! एक कदम स्वच्छता की ओर।

स्वच्छता ही सेवा है, गन्दगी जानलेवा है।

आइये! मिलकर करे गन्दगी दूर, स्वच्छ हो अपना रूद्रपुर

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्त नगरवासियों को मंगलमय जीवन एवं उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं

विकास के पथ पर अग्रसर नगर पंचायत रूद्रपुर अपने नागरिकों से निम्नलिखित अपेक्षाएं करता है :-

01. यह नगर आपका है इसे स्वच्छ व सुन्दर बनाये रखने में अपना सक्रिय योगदान दें।

02. कूड़ा गाड़ी द्वारा कूड़ा उठा लिए जाने के पश्चात सड़कों पर कूड़ा कदापि न रखें।

03. नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है, नगर को स्वच्छ रखने में सहयोगार्थ गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग करके कर्मचारियों को देवें।

04. स्वच्छ पर्यावरण हेतु सामुदायिक / सार्वजनिक शौचालय अथवा व्यक्तिगत शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच न करें।

05. पथ प्रकाश के बिन्दुओं को क्षति न पहुंचायें ये निशा काल में आपके पथ प्रदर्शक है।

06. अतिक्रमण एक संज्ञेय अपराध है, सड़कों एवं नालियों को अतिक्रमण मुक्त रखें।

07. नगर पंचायत में अपने परिवारजनों के जन्म-मृत्यु की सूचना विलम्बतम 21 दिन के अन्दर दर्ज कराकर पंजीयनोपरान्त नि:शुल्क प्रमाणपत्र प्राप्त करें।

08. अपने भवन के गृहकर, दुकान किराया आदि बकाया करों का भुगतान समय से अवश्य करें।

09. भवन आदि निर्माण कार्य मानचित्र स्वीकृति के पश्चात ही करें।

10. नाली, सड़क, जलजमाव व साफ-सफाई संबंधी शिकायत नगर पंचायत रूद्रपुर के फ्री नम्बर 1533 पर तथा सेप्टिक टैंक की सफाई हेतु टोल फ्री नम्बर 14420 पर फोन कर दर्ज करायें।

11. पॉलीथीन का प्रयोग निषिद्ध है। इसके स्थान पर जूट व कपड़े के थैले का प्रयोग करें, पॉलीथीन का प्रयोग कदापि न करें।

दिव्या मित्तल, जिलाधिकारी, देवरिया

प्रेम नारायण सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्र.), प्रभारी अधिकारी, स्थानीय निकाय देवरिया

नितेश गौरव, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत रूद्रपुर, देवरिया

सुधा निगम, अध्यक्ष नगर पंचायत रूद्रपुर

छट्ठे लाल निगम, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भाजपा गोरखपुर क्षेत्र, पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत रूद्रपुर

समस्त सभासदगण

पत्रांक: मेमो/न.पं.रू./2026-27 दिनांक 23.01.2026

उपेन्द्र मास्टर, वार्ड नं0-1; कुमारी देवी, वार्ड नं0-2; जयरतन चौरसिया, वार्ड नं0-3; अंकितमणि त्रिपाठी, वार्ड नं0-4; मुकेश विश्वकर्मा, वार्ड नं0-5; राजन चौधरी, वार्ड नं0-6; नूरी खातून, वार्ड नं0-7; पुनीता देवी, वार्ड नं0-8

पंकज पाण्डेय, वार्ड नं0-9; अजय जायसवाल, वार्ड नं0-10; सुशील मद्धेशिया, वार्ड नं0-11; नीलम यादव, वार्ड नं0-12; श्वेता पाण्डेय, वार्ड नं0-13; सुशील निगम, वार्ड नं0-14; अनीता रावत, वार्ड नं0-15; अनील पाण्डेय, वार्ड नं0-16

संक्षिप्त खबरें

बस्ती मे ब्राह्मण नाराज, लष्ट कानून वापस ले सरकार नहीं तो बहुत बड़ा आंदोलन होगा

बस्ती। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नये दिशा निर्देशों को लेकर सर्वण समाज और छात्रों में आक्रोश का माहौल है। मंगलवार को मालवीय रोड स्थित ब्राम्हण महासभा परिसर में जिलाध्यक्ष नवीन दूबे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब तक यूजीसी का नया नियम वापस नहीं लिया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा । अगर सरकार मामले में हस्तक्षेप न किया तो बहुत बड़ा आंदोलन होगा जिसकी जिम्मेदार केंद्र सरकार होगी ब्राम्हण महासभा जिलाध्यक्ष नवीन दूबे ने कहा कि यूजीसी का नया कानून शिक्षा के क्षेत्र में असमानता बढ़ाएगा और विभिन्न वर्गों के बीच टकराव की स्थिति पैदा करेगा। मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन किया जाएगा। कहा कि अच्छा हो कि सरकार असमानता फैलाने वाला कानून वापस ले। यूजीसी एक्ट 2026 के तहत बनाए गए कुछ प्रावधानों को संविधान विरोधी एवं सामाजिक सौहार्द के लिए घातक बताते हुए नबीन दूबे ने कहा कि नियम सभी छात्रों पर समान रूप से लागू किए जाएं। किसी भी जाति या वर्ग को न तो विशेषाधिकार मिले और न ही किसी को पूर्वाग्रह के आधार पर संदेह की दृष्टि से देखा जाए। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रूप से उपेन्द्र शुक्ल, सौरभ दूबे, अंकित त्रिपाठी, रोशन पाण्डेय, संजय शुक्ल, दुर्गेशधर द्विवेदी, विवेक मिश्र के साथ ही ब्राम्हण महासभा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

बलरामपुर में नेपाली यात्रियों से भरी बस पलटी:गाय को बचाने के प्रयास में हादसा, 19 लोग घायल

बलरामपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर तुलसीपुर के रमईडीह के पास एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। यह दुर्घटना बेसहारा गाय को बचाने के प्रयास में हुई। बस में नेपाली यात्री सवार थे, जिनमें से 19 लोग घायल हो गए। घायलों में 13 महिलाएं शामिल हैं। सभी घायलों को जिला मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में कुल 26 नेपाली यात्री सवार थे। ये सभी हरियाणा के बढ़नी जा रहे थे। यात्रियों में नेपाल के अर्घाखांची जनपद के पोखरा निवासी हरिकला, झापा की धन माया, पालपा की सीता और बुटवल की रानी बड़की पथरी निवासी किशन पाल जैसे लोग शामिल थे।

बारिश के कारण सड़क गीली हुई

सुबह हुई बारिश के कारण सड़क भीगी हुई थी। बस चालक वीरू ने अचानक सामने आई एक गाय को बचाने के लिए ब्रेक लगाया। हालांकि, भीगी सड़क पर बस फिसल गई और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक खड्ड में पलट गई।दुर्घटना में कुछ यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। हरिकला के कंधे और धन माया की कलाई की हड्डी टूट गई, जिसके बाद उनका प्लास्टर किया गया। सीता और किशन पाल के सिर में चोटें आई हैं। अन्य यात्रियों को हल्की चोटें लगी हैं। घायल यात्रियों में रीमा, गोमा, वंशिका, शिवम (सिरसा, हरियाणा), कमला उर्फ हरिकला, खीमू (नेपालगंज), राधिका पोडल (रूपनडीह, बुटवल), मोतीराम, मीना, सविता (झापा), अजय कुमार, ईशा कुमारी (भोलन गांव), सूर्या और रीना (पालपा) शामिल हैं।जिला मेमोरियल अस्पताल के आर्थो सर्जन डॉ. पंकज वर्मा ने बताया कि सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। देहात कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी ने जानकारी दी कि दुर्घटनाग्रस्त बस को थाने लाया गया है और चालक सुरक्षित है। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

कप्तान साहब खाकी को ढाल बना रहे स्पा माफिया, क्या आप तोड़ेंगे यह अपवित्र गठबंधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में मसाज पार्लरों की आड़ में चल रहा जिस्मफरोशी का काला साम्राज्य अब किसी से छिपा नहीं है। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इस 'गंदे धंधे' के सौदागर अब पुलिस (खाकी) को अपनी ढाल बनाकर सरेआम चुनौती दे रहे हैं। सवाल यह है कि क्या बस्ती पुलिस इन माफियाओं के सामने नतमस्तक है या फिर यह मौन किसी 'बड़े खेल' का हिस्सा है?

सिस्टम जेब में है' स्पा माफिया का दुस्साहस

हाल ही में एक स्पा संचालक विक्की चौहान का जो कबूलनामा सामने आया है, उसने खाकी की साख पर गहरा बट्टा लगा दिया है। उसका यह दावा कि 'सिस्टम मेरी जेब में है और पुलिस से हमारी पक्की सेटिंग है ', यह बताने के लिए काफी है कि अपराधियों के मन से कानून का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरेआम यह स्वीकार करना कि लड़कियां नेपाल से बुलाई जाती हैं और पुलिस का कोई डर नहीं है, सीधे तौर पर जिले की कानून व्यवस्था को अंगूठा

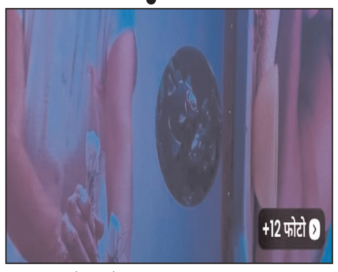

दिखाने जैसा है।

DIG के आदेश की अवहेलनाः क्या कप्तान के आदेश अब फाइलों में दबेंगे?हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर मामले में रेंज के सबसे बड़े अधिकारी, DIG बस्ती परिक्षेत्र ने खुद संज्ञान लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर कार्रवाई 'शून्य' रही। न तो संदिग्ध स्पा सेंटरों पर ताले लटके और न ही विक्की चौहान जैसे गुर्गों पर शिकंजा कसा गया। क्या जिले के थाना स्तर के अधिकारी अपने उच्चाधिकारियों के आदेशों को रद्दी की टोकरी में डाल रहे हैं?

पुलिस की 'संदिग्ध चुप्पी' के मायने क्या?

जब 'जन एक्सप्रेस' की टीम ने इस मामले की तह तक जाने की कोशिश की और शहर कोतवाल से उनका पक्ष जानना चाहा, तो जवाब गैर-जिम्मेदाराना मिला। जनता पूछ रही हैः आखिर छापेमारी में देरी क्यों की जा रही है? क्या अपराधियों को भागने और साक्ष्य मिटाने का मौका दिया जा रहा है?क्या पुलिस की चुप्पी इस 'अपवित्र गठबंधन' पर मुहर नहीं लगाती?

मैदान में उतरिए कप्तान साहब!

बस्ती की जनता अब आपकी ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। अगर अब भी पुलिस ने कड़ा रुख नहीं अपनाया, तो स्पा का यह 'काला सच' जांच की फाइलों में ही दफन होकर रह जाएगा। जिले की मर्यादा को तार-तार करने वाले इन सफेदपोश अपराधियों और उनके मददगारों को बेनकाब करना अब आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।मसाज की आड़ में जिस्म का बाजार सजाने वाले ये माफिया तभी तक शेर हैं, जब तक इन्हें खाकी की शह प्राप्त है। कप्तान साहब, क्या आप इस 'सेटिंग' के तिलस्म को तोड़कर बस्ती की गलियों से इस गंदगी का सफाया करेंगे?

बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा 01 तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 32 बोर के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

शुकुल बाजार अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त कैकूबाद हुसैन पुत्र कयूम हुसैन निवासी तेतारपुर मजरे बरसण्डा थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी उम्र करीब 36 वर्ष गिरफ्तार किया गया। तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 01 तमंचा 01 जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद हुआ । गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गई।

यूजीसी के नये नियमों को लेकर आक्रोशः मेधा ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के भान पुर तहसील के उप जिलाधिकारीको यूजीसी के नये नियमों को लेकर आक्रोश लगातार बढता जा रहा है। मंगलवार को मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी के नेतृत्व में मेधा पदाधिकारियों, छात्रों और अधिवक्ताओं के साथ भानपुर के उप जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि छात्रों के बीच जाति के आधार पर भेदभाव वाले नियमो को यूजीसी तत्काल वापस ले। ज्ञापन देने के बाद दीनदयाल तिवारी ने कहा कि यूजीसी की नई गाइड लाइन छात्रों के लिए किसी वेदना से कम नहीं है। भारतीय संविधान में किसी भी अपराध के लिए सभी के लिए बराबर की सजा है तो फिर जातिगत कानून क्यों। नई गाइडलाइन के तहत शिकायत को ही प्राथमिक सत्य मानकर कार्रवाई करने की निति तय की गई है।

गाइड लाइन में असत्य शिकायत पर किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान नहीं किया गया। यह कहां का न्याय है। छात्रों को जातिगत धारा में बांटना संविधान के बिलकुल विपरीत है। जब

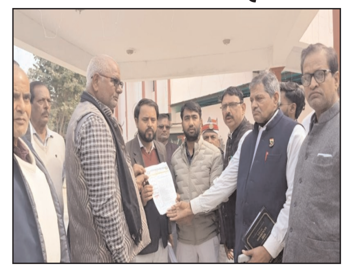

भारतीय न्याय संहिता व विश्वविद्यालयों के आंतरिक अनुशासन नियम पहले से अस्तित्व में है तो फिर इस तरह का काला कानून क्यों। कहा कि यूजीसी के नये दिशा निर्देश को वापस नं लिया गया तो मेधा का चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। बताया कि आगामी 30 जनवरी को बापू प्रतिमा के समक्ष मौन सत्याग्रह कर यूजीसी के भेदभाव उत्पन्न करने वाली गाइड लाइन को वापस किये जाने की मांग किया जायेगा। भानपुर के उप जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजने के दौरान मुख्य रूप से अधिवक्ता विनोद कुमार पाण्डेय, अंकेश पाण्डेय, उदय पाण्डेय, आशुतोष सिंह, सूर्यभान पाल, जितेन्द्र पाण्डेय, शनि पाण्डेय, लोकनाथ उपाध्याय, छोटू सिंह के साथ ही मेधा पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

बिना परमिट के सागौन के पेड़ की कटान मामले में वन विभाग ने की कड़ी कार्रवाई

●बेचू शर्मा व चंद्रिका यादव के खिलाफ वन विभाग ने दर्ज किया मुकदमाग्राम पंचायत कलवारी ऐहतमाली के अन्तर्गत राजस्व गांव चनगहिया से जुड़ा मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले के बहादुरपुरवन रेंज कप्तानगंज के अन्तर्गत विकासखण्ड बहादुरपुर के ग्राम पंचायत कलवारी ऐहतमाली के राजस्व गांव चनगहिया में बिना परमिट के सागौन के बाग की कटान चल रही है जिसकी सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को मिली । बिना परमिट के सागौन के पेड़ की सूचना पर तत्काल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई । वन विभाग की टीम के जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि ग्राम पंचायत कलवारी ऐहतमाली के राजस्व गांव चनगहिया में चल रही कटान पूरी तरह अवैध है । सागौन के बाग की कटान कराने वाले

लकड़ी ठेकेदार ने न तो वन विभाग के किसी अधिकारी व कर्मचारी को कोई सूचना नहीं दिया था और न ही कलवारी पुलिस को कोई सूचना दिया था । वन विभाग की टीम ने कटी सागौन की लकड़ी व लकड़ी काटने वाली मशीन को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरु कर दिया है । वन रक्षक वन्दना तिवारी ने बताया कि मौके पर 25 सागौन के पेड़ की कटान हो चुकी है जांच पड़ताल के बाद बिना परमिट के कटे 25 सागौन के पेड़ों के मामले में विभागीय कार्रवाई की जा रही है उक्त प्रकरण में हल्का वन दरोगा सुनील गौड़ उड़ाका दल प्रभारी ने फोन के माध्यम से बताया कि बिना परमिट के कटे सागौन के पेड़ मामले को गंभीरता से लेते हुए लकड़ी ठेकेदार बेचू शर्मा व पेड़ मालिक चंद्रिका यादव के खिलाफ वन विभाग द्वारा केस दर्ज किया गया है और अग्रिम विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने जरूरतमंदों में किया कंबल वितरण

तुलसीपुर (बलरामपुर)। विकासखंड तुलसीपुर की ग्राम पंचायत पिपरा बिशनपुर में ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान अशोक वर्मा एवं ग्राम पंचायत सचिव अनिल कुमार द्वितीय द्वारा जरूरतमंद ग्रामीणों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक वर्मा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ठंड के मौसम में कोई भी गरीब व असहाय व्यक्ति ठंड से परेशान न हो, इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पंचायत सचिव अनिल कुमार द्वितीय ने बताया कि पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर कंबल उपलब्ध कराए गए हैं। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर राहत व संतोष दिखाई दिया। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत के अन्य लोग व ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे।

दबंगों ने वृद्ध महिला जानलेवा हमला जमकर की पिटाई पैर हुआ फैक्चर चलने में असमर्थ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना वृद्ध महिला का पैर जख्मी होने के बावजूद भी किया 151 का चालान मौके पर पीड़िता चलने में असमर्थ लेकिन पुलिस के संवेदना इतनी मर चुकी है की घायल महिला का 151 में चालान कर दिया जबकि मौके पर पैर फैक्चर हुआ डॉक्टरी कराने में भी कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं जिस कारण महिला का इलाज नहीं हो पा रहा हैनाकाम साबित हो रहे हैं मामला कप्तानगंज थाना क्षेत्र के महुलानीगांव का है दबंग दबंग संतोष पुत्र जगन्नाथ संदीप पुत्र जगन्नाथ निरहा पत्नी जगन्नाथ सरिया लेकर लाठी डंडों से जमकर की पिटाई जिससे वृद्धि महिला जिनकना देवी जमीन पर पटक कर की जमकर पिटाई जैसे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई शोर मचाने पर आसपास के लोग दौड़े तब जाकर वृद्ध महिला की जान बची दबंगों द्वारा जबरदस्ती उसके जमीन पर निर्माण कर रहे थे मना करने पर इस घटना को अंजाम दिया पीड़िता थाने पर पहुंची उसे अस्पताल एंबुलेंस द्वारा पहुंचा दिया गया ना कोई पुलिस कर्मी जिससे उसका कोई इलाज नहीं हो पाया लगातार कई दिनों से थाने के चक्कर काटने के बावजूद भी पुलिस ना तो एफ आई आर दर्ज किया ना ही मेडिकल कराया गया जिस महिला को घायल अवस्था में पुलिस छोड़कर के अस्पताल से फरार हो गई पुलिस अधीक्षक को पत्र देने के बावजूद भी कप्तानगंज पुलिस मुकदमा दर्ज करने में हीला हवाली किया और उल्टा ही घायल को ही चालान कर दिया विपक्षी द्वारा पुलिस मिली भगत से वृद्ध महिला को

मुकदमा सुलह करने का दबाव बन जा रहा है मौके पर पुलिस जो है संवेदना मर चुकी है एफ आई आर दर्द तो कर लिया गया लेकिन उसमें करवाई अभी तक कुछ नहीं किया गया पीड़िता को दबंगों द्वारा धमकी दिया जा रहा है की जान से मार दिया जाएगा नहीं तो मुकदमा उठा लो और पुलिस भी दबंग का साथ दे रही है पीड़िता की मदद करने से पुलिस इनकार कर दिया है।

स्वतंत्र प्रभात मीडिया कार्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य ध्वजारोहण समारोह आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। देश के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर स्वतंत्र प्रभात मीडिया कार्यालय में भव्य एवं गरिमामय ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रत्याशी उमेश कुमार पाण्डेय एवं दैनिक जागरण के पत्रकार दिलीप सिंह रहे। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान गाया गया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का आयोजकों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश चन्द्र मिश्र, विनय पाठक एवं गिरिजेश कुमार पाण्डेय, अमित तिवारी, सुनील यादव की गरिमामय उपस्थिति रही । सभी अतिथियों का पुष्पाभिवादन कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार राजीव मिश्रा, अरुणदेव पाठक, मसरूर अली, बदरूजमा चौधरी सहित अनेक पत्रकारगण,

समाजसेवी खादिम, मंदिर के पुजारी बरूवा महाराज, देवा पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मुख्य अतिथि उमेश कुमार पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया लोकतंत्र का सशक्त स्तंभ है और समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम के पश्चात आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं आमंत्रित गणमान्यजनों के लिए समुचित भोजन की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी ने सहभागिता की। भोजन व्यवस्था की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का सफल आयोजन रमेश यादव एवं अरुणदेव पाठक के नेतृत्व में किया गया। अंत में आयोजकों ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

24 घण्टे में थाना जायस पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा

●चोरी के कुल 1,76,000/- रुपये (एक लाख छिहत्तर हजार रुपये), 24 विजिटिंग कार्ड व 01 आधार कार्ड (शत प्रतिशत बरामदगी) के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। दिनांक 27.01.2026 को थाना जायस पर आवेदक आशीष अग्रवाल पुत्र अनूप कुमार अग्रवाल निवासी जेर मस्जिद कस्बा जायस थाना जायस जनपद अमेठी द्वारा लिखित सूचना दी कि आवेदक की बहादुरपुर मण्डी में श्री दुर्गाजी ट्रेडिंग कम्पनी नाम से आढ़त है दिनांक 25.01.2026 को समय करीब 09.00 बजे रात्रि में आढ़त के बाहर तख्त पर लोहे का गल्ला रखा हुआ था । वह किसी काम से आढ़त छोड़कर कांटे के पास चले गये तथा थोड़ी देर बाद पुनः वापस पहुंचे तो देखा कि तख्त के ऊपर रखे गल्ले से सारे रुपये, विजिटिंग कार्ड (विभिन्न बैंक व ट्रांसपोर्ट के) तथा आवेदक का आधार कार्ड चोरी हो गया । उक्त सूचना पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही थी । पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के

कुशल नेतृत्व में थाना जायस पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त लतीफ उर्फ नफीस पुत्र अजीज उर्फ मस्ताना निवासी पूरे पन्नू, औलाद हुसैन थाना जायस जनपद अमेठी उम्र करीब 32 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे 01 पन्नी में कुल 1,76,000/- रुपये, भिन्न-भिन्न नाम के कुल 24 विजिटिंग कार्ड व 01 आधार कार्ड वादी का बरामद हुआ ।पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि दिनांक25.01.2026 को रात्रि करीब 09.00 बजे बहादुरपुर मण्डी में एक आढ़त, जिस पर वह काफी देर से नजर बनाये हुए था, पर बैठा व्यक्ति उठकर कहीं चला गया था कि तभी मौका पाकर वह आढ़त के तख्त पर रखे बक्शे को खोलकर सारा रुपया तथा एक झिल्ली मे बंधे विजिटिंग कार्ड व आधार कार्ड को भी उठा लाया था । बरामदगी के आधार पर थाना जायस पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गई ।गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध जनपद रायबरेली व अमेठी में चोरी, मारपीट, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट आदि की विभिन्न धाराओं में कुल 16 अभियोग पंजीकृत हैं

अपहृत बालक सकुशल बरामद, अपहरण मामले में सात आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती जिलेके पुलिस की सक्रियता सेअपहरण की एक घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया तथा सात आरोपियों की गिरफ्ता री तत्काल कर लिया गया पुलिस के तत्काल एक्शन में अपराधी यो पर शिकंजा करते हुए बालक कोष कुशल बरामद किया गया तथा अपहरण करता है सदर उपयोग की गिरफ्तारी की हुई ताज मामला जिले के थाना गौर क्षेत्र के ग्राम सावंडीह (हरिजन पुरवा) से 26 जनवरी 2026 को सतीश नामक बालक के अपहरण की सूचना मिलने के बाद थाना गौर में मुकदमा संख्या 17/2026 धारा 192(2), 115(2), 352, 140(1), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना गौर पुलिस, थाना वाल्टरगंज पुलिस, स्वाट टीम, एसओजी और सर्विलांस टीम बस्ती द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। पुलिस की इस समन्वित कार्रवाई के दौरान अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया। साथ ही अपहरण की वारदात में संलिप्त सात आरोपियों को 27 जनवरी 2026 को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास पुत्र फूलचंद शर्मा निवासी देईपार थाना वाल्टरगंज, रूपेश पुत्र पूरण कुमार निवासी ग्राम पचानू थाना वाल्टरगंज, मुबारक पुत्र निवास अली निवासी हसनापुर थाना सोनहा, अब्दुल कलाम पुत्र अब्दुल रहमान निवासी हसनापुर थाना कप्तानगंज, सनोज चौधरी पुत्र प्रेमचंद्र निवासी देईपार थाना वाल्टरगंज, इसरार पुत्र इब्राहिम निवासी हसनापुर थाना सोनहा तथा दिलशाद पुत्र यासीन निवासी चौकवा थाना सोनहा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई को थाना गौर और थाना वाल्टरगंज पुलिस के साथ स्वाट, एसओजी एवं सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से अंजाम दिया गया।

विशुनपुर विश्राम में युवाओं की ऐतिहासिक पहल, यातायात सुरक्षा को लेकर गांव बना उदाहरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर पचपेड़वा विकास खंड के अंतर्गत विशुनपुर विश्राम गांव में युवाओं ने सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए यातायात सुरक्षा को लेकर एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल की है। गांव के सभी प्रमुख मार्गों, खतरनाक मोड़ों एवं बिजली के खंभों पर रेडियम लगाए गए, जिससे रात्रि के समय चलने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को मार्ग स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

यह जनजागरूकता अभियान गांव निवासी डाक निरीक्षक विपिन कुमार के दुर्घटना में हुए आकस्मिक निधन के बाद उनकी पावन स्मृति में आयोजित किया गया। विपिन कुमार का असमय जाना पूरे गांव के लिए एक गहरा आघात था। इसी दुखद घटना से सीख लेते हुए युवाओं ने संकल्प लिया कि अब गांव में यातायात सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी पीड़ा न झेलनी पड़े।

युवाओं ने आपसी सहयोग और श्रमदान से रेडियम पट्टियां लगाई तथा ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी

किया। इस दौरान हेलमेट पहनने, रात्रि में लाइट का प्रयोग करने, तेज रफ्तार से वाहन न चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहल केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि समाज के प्रति युवाओं की सोच और जिम्मेदारी का प्रतीक है। बुजुर्गों, महिलाओं एवं आम नागरिकों ने युवाओं के इस कार्य की मुक्त कंठ से सराहना की और इसे अन्य गांवों के लिए अनुकरणीय बताया। ग्रामीणों ने प्रशासन से भी अपील की कि इस प्रकार की जनहितकारी पहल में सहयोग कर गांव की सड़कों को और अधिक सुरक्षित बनाया जाए। युवाओं ने स्पष्ट किया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कानपुर में बिजली सब स्टेशन में लगी भीषण आग

कानपुर। कानपुर के आरपीएच ओल्ड विद्युत उपकेंद्र में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया, यहां स्थापित पावर परिवर्तक नंबर तीन, क्षमता 10 एमवीए,, अचानक आग लग गई, कुछ ही देर में आग ने पूरे विद्युत उपकेंद्र को अपनी चपेट में ले लिया, लपटें देख इलाकाई लोगों ने फायर ब्रिगेड कर्मियों को जानकारी दी, मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया,सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि मंगलवार देर रात आंधी बारिश के कारण शार्ट सर्किट होने की बजह से,ग्वाल टोली,,सूटर गंज,मकराबर्ट गंज चुन्नी गंज और खलासी लाइन क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जिसमें करीब 20 लाख लोगों को बिजली की समस्या का सामना करना पड़ा, बुधवार सुबह आठ बजे के बाद के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य हो सकी।

जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र में एमएसएमई उद्यमी सम्मेलन का हुआ आयोजन

●उद्यमियों को योजनाओं की दी गई जानकारी, इनक्यूबेशन सेंटर का किया गया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित होटल मैक्सकन रिसोर्ट में एमएसएमई उद्यमी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य जनपद के उद्यमियों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना एवं उद्योगों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना रहा। यह कार्यक्रम एमएसएमई संस्थान प्रयागराज, पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए), नई दिल्ली तथा उद्यमी संगठन ईबीसीसी के संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी संजय चौहान रहे। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के उद्यमी निरंतर नवाचार एवं गुणवत्ता के माध्यम से अपने उद्यमों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में आने वाली समस्याओं का समाधान प्रशासन द्वारा सकारात्मक एवं समयबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि उद्यमियों को अनुकूल औद्योगिक वातावरण मिल सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) योजना के अंतर्गत स्थापित इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन भी किया गया। उन्होंने कहा कि इनक्यूबेशन सेंटर नवोदित उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा एमएसएमई से संबंधित योजनाओं, वित्तीय सहायता, पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, बैंक ऋण, खाद्य सुरक्षा मानकों एवं औद्योगिक पंजीकरण से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। सम्मेलन में दिनेश कुमार

चौरसिया (उपायुक्त उद्योग), सतीश शुक्ला (उपायुक्त खाद्य सुरक्षा), सचिन (सहायक महाप्रबंधक, पीएफआरडीए), मुकेश वर्मा (मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, लखनऊ), स्वप्निल (मुख्य प्रबंधक, यूको बैंक), उमाशंकर त्रिवेदी (एमएसएमई, प्रयागराज), मकसूद खान (अध्यक्ष, ईबीसीसी अमेठी), संजय सिंह (अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती अमेठी) सहित बड़ी संख्या में जनपद के उद्यमीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उद्यमियों ने सम्मेलन को उपयोगी बताते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

एसजेएस पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

लालगंज, रायबरेली। नगर के प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान एसजेएस पब्लिक स्कूल, लालगंज में 77वां गणतंत्र दिवस एवं वसंतोत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू सिंह द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने मां वीणा वादिनी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। अपने संबोधन में प्रधानाचार्या ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणतंत्र का अर्थ है–जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा चुनी गई व्यवस्था। यह दिवस भारत के धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक एवं संप्रभु राष्ट्र बनने की ऐतिहासिक यात्रा की याद दिलाता है। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। विद्यालय के प्रबंधक अग्रज सिंह एवं सह-प्रबंधिका डॉ. अनुश्री सिंह ने अपने संदेश में क्षेत्रवासियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अमर शहीद वीरा पासी सामाजिक सेवा संस्थान ने हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के भीरा गोविंदपुर गांव में अमर शहीद वीरा पासी सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, गर्व और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन वीरा पासी पार्क, गोविंदपुर भीरा में किया गया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाया और देश की एकता, अखंडता एवं संविधान की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों ने 26 जनवरी 1950 के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसी दिन भारत को अपना संविधान मिला और देश एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक गणराज्य बना। कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष धीरज पासी, महामंत्री राजाराम पासी, प्रचार मंत्री राजाराम पासी, सचिव सुरेश, मंडल प्रभारी ओमप्रकाश, जिला अध्यक्ष राममिलन पासी सहित अमित कुमार, महेश पासी (गुमदापुर), सरोज कुमारी, रूपवती, रामपति, राजवती, सूर्यवती, रूपरानी व सन्नो समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी, समाजसेवी, युवा एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। समारोह के दौरान बच्चों और युवाओं ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण देशप्रेम से ओत-प्रोत हो गया। अंत में अमर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि अमर शहीद वीरा पासी सामाजिक सेवा संस्थान समाज सेवा, शिक्षा एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है और आगे भी इस तरह के सामाजिक व राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

ब्लूमिंग चाइल्ड पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना 77वां गणतंत्र दिवस, दिखी गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक

लालगंज (रायबरेली): क्षेत्र के शिक्षा जगत में अग्रणी शिक्षण संस्थान ब्लूमिंग चाइल्ड पब्लिक स्कूल, बाल्हेमऊ ऐहार में 77वां गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम, उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान व विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके उपरांत बाल्हेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित झिलमिल जी महाराज एवं बाल्हेमऊ मस्जिद के हाफिज़ जी द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया, जहां गंगा-जमुनी तहज़ीब की अनुपम मिसाल देखने को मिली। कार्यक्रम में डलमऊ क्षेत्र के युवा समाजसेवी विकास सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस अवसर पर क्षेत्र के चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं पत्रकारों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव नृत्य सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्यालय के संस्थापक स्वदेश यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक उर्मिला यादव, अध्यक्ष मुकेश सिंह, प्रधानाचार्य भानु प्रताप यादव, उप-प्रधानाचार्य दिव्यांशी तिवारी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। समारोह के अंत में अतिथियों द्वारा विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बारामती विमान हादसा: उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत छह की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बारामती (महाराष्ट्र), 28 जनवरी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार की बुधवार सुबह एक विमान दुर्घटना में दुर्भाग्यपूर्ण रूप से मृत्यु हो गई, जब उनका चार्टर्ड विमान बारामती एयरपोर्ट के पास लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा पूरे राज्य के लिए एक बड़ा सदमा बन गया है और प्रशासन तथा राजनैतिक गलियारों में गहरा शोक छा गया है। घटना सुबह लगभग 8:45 बजे उस समय हुई जब विमान रनवे पर उतरने की कोशिश कर रहा था लेकिन नियंत्रण खो बैठा और रनवे से अलग खेत की ओर गिर गया। दुर्घटना के क्षणों को सोशल मीडिया पर प्रकाशित दृश्यों में विमान के टुकड़े-टुकड़े हो जाने, आग और धुएं के गुबार के साथ बिखरी हुई कागज़ों की झड़ी दिखाई देती है। प्रारंभिक सरकारी तथा एजेंसी सूत्रों के अनुसार, विमान में कुल 6 लोग सवार थे – इनमें उपमुख्यमंत्री के अलावा पायलट, सह-पायलट और उनके सुरक्षा एवं कर्मचारी दल के सदस्य शामिल थे। सभी यात्रियों की मृत्यु की पुष्टि की जा चुकी है, हालांकि स्थानीय बचाव दलों ने कुछ गंभीर रूप से घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाने की भी सूचना दी थी। बारामती, जो कि पूर्व एनसीपी नेता शरद पवार के राजनीतिक गढ़ के रूप में जाना जाता है, में हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस, दमकल सेवा और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य तेज़ी से शुरू किया। अजित पवार मुंबई से बारामती अपने जिले में ज़िला परिषद चुनाव से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आ रहे थे, जब यह हादसा हुआ। उनका विमान लैंडिंग की कोशिश में रनवे से फिसल गया और नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण यह भीषण हादसा घटित हुआ। राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक प्रतिष्ठित हस्तियों ने इस दुखद घटना पर तत्काल प्रतिक्रिया दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय गृहमंत्री तथा प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी घटना की जानकारी ली और राज्य सरकार को हर संभव सहायता देने का निर्देश दिया। शोक की इस घड़ी में पूरे Maharashtra में गहरा शोक और शांति का आह्वान किया गया है। विमान दुर्घटना की सटीक वजहों की जांच अभी डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) तथा अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा शुरू की गई है। प्रारंभिक जांच में आपको यह देखने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह तकनीकी खराबी, मौसम संबंधी बाधा, या रनवे की स्थिति से जुड़ा मामला था। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के कारणों पर पुष्टि हो सकेगी। अजित पवार की मौत महाराष्ट्र के लिए एक बड़ा राजनीतिक और मानवीय क्षति है। वे लंबे समय तक राज्य राजकारण के एक प्रमुख चेहरा रहे हैं और पिछले कई कार्यकालों में उन्होंने वित्त, नियोजन तथा अन्य महत्वपूर्ण विभागों का नेतृत्व किया है।

चोरों का आतंक घर में नकब लगाकर लाखों की चोरी तीन लाख नकदी और ज़ेवरात पर किया हाथ साफ़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां ग्राम पंचायत खनेवा मितौरा में बीती रात बेखौफ बदमाशों ने एक घर को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने मकान के पीछे से नकब लगाकर घर में प्रवेश किया और करीब तीन लाख रुपये कीमत के जेवरात व नगदी पर हाथ साफ कर दिया पीड़ित शीतल भार्गव पुत्र रतन भार्गव ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। देर रात चोरों ने मकान के पीछे दीवार में नकब लगाई और अंदर घुसकर अलमारी व बक्सों को खंगाल डाला। चोर घर में रखे बहुओं के कीमती सोने-चांदी के जेवरात, नगदी के साथ-साथ पीतल के बर्तन और अन्य कीमती सामान भी समेट ले गए। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा देख उनके होश उड़ गए। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में इससे पहले भी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन चोरों के पकड़े न जाने से उनके हौसले बुलंद हैं। लोगों में पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी देखी जा रही है सूचना मिलने पर रामपुर मथुरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पीड़ित से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ ही संदिग्धों की तलाश की जा रही है। मामले में क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि घटना गंभीर है और पुलिस टीम को जल्द से जल्द चोरी का खुलासा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया जाएगा!!

डीएम के काफिले की गाड़ियां आपस में टकराई डीएम राजा गणपति आर सुरक्षित, डीएम के वाहन सहित दो वाहन क्षतिग्रस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में बुधवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा टल गया, जब जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर के काफिले की गाड़ियां आपस में टकरा गई। यह हादसा उस समय हुआ जब डीएम नवाब नगर गांव का निरीक्षण करने के लिए जा रहे थे। अचानक काफिले की एक गाड़ी द्वारा ब्रेक लगाए जाने के कारण पीछे चल रही गाड़ियां संतुलन नहीं बना सकीं और तीन वाहन आपस में टकरा गए। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में जिलाधिकारी पूरी तरह सुरक्षित रहे हादसा लहरपुर तहसील क्षेत्र में हुआ, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टक्कर इतनी तेज थी कि काफिले की गाड़ियों को आंशिक क्षति पहुंची। दुर्घटना के दौरान डीएम के गनर प्रदीप कुमार को चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने तुरंत घायल गनर को उपचार के लिए भेजा बताया जा रहा है कि गनर की हालत स्थिर है और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। दुर्घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी को काफिले की अन्य गाड़ियों से आगे रवाना कराते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की गाड़ी से सुरक्षित रूप से जिला मुख्यालय भेजा गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात को सुचारु कराया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण अचानक ब्रेक लगना बताया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। गनीमत यह रही कि हादसा बड़ा नहीं हुआ और जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारी सुरक्षित हैं!!

मलिहाबाद के पीवीआर स्कूल में कक्षा 9 के छात्रों ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

मलिहाबाद। पीवीआर स्कूल, मलिहाबाद में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9 के छात्रों ने नशा मुक्त समाज का संदेश देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया। छात्रों ने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्परिणामों को बताया और लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बन्धन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन कुमार तथा मलिहाबाद ब्लॉक प्रमुख मीनू वर्मा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं द्वारा दिया गया यह संदेश समाज के लिए बेहद प्रेरणादायक है। गणतंत्र दिवस के इस कार्यक्रम में देशभक्ति के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता की भी झलक देखने को मिली। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

के डी एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 77वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां। दयालपुर में स्थित के डी एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 77 वें गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़े पैमाने पर किया गया मुख्य अतिथि नवनीत सिंह प्रधान श्रवण कुमार यादव विजय यादव राम नारायण रावत गोपी नाथ कश्यप राम सिंह शैलानी बृजेश पांडे आदि मौजूद रहे बच्चों के द्वारा गांव में प्रभात फेरी कर वंदे मातरम के जयकारों से पूरा गांव एवं पंडाल गुंजायमान हो गया सरस्वती पूजन एवं ध्वजा रोहण के बाद विद्यालय में तीन स्मार्ट क्लासेस का उद्घाटन रूपेंद्र कुमार सिंह प्रबंधक एल एस पब्लिक स्कूल धनवारा तथा अखिलेश प्रताप सिंह प्रबंधक बी वी एम स्कूल कनकहा के हाथों संयुक्त रूप से किया गया बाल कलाकारों के द्वारा देश भक्ति गीत सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया गया संचालक नीरज सिंह के द्वारा शामिल सभी सदस्य एवं बच्चों को गणतंत्र दिवसकी शुभकामनाएं देते हुए संविधान एवं सच्चाई की सही दिशा के बारे में अवगत कराया प्रबंधक के डी एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल यदुनाथ सिंह (पूर्व प्रधान) सहित प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत तिवारी बृजभान सिंह हरिश्चन्द्र यादव शुभम तिवारी देवांशु साहू प्रियंका मिश्रा कंचन सैनी आकांक्षा सिंह वैतरणी राजपूत कोमल रावत प्रिया गौतम प्रिया यादव नैन्शी शुभी जूली अनुष्का मिश्रा सहित सभी अभिभावक ग्राम वासी मौजूद रहे।

रेड रोज पब्लिक स्कूल भजनमऊ में 77वें गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। निगोहां के क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दयालपुर के मजरा भजन मऊ में स्थित रेड रोज पब्लिक स्कूल, में 77 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर ग्राम प्रधान शैलेंद्र कुमार पाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान किया प्रधान ने बच्चों को संविधान और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के संस्थापक आर. सी. मिश्रा ने इस स्कूल की स्थापना की नींव ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के विकास और गांव के उत्थान के लिए किया ताकि बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान हो और वह पढ़ लिख कर आगे अपने गांव का नाम रोशन करें प्रधानाचार्या वर्षा पांडे ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और लघु नाटकों के माध्यम से भारत की संस्कृति और विविधता को प्रस्तुत किया। समारोह का समापन मिठाई वितरण के साथ संपन्न हुआ कार्यक्रम में समस्त अध्यापक सहित छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर बीएलओ का हुआ सम्मान

बिसवां (सीतापुर)। गणतंत्र दिवस पर तहसील सभागार महमूदाबाद में आयोजित एक समारोह में विधानसभा -151 महमूदाबाद अन्तर्गत चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग एक दर्जन बीएलओ को सम्मानित किया। लगभग ग्यारह वर्षों से लगातार बीएलओ का कार्य करने वाले शिक्षा मित्र मो0 मोहसिन अंसारी को भाग संख्या 318 प्राथमिक विद्यालय भुड़कुड़ा को नि0रजि0 अधिकारी/ उपजिलाधिकारी बालकृष्ण सिंह व सदस्य, पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश करुणा शंकर पटेल द्वारा सहा0नि0रजि0/ तहसीलदार अनिल कुमार राम की उपस्थिति में प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपजिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले विधानसभा महमूदाबाद के सम्मानित किये गये सभी बीएलओ की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

युवा संघर्षशील समाज सेवी लकी लोहार उर्फ अखिल विश्वकर्मा ने चुनावी बिगुल बजते ही शुरू की गांवों की पदयात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जहां रात्रि, वहीं बसेरा अपने समर्थकों के साथ जनसंपर्क संकल्प पद यात्रा की हुई शुरुआत-रायबरेली चुनावी बिगुल बजते ही अपने जन बल के साथ सभी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्र में लोगों के बीच में जनसंपर्क करने में लग गए हैं विकासखंड सतांव 28 जनवरी 2026 दिन बुधवार . अपराह्न लगभग 12:15 बजे से पाचो बीर बाबा मन्दिर मे पूजा पाठ कर 80 गावो से होकर . गुजरने वाली सकल्पित पद यात्रा .की हुई शुरू आत- हुई आप को बता दे कि विकासखंड सतांव के अंतर्गत ग्राम पंचायत मलिक मऊ चौबारा के पांचो बीर बाबा मंदिर प्रांगण से क्षेत्र के युवा एवं संघर्षशील जुझारू समाजसेवी अखिल विश्वकर्मा उर्फ लकी लोहार निवासी ग्राम कोरिहर के द्वारा समाज में एक अलग पहचान एवं जन समस्याओं को लेकर,, जहां रात्रि वही सवेरा,, संकल्प यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह संकल्प यात्रा विकासखंड सतांव के पूरे झबरा ,मुनीजरगंज, पूरे आशाराम, संतांव, सुखई खेडा कोडर साहित लगभग अस्सी गांवों में चौपाल लगाकर लोगों को जागरुक करते हुए जोड़ने का काम किया जाएगा। लकी लोहार ने बताया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है जन-जन तक की आवाज बुलंद करना। यह कार्यक्रम कई सप्ताह तक वाला कार्यक्रम रखा गया है इस संकल्प यात्रा में गांव क्षेत्र के नवयुवक व महिलाएं व क्षेत्रीय सम्मानित गणमान्य का शामिल होने के लिए उमडा जन शैलाब इसकार्यक्रम में उमाशंकर शुक्ला, राजेंद्र कुमार, पूर्व ग्राम बच्चा सिंह, सुधीर मिश्रा, हंसराज वर्मा, राजू सिंह , कौशल किशोर दीक्षित, पुत्ती सिंह, सत्तोष मिश्रा अमित कुमार, बाबूलोध, सुमन देवी सुमित्रा देवी कांति गुड़िया आदि उपस्थिति रही।

तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर मां और उसकी बड़ी बेटी की मौके पर मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा में बुधवार सुबह 8 बजे के करीब सड़क हादसे में मां और उसकी बड़ी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटी बेटी मामूली रूप से घायल हो गई। जिसका इलाज नजदीक के अस्पताल में जारी है.तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर यह हादसा थुलवासा बाजार के पास उस समय हुआ, जब बिटाना मौर्य अपनी दो बेटियों 15 वर्षीय अनुष्का मौर्य और 11 वर्षीय आराध्या मौर्य को स्कूल छोड़ने जा रही थी। बताया जा रहा है कि तीनों सड़क किनारे पैदल चल रही थी। इसी दौरान महराजगंज से रायबरेली की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी तरफ बढ़ गया और उन्हें कुचल दिया।

मां-बेटी ने मौके पर तोड़ा दम

टक्कर इतनी भीषण थी कि मां बिटाना मौर्य और बड़ी बेटी अनुष्का की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं छोटी बेटी आराध्या को हल्की चोटें आई। स्थानीय लोगों ने घायल बच्ची को तुरंत एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महराजगंज पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर है।

अहमदाबाद में नौकरी करता था पति

मृतका के भाई शैलेंद्र मौर्य ने बताया कि उनके जीजा राम राज मौर्य अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करते थे। वही उनकी बहन बिटाना फूलवासा में अपनी दो बच्चियों की पढ़ाई के लिए रहती थी। आज सुबह वे बच्चियों को स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने दीदी और भांजी को टक्कर मार दी। जिसमें उन दोनों की मौके पर मौत हो गयी, वही छोटी बेटी जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती है.पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हत्या और हंगामा मामले में कोर्ट का फैसला एक आरोपी को उम्रकैद के साथ 37 हज़ार का जुर्माना, तीन अभियुक्त बरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में पुलिस की प्रभावी पैरवी और सशक्त विवेचना के चलते हत्या से जुड़े एक सनसनीखेज मामले में न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। थाना महोली में पंजीकृत हत्या व जानलेवा हमले के मामले में न्यायालय ने दोषसिद्ध अभियुक्त को आजीवन सश्रम कारावास एवं 37 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटनाक्रम के अनुसार, वादी आयुष अवस्थी पुत्र विनोद अवस्थी ने 5 नवंबर 2021 को थाना महोली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि पुरानी रंजिश के चलते हुए विवाद के दौरान गोली मारकर ललित त्रिवेदी की हत्या कर दी गई। इस मामले में चार लोगों को नामजद किया गया था पुलिस ने विवेचना के बाद सभी नामजद आरोपियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने संजू उर्फ शशिकान्त बाजपेयी को दोषी पाया वहीं, अन्य नामजद अभियुक्त सुधीर त्रिवेदी, अनुराग बाजपेई और अंकित बाजपेई को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया गया न्यायालय ने अभियुक्त संजू उर्फ शशिकान्त बाजपेयी पुत्र सत्यपाल निवासी ग्राम रोहिला, थाना महोली, को धारा 302, 307 भादवि एवं 27 आयुध अधिनियम के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए सश्रम आजीवन कारावास तथा 37,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में की गई सशक्त पैरवी को इस निर्णय में अहम माना जा रहा है!!

विराम खंड-5 में बड़े धूमधाम से मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उप समिति विराम खंड-5 गोमती नगर जनकल्याण ने 77 वें गणतंत्र दिवस पर अध्यक्ष डाक्टर भरत राज सिंह और निवासियों द्वारा विराम खंड-5 के आजाद चन्द्र शेखर पार्क में ध्वजारोहण किया तथा अध्यक्ष डा. सिंह व सचिव अरुण त्रिवेदी, विजय कुमार चोपड़ा, राकेश कुमार श्रीवास्तव आदि ने राष्ट्रहित व वन्देमातरम् के 150 वर्ष गांठ पर अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर डा. भरत राज सिंह, राकेश जेटली, अरुण त्रिवेदी, उमेश तिवारी, विजय कुमार चोपड़ा, राकेश श्रीवास्तव, आनंद प्रकाश अग्रवाल, दया शंकर तिवारी, नित्यानंद पाण्डेय, मनोज शर्मा, अतुल पंत, भदौरिया, प्रवीण मिश्र, राकेश निषाद आदि उपस्थित रहे।

मरकरी पब्लिक इंटर कॉलेज में भव्य वार्षिक उत्सव, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नीलमथा क्षेत्र स्थित मरकरी पब्लिक इंटर कॉलेज में वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, अनुशासन और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। महोत्सव का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत, नृत्य, नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों का मन मोह लिया, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को भी उजागर किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रबंधक रंजीत सिंह की अहम भूमिका रही। उन्होंने समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय स्टाफ के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों एवं स्टाफ ने भी कार्यक्रम को व्यवस्थित और सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरविंदर जीत, प्रमोद शर्मा एवं भारत भूषण (नामित सदस्य, छावनी परिषद, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होती हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में निरंतर

आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उत्सव के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी को मातृशोक

लालगंज (रायबरेली)। वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर त्रिवेदी की पूज्य माताजी स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया। स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी धर्मपरायण और सुसंस्कृत व्यक्तित्व की धनी थीं। वे सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों की मजबूत आधार थीं। उनका जीवन त्याग, संयम और नैतिकता का उदाहरण रहा। उन्होंने सदैव पारिवारिक एकता और सामाजिक सौहार्द को महत्व दिया। मूलतः सातनपुर गांव निवासी रामकिशोर त्रिवेदी वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकार हैं। उन्होंने वर्षों तक निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की। उनके कार्यों से समाज और लोकतंत्र को मजबूती मिली। इसी कारण माताजी के निधन पर कई वरिष्ठ पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया। कई गणमान्य लोगों ने फोन पर शोक-संवेदना प्रकट की। सभी ने इस क्षति को अपूरणीय बताया। लोगों ने कहा कि स्वर्गीय गोमती त्रिवेदी जैसी माताएं समाज की मौन शक्ति होती हैं। उनके संस्कारों से ही जिम्मेदार और जनपक्षधर पत्रकार तैयार होते हैं। उनके निधन को सामाजिक चेतना की बड़ी क्षति माना गया।

भेदभाव की दीवारें गिराने चले, भरोसे की नींव ही हिला दी

[कानून जो डर पैदा करे, क्या वह शिक्षा बचा सकता है?]

[यूजीसी नियमों से मचा राजनीतिक भूचाल: शिक्षा पिस रही है]

भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर ऐसे संवेदनशील चौराहे पर खड़ी है, जहाँ 'समानता', 'न्याय' और 'सुरक्षा' जैसे शब्दों के अर्थ को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। 13 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा अधिसूचित उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता संवर्धन विनियम को आधिकारिक रूप से जाति आधारित भेदभाव समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया। आयोग का तर्क है कि पिछले पाँच वर्षों में जातिगत शिकायतों में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और रोहित वेमुला तथा पायल तड़वी जैसे मामलों ने संस्थानों की संवेदनहीनता को उजागर किया है। इसी आधार पर हर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में समान अवसर केंद्र, समानता समिति, 24 घंटे की हेल्पलाइन और संस्थान प्रमुखों की सीधी जवाबदेही जैसे कड़े प्रावधान किए गए। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था वास्तव में सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी, या फिर समानता के नाम पर एक नई असमानता को जन्म देगी। नए नियमों की मूल संरचना ही सबसे बड़ा विवाद बन गई है। जातिगत भेदभाव की परिभाषा लगभग पूरी तरह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित कर दी गई है। इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक यदि किसी प्रकार के भेदभाव का सामना करें, तो उनके लिए कोई स्पष्ट और समान तंत्र मौजूद नहीं है। पुराने 2012 के नियमों में झूठी शिकायतों पर दंड का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है, जिससे जांच प्रक्रिया में संतुलन बना रहता था। नए नियमों में इस प्रावधान को हटाना कई लोगों को चिंतित कर रहा है। आलोचकों का कहना है कि इससे शिकायतें न्याय का साधन कम और दबाव का हथियार अधिक बन सकती हैं। समानता समिति में सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व न होना भी निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यही कारण है कि कई लोग इसे संविधान में निहित समानता और न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध मान रहे हैं। यह असंतोष अब केवल अकादमिक बहस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक भूचाल में बदल गया है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं और पदाधिकारियों ने खुलकर विरोध दर्ज कराया है। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दिया, जिसमें उन्होंने यूजीसी नियमों को 'ब्लैक लॉ' करार देते हुए सामान्य वर्ग को असुरक्षित बताया और शंकराचार्य के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी जिक्र किया; इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू कर दी। लखनऊ में युवा मोर्चा और किसान मोर्चा के अनेक नेताओं सहित कई बीजेपी पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर पार्टी नेतृत्व को चेतावनी दी और सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की गई। सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध हस्तियों की टिप्पणियों ने भावनात्मक स्वर को और तीखा कर दिया। आलोचकों का आरोप है कि अन्य पिछड़ा वर्ग को नियमों में प्रमुखता देकर राजनीतिक लाभ साधने का प्रयास किया गया, जबकि सामान्य वर्ग को हाशिए पर धकेला जा रहा है। राजनीतिक हलचल के समानांतर, देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र आंदोलनों ने जोर पकड़ लिया है। दिल्ली स्थित आयोग मुख्यालय के बाहर सामान्य वर्ग के छात्रों का धरना यह स्पष्ट संकेत देता है कि विरोध भेदभाव रोकने के उद्देश्य के खिलाफ नहीं, बल्कि एकतरफा व्यवस्था के खिलाफ है। 'कैंपस में अराजकता नहीं, समानता चाहिए' जैसे नारे छात्रों की मानसिक पीड़ा को उजागर करते हैं। अखिल एबीवीपी (बीजेपी से जुड़ा) और एनएसयूआई (कांग्रेस से जुड़ा) जैसे वैचारिक रूप से अलग संगठन भी इस मुद्दे पर एक मंच पर दिखाई दिए, जो अपने आप में असाधारण है। कई छात्र संघों ने औपचारिक पत्र लिखकर नियमों को वापस लेने या संशोधित करने की माँग की है। छात्रों और शिक्षकों का कहना है कि अनुपालन का अत्यधिक दबाव संस्थानों को रक्षात्मक बना देगा, जहाँ झूठी शिकायतों से बचने के लिए सामान्य वर्ग को आसानी से निशाना बनाया जा सकता है। इसका सीधा असर पढ़ाई, शोध और कैंपस के मानसिक माहौल पर पड़ रहा है। विवाद के बढ़ने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और कानून का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आयोग और सरकारों को निष्पक्ष क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी। लेकिन आलोचक पूछते हैं कि जब नियमों की संरचना ही असंतुलित हो, तो केवल आश्वासन से क्या बदलेगा। उनकी माँग है कि झूठी शिकायतों पर सख्त दंड का प्रावधान जोड़ा जाए, भेदभाव की परिभाषा सभी वर्गों के लिए समान हो और समानता समिति में सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया जाए। आयोग का कहना है कि बढ़ती शिकायतों ने कठोर कदम आवश्यक बना दिए थे, लेकिन विरोधी मानते हैं कि आँकड़ों के पीछे के कारणों की गहन जाँच के बिना बनाए गए नियम समस्या को सुलझाने के बजाय बढ़ा सकते हैं। यह विवाद केवल एक नियमन का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की दिशा का प्रश्न बन गया है। समानता का अर्थ यह नहीं कि एक वर्ग की सुरक्षा के नाम पर दूसरे को भय और असुरक्षा में डाल दिया जाए। उच्च शिक्षा में समावेशिता निस्संदेह आवश्यक है, लेकिन वह संतुलन, पारदर्शिता और पारस्परिक विश्वास के बिना संभव नहीं। यदि नियम भय और अविश्वास का वातावरण बनाते हैं, तो वे अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं। आयोग को चाहिए कि वह विरोध को हठधर्मिता से नहीं, बल्कि संवाद और संशोधन से संबोधित करे। सुप्रीम कोर्ट में विनीत जिंदल और मृत्युंजय तिवारी जैसी याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं, जिनमें नियमों को असंवैधानिक और एकतरफा बताया गया है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इस मामले में निर्णायक होगा, लेकिन उससे पहले यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा केवल कानून से नहीं, विश्वास से चलती है। असल प्रश्न यही है कि क्या ये नियम भेदभाव की दीवारें गिराएँगे या नई दीवारें खड़ी करेंगे। इसका उत्तर आने वाले समय में भारतीय उच्च शिक्षा और सामाजिक सद्भाव की दिशा तय करेगा।

प्रो. आरके जैन

स्त्री का मूल्य अब कोख नहीं, उसके विचार हैं

नई पीढ़ी, नया साहस, मातृत्व का नया विमर्श

माँ न बनने का साहस, समाज की आंखें खोलता है

जिस दिन कोई युवती यह कह देती है– 'मुझे माँ नहीं बनना', उस दिन समाज की सबसे सुरक्षित मान्यता असुरक्षित हो जाती है। यह वाक्य भावनाओं से नहीं, चेतना से पैदा होता है, इसलिए डराता है। यह उस अदृश्य स्क्रिप्ट को जला देता है, जिसमें स्त्री का भविष्य जन्म के साथ ही लिख दिया गया था। लोग चौंकते इसलिए हैं कि पहली बार स्त्री अपनी देह को विरासत नहीं, निर्णय का क्षेत्र घोषित करती है। यह इंकार न तो आक्रामक है, न ही विद्रोही दिखता है, फिर भी यह सबसे गहरी बगावत है क्योंकि यह बिना चीखे, बिना अनुमति माँगे, व्यवस्था के केंद्र में सीधा सवाल खड़ा कर देता है। सदियों से स्त्री को यह पाठ पढ़ाया गया कि उसका अस्तित्व स्वयं के लिए नहीं, दूसरों की जरूरतों के लिए है–पहले परिवार, फिर पति और अंततः संतान के लिए। मातृत्व को इतना ऊँचा उठाया गया कि उसके भार तले स्त्री की पहचान दबकर रह गई। उसे सिखाया गया कि त्याग उसका सौंदर्य है और सहनशीलता उसका स्वभाव। आज की बेटियाँ इसी शिक्षा को जाँच की निगाह से देख रही हैं। वे पूछ रही हैं–यदि त्याग ही स्त्री की नियति है, तो पुरुष की नियति क्या है? यह प्रश्न किसी एक भूमिका पर नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक संरचना पर सीधा प्रहार करता है। शिक्षा ने इन सवालों को भाषा दी है और चेतना ने उन्हें निडरता। आज की युवा महिलाएँ जीवन को केवल निभाने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीने का अधिकार मानती हैं। वे जानती हैं कि मातृत्व भावनाओं का उत्सव भी हो सकता है, लेकिन प्रायः यह अदृश्य श्रम, लगातार थकान और स्वयं से मिटते जाने की प्रक्रिया भी बन जाता है। वे साफ देखती हैं कि बराबरी के दावे संकट के समय सबसे पहले टूटते हैं। जब मातृत्व की कीमत एकतरफा वसूली जाए, तब उससे इंकार करना स्वार्थ नहीं, बल्कि न्याय की स्पष्ट माँग बन जाता है। आर्थिक यथार्थ इस निर्णय को और ठोस बना देता है। आज का समय महँगा है, अनिश्चित है और अस्थिर है। एक बच्चे का पालन-पोषण अब केवल प्रेम का विस्तार नहीं, बल्कि वर्षों तक चलने वाला आर्थिक दबाव है। नौकरी छोड़ना, अवसर खोना और निर्भरता स्वीकार करना अब भी ज़्यादातर स्त्रियों के हिस्से आता है। युवा महिलाएँ इस गणित को भावनाओं से नहीं, विवेक से हल करती हैं। वे पूछती हैं–क्या मातृत्व का अर्थ आर्थिक असुरक्षा को स्थायी बनाना होना चाहिए? यह सवाल सुंदर नहीं, लेकिन सच है। मानसिक स्वास्थ्य वह सच है जिसे सबसे लंबे समय तक दबाया गया। माँ को देवी बनाकर उसकी थकान को अदृश्य कर दिया गया। प्रसवोत्तर अवसाद, अकेलापन और हर हाल में 'अच्छी माँ' बने रहने का दबाव वर्षों तक मौन में छिपा रहा। नई पीढ़ी की महिलाएँ इस चुप्पी को तोड़ रही हैं। वे स्वीकार कर रही हैं कि हर स्त्री माँ बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होती, और यह स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। वे साफ कहती हैं–यदि मातृत्व के नाम पर स्वयं को खोना पड़े, तो स्वयं को बचाना अधिक ज़रूरी है। पर्यावरणीय चेतना ने इस बहस को निजी दायरे से बाहर निकालकर वैश्विक धरातल पर ला खड़ा किया है।

जलवायु संकट, सिकुड़ते संसाधन और भविष्य की भयावह अनिश्चितता के बीच अनेक युवतियाँ यह कठोर प्रश्न उठा रही हैं कि क्या ऐसे संसार में बच्चे को जन्म देना नैतिक रूप से उचित है। उनके लिए माँ न बनना जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे गंभीरता से लेना है। वे मातृत्व को केवल व्यक्तिगत सुख नहीं, बल्कि पृथ्वी पर पड़ने वाले उसके प्रभाव के संदर्भ में देखती हैं। यह दृष्टि भावनाओं से नहीं, विवेक से उपजी है, और शायद इसी कारण यह पारंपरिक सोच को असहज करती है। समाज की प्रतिक्रिया आज भी कटु और दंडात्मक है। कहा जाता है कि वे अधूरी हैं, स्वार्थी हैं, या भविष्य में पछताएँगी। लेकिन ये आरोप स्त्री के नहीं, समाज के भय को उजागर करते हैं–उस भय को, जो उसे स्त्री की स्वायत्तता से लगता है। नई पीढ़ी की महिलाएँ अब स्पष्टीकरण नहीं देतीं। वे जानती हैं कि जीवन की पूर्णता किसी एक भूमिका में कैद नहीं होती। वे रिश्तों, सृजन, सामाजिक सहभागिता और आत्मसम्मान में भी जीवन का अर्थ तलाशती हैं। उनका आत्मविश्वास इसलिए चुभता है, क्योंकि यह नियंत्रण और आदेश की भाषा को सिरे से नकार देता है। यह विमर्श मातृत्व के विरोध में नहीं, बल्कि उसके एकाधिकार के विरुद्ध खड़ा है। नई पीढ़ी माँ बनने की संभावना को नकार नहीं रही, बल्कि उसे अनिवार्यता से मुक्त कर रही है। वे साफ कहती हैं–माँ बनना तभी अर्थपूर्ण है जब वह इच्छा से जन्म ले, भय या दबाव से नहीं। यह सोच स्त्री को पहली बार सम्पूर्ण मनुष्य के रूप में स्वीकार करती है, न कि केवल भविष्य की जननी के रूप में। जब चयन स्वतंत्र होगा, तभी मातृत्व भी सच्चे अर्थों में सम्मान का पात्र बनेगा। 'बेटियाँ जो माँ नहीं बनना चाहतीं' कोई क्षणिक फैशन नहीं, बल्कि चेतना की नई क्रांति है। यह बदलाव असहज है, क्योंकि यह उन गहरी और पक्की मान्यताओं को चुनौती देता है जिनमें समाज ने सदियों तक स्त्री को बाँध रखा था। इतिहास सिखाता है कि हर बड़ा परिवर्तन पहले बेचैनी और अव्यवस्था लाता है। आज की बेटियाँ केवल इतना पूछ रही हैं–क्या स्त्री का मूल्य उसकी कोख से तय होगा, या उसके विचार, उसकी चेतना और उसकी स्वतंत्रता से? इसका जवाब समय ही देगा। संभव है कि आने वाला समय अधिक ईमानदार, अधिक न्यायपूर्ण और अधिक मानवतावादी हो–जहाँ मातृत्व सम्मानित विकल्प हो, आदेश या बाध्यता नहीं।

कृति आरके जैन

विद्यार्थियों का भविष्य सुनिश्चित करेगा डिजिटाइजेशन

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीक

भारत में विभिन्न विभागो में डिजिटलाइजेशन शुभ संकेत की तरह दिखाई दे रहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा बालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है । वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिस्पर्धा हेतु इस विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षो से सबसे ज्यादा कोविड-19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही हैद्य दो वर्षो से स्कूल कॉलेज लगातार बंद चले आ रहे हैंद्य मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया हैद्य ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती हैद्य इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैंद्य इसमें शिक्षक आभासी तौर पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती हैद्य आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी,डी,एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही हैद्य ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छूटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्रोत्साहन से विद्यार्थी नए-नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो आरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं है ।ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चे से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें आगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सृजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों की उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सदैव रहती है। दूसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं ।भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है। विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है, जितनी की योजना बनाते समय कल्पना की गई थी। बच्चों की रचनात्मक क्षमता का भी इसमें नुकसान होता है क्योंकि पाठ्यक्रम से संबंधित सारी जानकारियां किताबों में ना खोजकर इंटरनेट के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। उनमें जिज्ञासा का अभाव पैदा होने लगता है एवं रचनात्मकता भी खत्म होती है। ऑनलाइन शिक्षा में छोटे बच्चों को शारीरिक व्यायाम एवं शारीरिक कसरत का अभाव पैदा होने लगता है, छोटे बच्चों को खेलकूद वाली शिक्षा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर दी जाती है पर ऑनलाइन शिक्षा में ऐसा संभव नहीं है। स्कूल कॉलेजों में नियमित शिक्षा कक्षाओं में बैठकर शिक्षकों के दबाव में अनुशासन में दी जाती है, जिससे एक साम्यता छात्रों में बनी रहती है पर ऑनलाइन शिक्षा में छात्र किसी भी नियम से न बंद कर खुलकर इंटरनेट का दुरुपयोग भी कर सकते हैं। भारतीय तथा विदेशी मनोवैज्ञानिकों के अनुसार ऑनलाइन शिक्षा अत्यंत तनावपूर्ण होती है। एक रिसर्च के अनुसार 15 मिनट के ऑनलाइन अध्ययन के बाद छात्रों की नोट्स लेने में रुचि खत्म हो जाती है एवं व मनोरंजन साइड की तरफ झुकने लगते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है सबसे ज्यादा आंखों पर असर पड़ने लगता है बहुत जल्दी ही बच्चों को आंखों में चश्मे और लेंस लगने लगते हैं। पर परिवर्तन संसार का एक मूलभूत नियम है जो राष्ट्र समाज व व्यक्ति अपने को समय के साथ बदल लेगा वह निश्चित रूप से विकास के पथ पर आगे जाएगा। वर्तमान युग डिजिटल युग है कोविड-19 के संक्रमण ने पूरे विश्व को अपनी सोच में परिवर्तन आने के लिए मजबूर कर दिया और यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर हर राष्ट्र ऑनलाइन शिक्षा के लिए जोर शोर से शिक्षा जगत में तैयारियां कर रहा है। यद्यपि इस क्षेत्र में विकसित राष्ट्रों ने ऑनलाइन की शिक्षा की पहल बहुत पहले से करनी शुरू कर दी थी।ऑनलाइन शिक्षा के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि कुछ चुनौतियां विद्यमान है जिसे हमें दूर दूर कर इसे अत्यंत सुलभ बनाना होगा।आज की परिस्थितियों में ऑनलाइन शिक्षा के लाभ अत्यंत अधिक हैं। डिजिटल युग में कोरोना संक्रमण की भयावहता से ऑनलाइन शिक्षा के महत्व में काफी वृद्धि हुई है। ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य काफी उज्जवल है, यह शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है। हमें ऑनलाइन शिक्षा के लिए कड़ी मेहनत एवं निगरानी करनी होगी ताकि छात्रों तथा शिक्षा के जगत से जुड़े जुड़े लोगों को तकनीकी ज्ञान का पूरा लाभ प्राप्त हो सके एवं उनके मानसिक, शारीरिक एवं चरित्र का निरंतर विकास होता रहे।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

भारतवर्ष का प्रथम समाचार पत्र

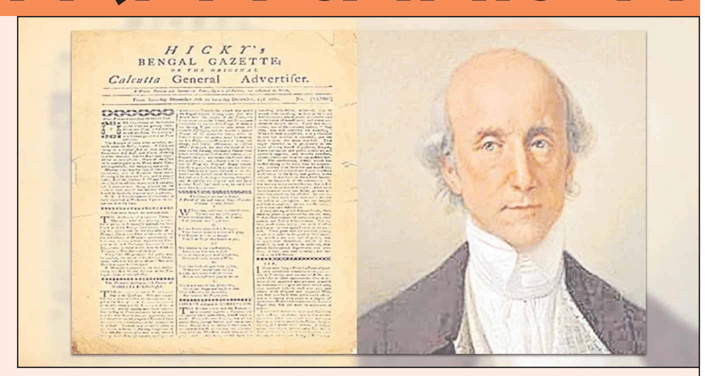

''हजार संगीनों की अपेक्षा शत्रु का एक समाचार-पत्र अधिक भयावह है (योर हॉस्टाइल न्यूजपेपरर्स आर मोर टू बी फियर्ड देन ए थाउजेंड बेएनिट्स)।'' प्रख्यात तानाशाह नेपोलियन की यह उक्ति समाचार-पत्रों की असीम शक्ति का परिचायक है । विश्व में समाचार-पत्रों के आविर्भाव से सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, औद्योगिक आदि हर क्षेत्र में सूचना- क्रांति का पदार्पण तथा एक नये युग का सूत्रपात हुआ। भारतवर्ष में प्रथम मुद्रित समाचार-पत्र निकालने का श्रेय श्री जेम्स ऑगस्टस हिक्की को है, जिनके द्वारा 29 जनवरी 1780 को कोलकाता से ''द बंगाल गजट ऑफ द कलकत्ता जर्नल एडवरटाइजर'' नामक पत्र का प्रथम संस्करण प्रकाशित हुआ। श्री हिक्की द्वारा समाचार-पत्र निकालने के पूर्व श्री विलियम बोल्टस के ''इन्सेंसर्ड सर्वेंट ऑफ इस्ट इंडिया कंपनी'' द्वारा इस कार्य हेतु सार्थक प्रयास किया गया । विलियम बोल्टस ने इस्ट इंडिया कंपनी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के मध्य चल रहे झगड़ों की अभिव्यक्ति हेतु समाचार-पत्र प्रारंभ करने हेतु कंपनी की सेवा से त्याग पत्र दे दिया था । 1 सितम्बर 1766 को विलियम बोल्टस ने कोलकाता के परिषद भवन के द्वार पर हस्त-लिखित समाचार पत्र चिपका दिया । पर दुर्भाग्यवश एक पूर्ण समाचार पत्र प्रारंभ करने की उसकी योजना कार्यरूप नहीं ले सकी, क्योंकि उसे भारतवर्ष छोड़ने और प्रथम उपलब्ध जलयान से यूरोप प्रस्थान कर जाने का आदेश दे दिया गया। 29 जनवरी 1780 (शनिवार) को उसी कोलकाता महानगर में ''द बंगाल गजट ऑफ द कलकत्ता जर्नल एडवरटाइजर'' का प्रथम संस्करण निकला । यह पत्र '' हिक्की का गजट'' नाम से भी चर्चित था, क्योंकि श्री हिक्की हीं इसके संस्थापक, व्यवस्थापक, संपादक और प्रवर्तक थे । दो पृष्ठों वाला यह अंग्रेजी समाचार पत्र 12 ईंच × 8 ईंच आकार वाले पन्नों पर मुद्रित हुआ करता था। यह पत्र बेढंगी लिखावट में मुद्रित था, पाठ्य सामग्री बहुत कम एवं विज्ञापन अधिक थे तथा लोगों की निजी बातों पर 'टिप्पणियां' अधिक होती थीं। जब हिक्की ने अपना समाचार-पत्र निकालना शुरू किया तो उसने अपना उद्देश्य इन शब्दों में घोषित किया - ''मुझे समाचार-पत्र प्रकाशित करने हेतु न तो कोई विशेष लालसा है और न हीं इसकी प्रवृति।

मैं कठोर श्रम का दासत्व नहीं जीना चाहता, फिर भी मैंने अपने मन-मस्तिष्क एवं आत्मा की स्वतंत्रता की प्राप्ति हेतु दासत्व जीवन को प्रसन्नतापूर्वक अंगीकृत किया है।'' हिक्की का ''बंगाल गजट'' भारतवर्ष का प्रथम नियमित समाचार-पत्र था। ''बंगाल गजट'' के प्रथम संस्करण में आज के समाचार-पत्रों की भांति ताजे एवं परिपूर्ण समाचार नहीं हुआ करते थे । इसके 'समाचार' पुराने यूरोपीय समाचार-पत्रों से लिए हुए होते थे। उन दिनों कठिन एवं अविकसित परिवहन-तंत्र के कारण विदेशी यूरोपीय समाचार-पत्रों के भारत-भूमि पर पहुंचने में प्रायः महीनों लग जाते थे। हिक्की ने अपने पत्र की आचार-नीति घोषित करते हुए लिखा है कि ''उसका समाचार-पत्र साप्ताहिक, राजनैतिक एवं व्यवसायिक है, जो सभी दलों के लिए सुलभ है, परन्तु किसी के द्वारा भी प्रभावित या नियंत्रित नहीं रहेगा । ''हालांकि विषय-सामग्री, छपाई एवं प्रकाशन की दृष्टि से यह पत्र आदिमकालीन था, फिर भी इसका महत्व एक ऐतिहासिक समाचार-पत्र के रूप में सर्वदा चिर-स्मरणीय रहेगा। भारतवर्ष के इस प्रथम समाचार-पत्र के प्रकाशन के साथ हीं भारतीय पत्रकारिता के एक नये युग का 'श्रीगणेश' हुआ, जो बाद के वर्षों में राष्ट्र में लोकतंत्र एवं स्वराज की पुनर्स्थापना का एक सशक्त माध्यम बन गया । मात्र दो वर्षों के संघर्षशील जीवन के बावजूद 'बंगाल गजट' का इतिहास अत्यंत रोमांचकारी था। हालांकि इस पत्र ने भारतवर्ष की स्वाधीनता हेतु न तो जनजागरण किया और न हीं कोई धार्मिक या सामाजिक संदेश प्रकाशित किया । वस्तुतः इसने धड़ल्ले से खट्टी-मिट्ठी कहानियां प्रकाशित कीं। पर इस पत्र की महानता प्रेस की स्वतंत्रता हेतु इसके निर्भीक एवं साहसपूर्ण संघर्ष में समाहित है। 'बंगाल गजट' ने शिक्षा, अभिव्यक्ति तथा सभाओं की स्वतंत्रता का पुरजोर समर्थन किया और उसे मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक बुनियादी तत्व की संज्ञा दी। जेम्स ऑगस्टस हिक्की भारतीय पत्रकारिता के जनक के रूप में याद किए जाते हैं। वे साहसी, प्रतिभाशाली तथा अपने प्रयासों के प्रति दृढ़संकल्पित थे । वे एक निर्धन व्यक्ति थे, पर उनके द्वारा उठाये गए हर कदम में उनकी विलक्षणता, निर्भीकता एवं साहसिकता के अद्भूत दिग्दर्शन होते थे।

ई0 प्रभात किशोर

आम आदमी की नजर से नौवां बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। यह अवसर ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह मोरारजी देसाई के दस बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है, विकसित देशों की मौद्रिक नीतियों का दबाव है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती दिख रही है और युद्धों के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है, भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यह वर्ग केवल कर में छूट नहीं चाहता, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों में राहत चाहता है। वेतनभोगी परिवारों के लिए बढ़ती किस्तें, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और मकान का सपना लगातार महंगा होता जा रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि कर कटौती की सीमा बढ़े, ताकि हाथ में बचने वाली आय से रोजमर्रा का जीवन थोड़ा आसान हो सके। केवल आयकर की दरों में बदलाव ही नहीं, बल्कि मकान ऋण पर मिलने वाली ब्याज छूट को बढ़ाने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिल सकता है। आज शहरों में एक साधारण घर भी मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में सस्ते आवास को प्रोत्साहन देना सामाजिक स्थिरता के लिए भी जरूरी है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी की चिंता और भी गहरी है। बीमारी आज केवल शारीरिक संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन जाती है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत और बीमा प्रीमियम ने मध्यम और निम्न आय वर्ग को डरा रखा है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर में अधिक छूट मिले, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान हों और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का दायरा बढ़े, तो यह बजट वास्तव में जीवन रक्षक साबित हो सकता है। आयुष आधारित उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और दवाओं की सस्ती उपलब्धता जैसे कदम आम परिवार के लिए राहत की सांस होंगे।

ग्रामीण भारत और किसान इस देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। आधी से अधिक आबादी आज भी खेती और उससे जुड़े कामों पर निर्भर है, लेकिन आय की अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने किसान को असुरक्षित बना दिया है। किसानों को मिलने वाली प्रत्यक्ष सहायता राशि में वृद्धि, सस्ते ऋण की सीमा बढ़ाना और फसल बीमा को अधिक पारदर्शी तथा त्वरित बनाना समय की मांग है। सिंचाई परियोजनाओं में बड़े निवेश से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जब गांव मजबूत होंगे, तभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा और सामाजिक संतुलन बना रहेगा।

लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका भी इस बजट में केंद्र में रहनी चाहिए। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था और तकनीकी सहायता से ये इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रोत्साहन देने से सामाजिक बदलाव भी आएगा। गांव और कस्बों में यदि छोटे उद्योग फलते-फूलते हैं, तो पलायन रुकेगा और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी। महिलाएं और युवा किसी भी देश के भविष्य की असली पूंजी होते हैं। महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की भी शर्त है। स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को यदि मजबूत समर्थन मिले, तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि विकास की सहभागी बनेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी नौकरी न मिलना आज लाखों युवाओं की हकीकत है। यदि बजट में प्रशिक्षु कार्यक्रम, नई नौकरियों के लिए प्रोत्साहन और नवाचार आधारित उद्यमों को सहायता मिले, तो यह निराशा उम्मीद में बदल सकती है। शिक्षा पर निवेश लंबे समय का निवेश होता है। विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता सुधारना आवश्यक है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को समाज की मुख्यधारा में लाने से युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों से दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने से ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच की खाई कम होगी। जब शिक्षा सशक्त होगी, तभी जनसंख्या का लाभ वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलेगा। स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर खर्च किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल, डॉक्टर, जांच सुविधाएं और चिकित्सा उपकरण यदि सुलभ होंगे, तो जनता का भरोसा मजबूत होगा। इसी तरह सड़क, रेल, हवाई संपर्क और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश से न केवल रोजगार पैदा होते हैं, बल्कि पूरे देश की उत्पादकता बढ़ती है। स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल योजनाओं से आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है। जब घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पहुंचेगी, तो बिजली का खर्च घटेगा और प्रदूषण भी कम होगा।

निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ-साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा-लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है। आम आदमी आज चमत्कार नहीं, बल्कि ईमानदार कोशिश चाहता है। अगर यह कोशिश दिखाई दी, तो 2047 के सपने की राह और भी स्पष्ट हो जाएगी।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

पासपोर्ट सत्यापन में रिश्वत, दो सिपाही निलंबित

देवरिया। जनपद में पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने वाले कृत्य पर पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस कार्यालय की फीडबैक सेल को प्राप्त शिकायत के आधार पर पासपोर्ट सत्यापन के एवज में धनराशि लेने के आरोप में दो आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना लार में तैनात आरक्षी संदीप कुशवाहा एवं थाना महुआडीह में तैनात आरक्षी उमंग यादव द्वारा पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर अवैध धन वसूली किए जाने की पुष्टि हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने दोनों आरक्षियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की। वहीं थाना खामपार में तैनात आरक्षी शीलरतन को अनुशासनहीनता के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी।

पुरानी बातों को लेकर मारपीट व धमकाने का आरोप

ललितपुर। थाना मदनपुर अंतर्गत ग्राम अमौदा में रहने वाले प्रवेन्द्र पाल पुत्र देवीपाल ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 26 जनवरी को वह अपनी पत्नी सुनीता, मां गुलाब रानी के साथ घर के पास बने बेड़े में जा रहे थे। तभी गांव के भरतलाल पुत्र जसरथ पाल, सुरेश पाल पुत्र बन्धु, पतरह्वानी पत्नी बंधु व सरस्वती पत्नी सुरेश ने एकराय होकर उसके बेड़े में आकर पुरानी बातों को लेकर गालियां देना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे उसकी पत्नी व मां घायल हो गयी। आरोप है कि उक्त लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ललितपुर में दबंगों का आतंक

तमंचा दिखाकर युवक से मारपीट व लूटपाट का आरोप

ललितपुर। जिले के थाना क्षेत्र बानपुर में दबंगों द्वारा तमंचा दिखाकर एक युवक के साथ मारपीट, लूटपाट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शहर क्षेत्र के मोहल्ला पठापुरा निवासी लखन पुत्र प्रकाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 25 जनवरी 2026 को अपनी बहन की ससुराल कुआ गांव में आयोजित मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम के बाद जब वह दोपहर लगभग 1 बजे बाइक से वापस ललितपुर लौट रहा था, तभी गौरा देवी मंदिर के पास तीन बाइक सवार युवकों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों को वह पहचानता भी है ने उसे तमंचा दिखाकर भयभीत किया और उसके साथ मारपीट की। मौके पर पीड़ित ने किसी तरह जान बचाकर भागने की कोशिश की तो करीब 15 अन्य लोग मौके पर आ गए और उसकी बाइक रोक ली। आरोप है कि हमलावरों ने उसकी बाइक, मोबाइल फोन, सोने की चेन और अंगूठी छीन ली। इसके साथ ही आरोपियों ने उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेकाबू ट्रक ने मचाई तबाही, तीन मकान ध्वस्त

तालबेहट। ग्राम पंचायत तेरई के मजरा मोहल्ला मंगलपुर में बुधवार की शाम को एक बेकाबू ट्रक ने भारी तबाही मचा दी। हादसे में तीन आवास पूरी तरह ध्वस्त हो गए, जिससे लाखों रुपये की गृहस्थी बर्बाद हो गई। दुर्घटना में तीन मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बिजली का खंभा टूटने से क्षेत्र में कुछ समय के लिए विद्युत आपूर्ति भी बाधित रही। हादसे में पीड़ित परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि घरों में रखा दो लड़कों का दान-दहेज, बहन की शादी का सामान, खाने का अनाज,कूलर, पंखा, सिलाई मशीन सहित अन्य घरेलू सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। हादसे में नुकसान झेलने वालों में रामेश्वर पुत्र बेताली शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर रिहायशी मकानों में जा घुसा। ट्रक चालक की पहचान आदित्य पुत्र राजेंद्र के रूप में हुई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ितों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

ग्यारह दिन बाद दर्ज हुआ पति पर तीन तलाक, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मुकदमा, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला- गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पूरे 11 दिन बाद पति के खिलाफ तीन तलाक, मारपीट, अप्राकृतिक संबंध और जान से मारने की धमकी जैसे संगीन आरोपों में एफआईआर दर्ज की। इस देरी को लेकर स्थानीय स्तर पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पीड़िता निलोफर खान पत्नी अफजल खान, निवासी ग्राम कोहड़ी बुजुर्ग, ने बताया कि उसका निकाह 17 दिसंबर 2012 को मुस्लिम रीति-रिवाज से अफजल खान पुत्र स्वर्गीय अब्दुल समद खान के साथ हुआ था। शादी के बाद वह ससुराल में पति के साथ रहती थी। इस दांपत्य जीवन से उसके तीन बच्चे हैं–13 वर्षीय पुत्र हसन खान, 11 वर्षीय पुत्री अलीना खान और 3 वर्षीय पुत्री आयजल खान।

पीड़िता के अनुसार, शादी के कुछ वर्षों बाद उसके पति के किसी अन्य महिला से अवैध संबंध हो गए। इसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट, मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न शुरू हो गया। निलोफर खान का आरोप है कि पति ने जबरन दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया। इतना ही नहीं, पति द्वारा उसके साथ जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाए जाते थे। विरोध करने पर उसे बेरहमी से पीटा जाता और जान से मारने की धमकी दी जाती थी।

पीड़िता का कहना है कि 15 जनवरी 2026 को उसके पति अफजल खान ने मौखिक रूप से तीन बार 'तलाक' कहकर उसे तलाक दे दिया और बच्चों सहित घर से निकालने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसके साथ जमकर मारपीट की गई और धमकी देकर घर से बाहर निकाल दिया गया।

पीड़िता ने उसी दिन थाना गोला में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसके बाद 24 जनवरी को उसने दोबारा थाने में प्रार्थना पत्र दिया, फिर भी मामला दर्ज नहीं हुआ।

लगातार न्याय न मिलने से हताश पीड़िता ने अंततः उच्च पुलिस अधिकारियों से शिकायत की। उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद जाकर पुलिस ने 11 दिन बाद मुकदमा दर्ज किया। इस संबंध में थाना

प्रभारी राकेश रौशन सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ बीएनएस की धारा 85, 89, 115(2), 351(3) तथा मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम 2019 की धारा 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल सवाल यह है कि यदि पीड़िता उच्चाधिकारियों तक न पहुंचती, तो क्या उसे न्याय मिल पाता? यह मामला न सिर्फ एक महिला की पीड़ा को उजागर करता है, बल्कि पुलिस की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

मजदूरी कर घर लौट रहे युवक पर हमला, मोबाइल व 15 हजार छीने जाने का आरोप- पुलिस ने लूट से किया इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा- गोरखपुर सहजनवां क्षेत्र मेहदावल थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां हैदराबाद में मजदूरी कर घर लौट रहे एक युवक के साथ मारपीट और छीनैती का आरोप लगा है। पीड़ित का कहना है कि बदमाशों ने उसे घेरकर बेरहमी से पीटा और उसका मोबाइल फोन व नकद 15 हजार छीनकर फरार हो गए, जबकि पुलिस इसे आपसी विवाद से जोड़ते हुए लूट की घटना से इनकार कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहदावल थाना क्षेत्र के सोहनौरा गांव निवासी दीपू पुत्र भोला राजभर हैदराबाद में रहकर मजदूरी करता है। मंगलवार की रात करीब 9:30 बजे वह हैदराबाद से कमाकर अपने घर लौट रहा था। रास्ते में वह अपनी बहन के घर धुरियापार टोला भरपूरवा जाने के लिए सीहापार ओवरब्रिज के नीचे उतरा और पैदल आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान उसे अकेला पाकर कुछ बदमाशों ने रास्ते में रोक लिया।

पीड़ित के अनुसार बदमाशों ने पहले उसके बैग और जेब में रखे पैसों की तलाशी ली और रुपए छीनने की कोशिश करने लगे। जब दीपू ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान बदमाश उसका मोबाइल फोन और जेब में रखे 15 हजार नकद छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना

के बाद पीड़ित घायल अवस्था में थाने पहुंचा और दो नामजद तथा कुछ अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। हालांकि इस पूरे प्रकरण में पुलिस का पक्ष पीड़ित के बयान से अलग नजर आ रहा है। इस संबंध में थानाध्यक्ष महेश कुमार चौबे ने बताया कि यह घटना छीनैती की नहीं है। उनके अनुसार किसी महिला को भगाने के मामले को लेकर दोनों पक्षों में पहले से विवाद चल रहा था, उसी को लेकर आपसी मारपीट हुई है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से कहा कि छीनैती का आरोप बेबुनियाद है।

घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। एक ओर पीड़ित खुद को मेहनत की कमाई लुटने का शिकार बता रहा है, वहीं दूसरी ओर पुलिस इसे आपसी विवाद बताकर लूट की बात से इंकार कर रही है। फिलहाल पुलिस तहरीर और तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मामला लूट का है या फिर आपसी रंजिश में हुई मारपीट का।

यूजीसी नियमों के विरोध पर बसपा का हमला

देवरिया। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रमोद आजाद ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर हो रहे विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में इक्विटी कमेटी गठित करने का निर्णय सराहनीय है। प्रमोद आजाद ने कहा कि कुछ सामान्य वर्ग की जातिवादी मानसिकता रखने वाले लोग इन प्रावधानों को अपने विरुद्ध भेदभाव बताकर अनावश्यक विरोध कर रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम किसी वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि समानता और न्याय की दिशा में उठाया गया कदम है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि नियम लागू करने से पहले सभी पक्षों को विश्वास में लिया जाता तो बेहतर होता और सामाजिक तनाव की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने दलित-पिछड़ों से अपील की कि वे स्वार्थी व बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों में न आएं, जो राजनीति चमकाने के लिए समाज को बांटने का काम कर रहे हैं।

गोरखपुर : जमीन विवाद ने ली युवक की जान: झंगहा पुलिस ने हत्या के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत झंगहा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जमीन विवाद में हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने हत्या के आरोप में वांछित अभियुक्त रामजतन निषाद को गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद मामला हत्या में तब्दील हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर राज करन नय्यर के निर्देश पर अपराध नियंत्रण अभियान के क्रम में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अभियुक्त को दबोचने में सफलता हासिल की।

घटना 25 जनवरी 2026 की है। थाना झंगहा क्षेत्र के ग्राम बड़की दुबौली में जमीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद के दौरान अभियुक्तों ने एक राय होकर गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और फिर असलहे व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में वादी का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई और अंततः इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर थाना झंगहा में मु0अ0सं0 36/2026 के तहत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

नामः रामजतन निषाद

पिताः स्व. धन्नू निषाद

निवासीः ग्राम बड़की दुबौली, थाना झंगहा, जनपद गोरखपुर

आपराधिक इतिहास भी उजागर- पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2011 में उसके खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने से संबंधित मुकदमा दर्ज है। वर्तमान मामले में अभियुक्त पर बीएनएस की गंभीर धाराओं

के साथ आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी टीम की भूमिका इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अनूप सिंह के साथ उपनिरीक्षक अनिल कुमार तिवारी, हेड कांस्टेबल लोकनाथ सिंह, कांस्टेबल मोहित सिंह एवं कांस्टेबल अमित यादव शामिल रहे।

पुलिस का सख्त रुख पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जघन्य अपराधों में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और विधिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मड़वारी गांव से हटायी जाये देशी शराब व बीयर की दुकान

●महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर डीएम को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। राजघाट रोड स्थित ग्राम मड़वारी के मुख्य मार्ग पर स्थित बस स्टैंड पर देशी शराब और बीयर की दुकान खुली हुयी है। इस दुकान से यहां रहने वाली महिलाओं ने आपत्ति व्यक्त करते हुए दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने की मांग उठायी है। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करती हुई महिलाओं ने एक ज्ञापन जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भेजा है। बताया कि मड़वारी गांव के मेन रोड पर बस स्टैंड के सामने देशी शराब व बीयर की दुकान संचालित है। उक्त दुकान के कारण सम्पूर्ण गांव के लोग शराब के आदी हो रहे हैं। इसके चलते कई स्थानों पर गाली-गलौज के अलावा मारपीट की

घटनाएं होती रहती हैं। इससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। वहीं महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहा है। इतना ही नहीं मुख्य मार्ग पर शराब पीकर लोग नशे में झूमते नजर आते हैं, जिससे कई बार वाहनों से दुर्घटनाएं भी हो रहीं हैं। महिलाओं ने एकराय होकर शराब की दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय सरोज, जलेब, पार्वती, भारती, वन्दना, भागवती, ममता, अमरवती, नीतू, मालती, जसवन्ती के अलावा अनेकों महिलाएं मौजूद रहीं।

हत्या के प्रयास का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

देवरिया। जनपद में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना मईल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देश पर की गई। थाना मईल में पंजीकृत मुकदमा संख्या 158/2025 के तहत वांछित अभियुक्त अतुल पाण्डेय उर्फ छोटे को मुखबिर की सूचना पर भागलपुर चौराहे से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त पर पैमाइश के दौरान हुए विवाद में वादी पक्ष पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है, जिसके विरुद्ध पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतोष सिंह सहित तीन पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

सीएम डैशबोर्ड पर योजनाओं की समीक्षा, डीएम ने दिए निर्देश

देवरिया। विकास भवन स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ मिल सके। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण तथा विकास कार्यों में गति लाने पर विशेष जोर दिया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट समय से अपलोड करें, जिससे जनपद की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो और रैंकिंग में सुधार हो सके। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

लुंबिनी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उठा मुद्दा, आंदोलन की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। विश्व धरोहर स्थल लुंबिनी में कथित भ्रष्टाचार का मामला मंगलवार को विधान सभा सदन में जोरदार ढंग से उठा। पूर्व मंत्री एवं विधायक सीके गुप्ता ने लुंबिनी विकास कोष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में नियमों को ताक पर रखकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगाया गया तो एक सप्ताह के भीतर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। सीके गुप्ता ने सदन में बताया कि पश्चिम बिहार क्षेत्र में एक ठेकेदार द्वारा 150 कमरों का निर्माण कराया गया, जिसमें लगभग 50 लाख रुपये सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है। इसके अलावा माया देवी मंदिर एवं उसके गुम्बद निर्माण में भी भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन अनियमितताओं का लेखा-जोखा लुंबिनी विकास कोष द्वारा यूनेस्को और पुरातत्व विभाग को भेजा गया है, जिसकी जानकारी कोष को भी थी, इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विधायक ने आरोप लगाया कि बिना आवश्यक योग्यता और अनुभव के ठेकेदार को निर्माण कार्य सौंपा गया। नियमावली के विपरीत अपने चहेतों को ठेका दिया गया और स्थानीय ग्रामीणों व धर्मगुरुओं को

लुंबिनी विकास कोष द्वारा प्रताड़ित किया गया। इसी के विरोध में बीते दिनों स्थानीय लोगों ने लुंबिनी मंदिर के बाहर प्रदर्शन भी किया था। सीके गुप्ता ने कहा कि विदेशी पर्यटक मंदिर में सोना-चांदी सहित बहुमूल्य वस्तुएं दान करते हैं, लेकिन उनका कोई पारदर्शी लेखा-जोखा नहीं है। दान की गई कई वस्तुएं गायब हैं, जिनका रिकॉर्ड प्रदेश सरकार को भी उपलब्ध नहीं कराया जाता। उन्होंने इसके लिए लुंबिनी विकास कोष को जिम्मेदार ठहराया और मंदिर में वीआईपी व्यवस्था समाप्त करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने नेपाल सरकार से मांग की कि सोनौली सीमा के अलावा लुंबिनी क्षेत्र में तीसरे देश के नागरिकों के नेपाल प्रवेश के लिए कालीदह में आव्रजन विभाग खोला जाए, जिससे पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिले। साथ ही लुंबिनी आने वाले पर्यटकों के लिए भंसार (कस्टम) व्यवस्था को और अधिक सरल बनाने पर भी जोर दिया।

रेलवे में छुट्टी लेकर घर आ रहे युवक का सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

●कोरोना काल में पिता के निधन के बाद मृतक को मिली थी रेलवे विभाग में नौकरी

रतनपुर/ महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के नौतनवां-ठूठीबारी मुख्य मार्ग पर स्थित सेमरा चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रेलर के चपेट में आने से परसामलिक थाना क्षेत्र के तरैनी टोला महुअवा निवासी उदयराज उर्फ गोलू चौधरी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटना के बाद वाहन चालक भागने के फिराक में था कि पुलिस ने पीछा करते हुए पुरैनिहा चौराहे पर ट्रेलर व चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई।

जानकारी के मुताबिक परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तरैनी टोला महुअवा निवासी 28 वर्षीय उदयराज उर्फ गोलू चौधरी पुत्र भीम नारायण चौधरी बुधवार की सुबह गोरखपुर से रेलवे की नौकरी से कुछ दिनों की छुट्टी लेकर बाइक से घर वापस आ रहा था कि नौतनवां-ठूठीबारी मुख्य मार्ग पर स्थित सेमरा चौराहे पर नौतनवां के तरफ जा रहे तेज रफ्तार ट्रेलर के चपेट में आ गया। दुर्घटना में मृतक उदयराज के सिर पर ट्रेलर चढ़ जाने से सिर पूरी तरह से छत-विक्षत हो गया। जिससे मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना पर मौके पर

लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस व स्थानीय लोगों के मदद से पुरैनिहा चौराहे पर चालक सहित वाहन को पकड़ लिया गया। पुलिस वाहन समेत चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है।

गोरखपुर में रेलवे में कार्यरत था मृतक उदयराज उर्फ गोलू

मृतक के पिता भीम नारायण चौधरी गोरखपुर में रेलवे विभाग में कार्यरत थे। कोरोना काल के दौरान उनका निधन हो गया। जिसके बाद मृतक आश्रित के रूप में उदयराज उर्फ गोलू चौधरी को गोरखपुर रेलवे विभाग में नौकरी मिली। नौकरी लगने के बाद मृतक उदयराज गोरखपुर में रहकर नौकरी करने लगा। वहीं घर पर मृतक की शादी की बात चल रही थी जिसको लेकर घर में खुशी का माहौल था। वहीं शादी के सिलसिले को लेकर बुधवार को मृतक उदयराज छुट्टी लेकर घर आ रहा था। करीब एक वर्ष बाद घर लौटने की खुशी परिवार के हर सदस्यों के चेहरे पर साफ नजर आ रहा था। पास-पड़ोस के लोग भी काफी खुश थे लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी कि घर पहुंचने से पूर्व ही परिजनों को उदयराज के मौत की खबर मिल गई। इस सदमे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरा गांव सदमे में है।

तीन भाई व एक बहन में तीसरे नंबर का था मृतक उदयराज

मृतक उदयराज उर्फ गोलू चौधरी तीन भाई व एक बहन में तीसरे स्थान का था। बड़ा भाई अमित चौधरी (36) व आशीष चौधरी (33) दोनों घर पर खेती-बाड़ी का कार्य करते हैं। वहीं सबसे छोटी बहन साधना चौधरी (20) का अभी पढ़ाई चल रहा है। उदयराज रेलवे में नौकरी करके बहन की पढ़ाई व घर-परिवार का पूरा खर्चा संभाल रहा था। उदयराज के मौत के बाद माता शकुंतला व दोनों भाई व बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में सोनौली थानाध्यक्ष महेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ऐसे में ट्रेलर व चालक को हिरासत में लिया गया है तथा मृतक के परिजनों के तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

आर्य नगर गोकरननाथ शिवाला रोड बना हादसों का हॉटस्पॉट

●राम बाजार के पास आए दिन हो रही वाहन दुर्घटनाएँ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आर्यनगर गोण्डा। खरगूपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आर्य नगर गोकरननाथ शिवाला रोड पर राम बाजार के निकट आए दिन वाहन दुर्घटनाएँ हो रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह मार्ग अब दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन चुका है, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया है।

स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों के अनुसार राम बाजार के पास सड़क संकरी होने, अव्यवस्थित अतिक्रमण, तेज रफ्तार वाहनों और ट्रैफिक संकेतक न होने तथा लाइटिंग व्यवस्था न होने के कारण अक्सर दोपहिया व चारपहिया वाहन आपस में टकरा जाते हैं। कई बार मामूली दुर्घटनाएँ होती हैं, तो कभी गंभीर हादसे भी सामने आ चुके हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि इस रोड पर शाम के समय बाजार लगने के कारण भीड़ बढ़ जाती है, लेकिन इसके बावजूद वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। रोड़ पर न तो स्पीड ब्रेकर है और न ही चेतावनी बोर्ड, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इस समस्या को लेकर पुलिस प्रशासन और यातायात अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं निकल सका है। लोगों की मांग है कि इस स्थान को ब्लैक स्पॉट घोषित कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएँ।इस संबंध में पिपरा बाजार चौकी प्रभारी शशांक मौर्या से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द हीआवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर, संकेतक बोर्ड और पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी। ग्रामीणों ने मांग किया है कि स्पीड ब्रेकर व रिफ्लेक्टर लगाए जाएँ,ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती हो,रात में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त की जाए स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

राजकीय पालीटेक्निक प्रेमधरपट्टी में रोजगार मेले का आयोजन 30 जनवरी को

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ द्वारा 30 जनवरी 2026 को पूर्वान्ह 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन राजकीय पालीटेक्निक प्रेमधरपट्टी परिसर में किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की 14 कम्पनियों के द्वारा ट्रेनी रिक्त पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ पंजीयन प्रपत्र, मूल शैक्षिक प्रमाण पत्र, सी0वी0 एवं पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in/ncs.gov.in पर आनलाइन पंजीयन करें।

गोरखपुरः रामगढ़ताल में मोबाइल छिनैती का खुलासा, स्कूटी सवार अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर। जनपद में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रामगढ़ताल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना रामगढ़ताल पुलिस ने मोबाइल छिनैती की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर ली है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देशन में, पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी कैंट के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रामगढ़ताल नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। थाना रामगढ़ताल में पंजीकृत मु0अ0सं0 58/2026 धारा 304(2) बीएनएस से संबंधित मामले में अभियुक्त मयंक कुमार उर्फ सूरज को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के पास से छिनैती का मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद होने के बाद मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी भी की गई है।

पुलिस के अनुसार, 28 जनवरी 2026 को पीड़ित द्वारा थाने में तहरीर दी गई थी कि स्कूटी सवार एक युवक ने उन्हें धक्का देकर उनका मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मुखबिर तंत्र और सर्विलांस की मदद से अभियुक्त की पहचान की गई और उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मयंक कुमार उर्फ सूरज पुत्र स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद निवासी कोडार उर्फ बघोट, थाना बड़हलगंज, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पूछताछ में अभियुक्त ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह स्कूटी से घूम-घूम कर अकेले लोगों को निशाना बनाता था और मौका मिलते ही मोबाइल छीनकर फरार हो जाता था। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आलोक सिंह चौकी प्रभारी पामपैराडाइज, उपनिरीक्षक राकी कुमार गुप्ता तथा कांस्टेबल अजय यादव शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है और आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है। इस कार्रवाई से एक बार फिर यह संदेश गया है कि गोरखपुर पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त है और आमजन की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

स्काउट गाइड व एनसीसी के छात्राओं ने सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

कानपुर। उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुपालन में सड़क सुरक्षा माह (दिनांक 01.01.2026 से दिनांक 31.01.2026 तक) जीरो फैटेलिटी माह के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके क्रम में आज दिनांक 28.01.2026 को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत जनपद कानपुर नगर में सड़कसुरक्षा के नियमों एवं सड़क पर सुरक्षित यात्रा के प्रति जनपद वासियों के जागरूकता हेतु स्काउट एण्ड गाइड भवन एवं एस.एन. सेन पीजी कॉलेज, कानपुर नगर स्काउट एण्ड गाइड तथा एन. सी. सी. के छात्र- छात्राओं के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं उन्हें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलायी गयी । साथ ही स्काउट एण्ड गाइड तथा एन.सी.सी. के छात्र-छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूकता हेतु पैदल मार्च किया गया एवं जनपदवासियों को पेम्पलेट एवं पोस्टर के माध्यम से दो पहिया वाहन चलाते समय तथा पीछे बैठे व्यक्ति को अनिवार्य रूप से हेल्मेट लगाने तथा दोपहिया वाहन चालकों को छोड़कर अन्य समस्त वाहन चालकों को एवं उसमें बैठे यात्रियों/व्यक्तियों को सीटबेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने के साथ वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का प्रयोग न करने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने, रांग साईड तथा तेज गति से वाहन न चलाने हेतु जागरूक करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई एवं सडक सुरक्षा नियमों का पालन करने हेतु कहा गया । आज के उक्त कार्यक्रम में राकेन्द्र कुमार, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, कानपुर, राहुल श्रीवास्तव, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), कानपुर, डॉ स्मित तिवारी, जिला आयुक्त, स्काउट एण्ड गाइड, कानपुर नगर कहकशां खातून, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), कानपुर नगर, दीपक सिंह, यात्री /मालकर अधिकारी, कानपुर नगर, मंयक शर्मा, सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त, कानपुर नगर, सर्वेश तिवारी, जिला सचिव, स्काउट एण्ड गाइड, कानपुर नगर, डॉ सुमन, प्रधानाचार्य, एस. एन. सेन पीजी कॉलेज, कानपुर नगर प्रीती तिवारी, कौशल राय, कौशल विश्वकर्मा, ऋषिका मिश्रा, अल्का द्विवेदी, रविन्द्र कुमार, सभा शंकर, लवली तिवारी एवं डॉ शेख उपस्थित रहे ।

देश और संसद से माफी मांगे विपक्ष - अम्बिकेश

देवरिया। संसद के बजट सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे को लेकर भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी अम्बिकेश पाण्डेय ने कड़ा आक्रोश जताया है। उन्होंने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस व इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा संसदीय मर्यादा के विपरीत है। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति वंदे मातरम् के 150वें वर्ष और इसके रचयिता राष्ट्रऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के योगदान को स्मरण कर रही थीं, उसी समय विपक्ष द्वारा नारेबाजी करना राष्ट्रगीत और महान स्वतंत्रता चिंतक का अपमान है। यह दृश्य पूरे देश ने देखा है। अम्बिकेश पाण्डेय ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस का भी इस हंगामे में शामिल होना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है और इसके लिए देश व संसद से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने शरद पवार से बात की, 29 होगा अंतिम संस्कार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार से बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को सुबह 11 बजे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। अजित पवार के पार्थिव शरीर को विद्या प्रतिष्ठान मैदान ले जाया गया है ताकि जनता उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सके।

सालों जेल में रहने और दस साल की सजा के बाद भी दोषी रोजगार सेवक कर रहा नौकरी

● सूचना अधिकार अधिनियम से जिला कारागार व जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय से मांगी गई सूचना मिलने के बाद होगा बड़ा खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद खीरी के विकासखंड विजुआ के ग्राम पंचायत पहलापुर के पंचायत मित्र और खंड विकास अधिकारी की मिली भगत का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पहाड़पर के पंचायत मित्र सुनील कुमार पर पत्नी की हत्या का केस दर्ज हुआ था और उसमें उक्त अभियुक्त को जेल जाना पड़ा था, तथा कई साल तक जेल में बिताने के बाद 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। नियमानुसार कई वर्ष जेल में बिताने और सजा सुनाए जाने के बाद संविदा कर्मी की संविदा स्वत समाप्त हो जाती है इसके बावजूद भी उक्त रोजगार सेवक को उसके पद से हटाया नहीं गया जो चर्चा का विषय बना है मिली जानकारी के अनुसार जिला कारागार में नियुक्त रहने के दौरान अनुपस्थित ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने पर संविदा कर्मी की संविदा स्वतः समाप्त हो जाती है लेकिन अधिकारियों की मिली भगत के चलते उक्त पंचायत मित्र आज भी नौकरी में देखा जा रहा है। लोगों का आरोप है कि आखिर यह सजायाफ्ता व्यक्ति किस नियम और किस सक्षम अधिकारी के आदेश से रोजगार सेवक के पद पर सेवाएँ दे रहा है? मामले की जानकारी जिला कारागार और पंचायती राज विभाग से सूचना का अधिकार अधिनियम से चाही गई है वांछित सूचनाये मिलने के बाद होगा बड़ा खुलासा और कई जिम्मेदारों की भी तय होगी जवाब देही और आएगी कार्यवाही की आंच। अपने खिलाफ प्रकाशित खबर से बौखलाए रोजगार सेवक ने पत्रकार को दी झूठे मुकदमे में फंसाने और जान माल की धमकी विकासखंड बिजुआ के ग्राम पंचायत पहाड़ापुर में तैनात पंचायत मित्र सुनील कुमार को न्यायालय द्वारा पत्नी की हत्या के केस में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। इसी केस में उक्त रोजगार सेवक सालों तक जेल में निरुद्ध रहा था, और जेल से बाहर आने के बाद पुनःरोजगार सेवक की नौकरी करते देखा जा रहा है। नियम अनुसार जब कोई भी संविदा कर्मी काफी समय तक ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है और किसी आपराधिक मामले में न्यायालय से दोषी करार दिया जाता है तो उसकी संविदा स्वतः समाप्त हो जाती है। उक्त मामले की खबर को स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र संवाददाता ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था ।अपने खिलाफ छपी खबर से बौखलाकर रोजगार सेवक द्वारा फोन करके खबर न चलने का दबाव बनाया जा रहा है साथ ही साथ फर्जी मुकदमे में फंसने तथा जान माल की धमकी भी दे रहा है पत्रकार ने मामले की लिखित शिकायत शासन प्रशासन से कर निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

वार्ड नं0 7 में सड़क मरम्मत को लेकर बयान से बढ़ा विवाद

लोग बोले—जनता को किया जा रहा गुमराह

वार्ड नंबर 7 के मेंबर का आरोप है कि अध्यक्ष नहीं करना चाह रहे हैं इस रोड का कार्य नहीं मिला है इस वार्ड से वोट नगर पंचायत खीरी के वार्ड नं0 7 के वार्डवासियों को कथित रूप से गुमराह किए जाने का मामला सामने आया है। चर्चा है कि वार्ड मेंबर द्वारा लोगों से यह कहा जा रहा है कि इस वार्ड से वोट नहीं मिले, तो अध्यक्ष प्रतिनिधि फहीम अहमद सड़क सही नहीं करवाएंगे। बताते चलें कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई कर दी गई थी, लेकिन मरम्मत कार्य समय से नहीं कराया गया। हल्की बारिश में ही सड़क की हालत बदतर हो गई, जिससे राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया। कई लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं। वार्ड मेंबर के इस बयान के बाद वार्ड में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। लोग इसे जनता पर दबाव बनाने और विकास कार्यों को राजनीति से जोड़ने का आरोप लगा रहे हैं।

कस्बा खीरी में लगातार चेकिंग अभियान को लेकर चर्चा, उपभोक्ताओं में उठ रहे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

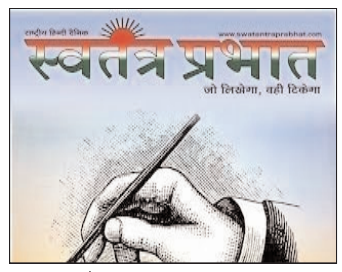

खीरी टाउन। खीरी कस्बे में विद्युत विभाग द्वारा लगातार चलाए जा रहे चेकिंग अभियानों और एफआईआर की कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग का कार्यक्षेत्र काफी बड़ा होने के बावजूद कार्रवाई का केंद्र बार-बार केवल कस्बा खीरी ही क्यों बन रहा है। विगत दिनों मोहल्ला सैय्यदवाड़ा क्षेत्र में विजिलेंस टीम द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी और टीम को बिना किसी बड़ी कार्रवाई के लौटना पड़ा था। इसके बाद से कस्बे में चेकिंग अभियान को लेकर और अधिक दबाव की बातें सामने आ रही हैं। विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो जब विजिलेंस स्तर पर कोई बड़ी सफलता नहीं मिलती, तब स्थानीय स्तर पर अभियान तेज करने को लेकर कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव बनाया जाता है। सूत्र बताते हैं कि पावर हाउस खीरी के अवर अभियंता विमल रावत पर भी कस्बे में चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश लगातार दिए जाते हैं, जिससे परिस्थितिवश उन्हें क्षेत्र में बार-बार निरीक्षण और कार्रवाई करनी पड़ती है। इस संबंध में जब अवर अभियंता विमल रावत से जानकारी ली गई तो उन्होंने इस विषय पर खुलकर कुछ कहने से बचते हुए बताया कि विभागीय कार्रवाई उच्चाधिकारियों के निर्देशों के अनुरूप होती है। बातचीत के दौरान वह अपने वरिष्ठ अधिकारियों को लेकर कोई टिप्पणी करने से बचते नजर आए। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि विभागीय कार्रवाई पारदर्शी और समान रूप से पूरे क्षेत्र में होनी चाहिए, ताकि किसी एक कस्बे को बार-बार निशाना बनाए जाने जैसी स्थिति न बने। अब देखना यह होगा कि विभाग इस मामले में आगे क्या रुख अपनाता है।

.गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया विभिन्न कार्यायलयों पर किया गया ध्वजारोहण

बरेली/नवाबगंज तहसील कार्यालय एसडीम उदित पवार तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह नगर पालिका कार्यालय पर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर ब्लॉक मुख्यालय पर खंड विकास अधिकारी एवं ब्लाक प्रमुख ने ध्वजारोहण किया इसी क्रम में भदपुरा विकासखंड में यहां की ब्लॉक प्रमुख रश्मि गंगवार खंड विकास अधिकारी रमाशंकर सिंह पटेल। ब्लॉक संसाधन केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार पंचायत घर क्यों लड़िया पर ग्राम प्रधान पुष्पा देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्यों लड़िया पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद मुगीश साधन सहकारी समिति पर अध्यक्ष सर्वेश कुमार गंगवार समिति सचिव अरविंद कुमार गौतम छत्रपति कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधक पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार के साथ ही क्षेत्र में हर्षो उल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया।

श्रीमद् भागवत कथा में ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का प्रसंग सुन श्रोता हुए मंत्र मुग्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ। (खीरी) तहसील क्षेत्र गोला के गांव कैमहरा में श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास ने ब्रह्म जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का प्रसंग सुनाया। नैमिषारण्य धाम से पधारे आचार्य शिवप्रकाश मिश्रा ने सुनाया कि ब्रह्मा जी के द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति भगवान श्री हरि की नाभि से कमल और कमल से ब्रह्माजी उत्पन्न हुए, ब्रह्मा जी ने चारों तरफ देखा तो जल ही जल दिखाई पड़ता था। तब ब्रह्मा जी ने चारों दिशाओं की तरफ देखा तो चार सिर ब्रह्मा जी की हो गए उसी क्षण नारायण भगवान ने आकाशवाणी की तप करो ब्रह्मा जी ने तप किया 100 वर्षों तक तब नारायण भगवान ने सृष्टि के रचना करने का आदेश दिया चतुर्थ श्लोकी भागवत का ज्ञान दिया उसी के आधार पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि के रचना की। अनेक अनेक कथा प्रसंग सुनाए

ब्रह्मा जी के एक पुत्र थे दक्ष

ब्रह्मा जी ने दक्ष जी को प्रजापतियों का नायक बनाया जिससे दक्ष को अभियान आया और अभियान में आकर के दक्ष जी ने शंकर जी का अपमान किया जिससे शंकर जी के गानों दक्ष के सर को उखाड़ करके हवन कुंड में डाल दिया तब शंकर जी ने दक्ष के बकरे का सर फिट कर दिया। श्रीमद् भागवत कथा में आए तमाम श्रोतागण ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की उत्पत्ति का प्रसंग सुन मंत्र मुग्ध हो गए।

हल्की बारिश में ही कीचड़ में तब्दील हुई खीरी की सड़कें, नगर पंचायत की लापरवाही से जनता बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खीरी टाउन- खीरी कस्बा खीरी में नगर पंचायत की लापरवाही के चलते आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि थोड़ी सी बारिश होते ही कस्बे की सड़कों पर निकलना दूभर हो गया है। जगह-जगह कीचड़ और गड्ढों ने लोगों का चलना तक मुश्किल कर दिया है। बताया जा रहा है कि विगत कस्बे की सड़कों में पाइपलाइन तो डलवा दी गई, लेकिन सड़क की मरम्मत कराना नगर पंचायत पूरी तरह भूल गई। पाइपलाइन डालने के बाद सड़कें बदहाल छोड़ दी गई, जिससे अब हालात और भी भयावह हो चुके हैं। राह चलते लोग गिरकर घायल हो रहे हैं, कई बुजुर्ग और बच्चे चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत खीरी में केवल उन्हीं कार्यों पर ध्यान दिया जाता है जिनमें कमीशन ज्यादा हो और भुगतान जल्दी रिलीज हो जाए। बाकी कस्बे की बुनियादी समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। जनता का आरोप है कि नगर पंचायत के ईओ और चेयरपर्सन आम जनहित के कार्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं। योगी सरकार में भी नगर पंचायत खीरी की मनमानी अब चरम सीमा पार करती नजर आ रही है। कस्बेवासियों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तत्काल संज्ञान लिया जाए और नगर पंचायत प्रशासन पर कार्रवाई कर सड़कों की मरम्मत कराई जाए।कस्बे में जन चर्चा है। यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो कस्बे के लोग आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।जिसकी ज़िमेदार नगर पंचायत प्रशासन होगा।

प्राइमरीपाठशाला की भूमि गाटा संख्या 159 और गाटा संख्या 474 पर भी दबंग का कब्जा बरकरार

● खेल मैदान व प्राइमरी पाठशाला के आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जा बना तहसील प्रशासन की कमाई का जरिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। तहसील गोला के विकासखंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत जटपुरा में ग्राम प्रधान कुलदीप और लेखपाल रहे भूपेंद्र वर्मा की मिली भगत से खेल मैदान और प्राइमरी पाठशाला की आरक्षित जमीन पर कब्जा धारकों से भारी रिश्वत राशि लेकर अवैध कब्जे धारकों को संरक्षण दिए जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है, और क्षेत्र में चर्चा का विषय भी बना है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस खेल में ग्राम प्रधान तत्कालीन लेखपाल की मिली भगत से यह खेल खेला गया था। अभी हाल ही में हुई शिकायत में भी आधी अधूरी पैमाइश करके कोरम पूरा करने का प्रयास किया गया है। उक्त पैमाइश में लगभग आधा दर्जन लोगों के पक्के मकान और दुकान बनी पाई गई लेखपाल द्वारा 15 दिन पहले अपनी रिपोर्ट तहसीलदार गोला को सौंप जा चुकी है तहसीलदार ने काफी मशक्कत के बाद नोटिस भेजकर जवाब मांगा गया है। शायद मामले को मैनेज किया जाने के चलते नोटिस वाला खेल खेला जा रहा है ।

आखिर सरकारी खेल मैदान की भूमि से अवैध कब्जा क्यों नहीं हटवाया जा रहा है जनता सवाल पूछ रही है ?सरकारी जमीनों पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध 90 दिन का समय राजस्व विभाग को दिया गया था और 90 दिनों में अवैध अतिक्रमण हटवा कर जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराए जाने के आदेश उच्च न्यायालय द्वारा पारित किए गए थे। 90 दिन में अतिक्रमण न हटाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्यवाही और न्यायालय के आदेश के अवमानना का मामला माना जाएगा के आदेश पारित हुए थे। इसके बावजूद तहसील प्रशासन द्वारा नोटिस नोटिस का खेल जारी है ।और अवैध कब्जे धारकों के हौसले बुलंद हैं विभागीय जिम्मेदारों की इस

खाऊ कमाऊ नीति के चलते शासन के आदेश धरातल पर दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि लेखपाल द्वारा खेल मैदान के गाते की पैदाइश कर अपना पल्ला झाड़ लिया और प्राइमरी पाठशाला के नाम दर्ज कागजात भूमि गट संख्या 159 और 474 की पैमाइश नहीं की गई। जबकि उक्त भूमि पर भी कई अल्पसंख्यक लोगों के मकान बने हुए हैं जो अवैध कब्जे की पुष्टि करने को काफी है।अब देखना यह है की तहसील प्रशासन प्राइमरी पाठशाला की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाता है या फिर मामले को यूं ही फाइलों में दफन कर दिया जाएगा।

25 बेरोजगार युवाओं को 15 दिनों तक मोटर मैकेनिक प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिकुनियां खीरी। देवानंद कमांडेंट तृतीय वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लखीमपुर-खीरी के निर्देशन में दिनांक 28 जनवरी 2026 को तृतीय वाहिनी एसएसबी, लखीमपुर खीरी के सीमा चौकी बेलपरसुआ कार्यक्षेत्र के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में नागरिक कल्याण कार्यक्रम गर्हि मंत्रालय निधि के तहत रोजगार सृजन के अवसर के तहत वाइब्रेंट गांवों के 25 बेरोजगार युवाओं को 15 दिवसीय 28.01.2026 से 11.02.2026 तक मोटर मैकेनिक प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।इस कार्यक्रम प्रशांत गौतम उप कमांडेंट एसएसबी लखीमपुर खीरी के अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिस में मुख्य अतिथि अंकित प्रकाश, लेफ्टनेंट, कर्नल 26वीं वाहिनी एनसीसी के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को शुभारंभ किया गया।उक्त कार्यक्रम के दौरान सरस्वती विद्यालय बेलपरसुवा छात्र छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान अंकित प्रकाश, लेफ्टनेंट, कर्नल 26वीं वाहिनी एनसीसी प्रशांत गौतम उप कमांडेंट तृतीय वाहिनी एसएसबी लखीमपुर खीरी सुरेंद्र सिंह सूबेदार मेजर,26 वीं वाहिनी एनसीसी श्रीमती लक्ष्मी देवी ग्राम प्रधान, बेलपरसुआ बिंदु मिश्रा प्रधानाचार्य सरस्वती विद्यालय मंदिर, बेलापरसुआ, एवं हरिशंकर शिक्षण सेवा संस्थान के संचालक व प्रशिक्षक तथा गांव के गणमान्य नागरिक सहित कुल लगभग 225 लोगों ने सहभागिता की।

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस निकाली रैली

बरेली/रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा एवं उसके आसपास के क्षेत्र में सोमवार को 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में चेयरमैन शकुंतला देवी ने, रंजीत गैस एजेंसी पर रंजीत सिंह ने,नगर के दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह ने पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में प्रदीप कुमार गुप्ता ने, प्रभात पब्लिक स्कूल में। कमलेश गंगवार ने,जीएलबी मैमोरियल पब्लिक स्कूल में मयंक मल्होत्रा ने, श्रीकृष्ण चंद्रवती हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रेमपाल सिंह यादव ने,सुशीला नत्थू लाल जूनियर हाईस्कूल में अजय कुमार सक्सेना ने, प्राथमिक विद्यालय रिठौरा में एकता सक्सेना ने,कलापुर में राजेश कुमार शर्मा ने,कलारी में डॉ शिखा अग्रवाल ने, उच्च प्राथमिक विद्यालय नवीनगर में रेनू गुप्ता ने निहाल -श्याम डिग्री कालेज में सीएम गंगवार ने,पुलिस चौकी पर वैभव गुप्ता ने। भारतीय स्टेट बैंक शाखा में प्रबंधक अश्वनी कुमार वर्मा ने, दीवान कांवेंट पूर्व माध्यमिक विद्यालय भंडार में ममता गुप्ता ने, राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी।स्कूली बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए,तिरंगा यात्रा निकाली गई।

हज़रत नुरुल हसन सिद्दीकी के सालाना उर्स की तैयारियां पूरी, आज से होगी शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खीरी टाउन- खीरी कस्बा खीरी के मोहल्ला बुखारी टोला स्थित हज़रत नुरुल हसन सिद्दीकी के सालाना उर्स की आज से विधिवत शुरुआत हो रही है। उर्स को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस मौके पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक और रूहानी माहौल बना हुआ है। हज़रत नूरुल हसन सिद्दीकी ने अपनी पूरी जिंदगी इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया। उन्होंने लोगों को अमन-ओ-अमान के साथ रहने की सीख दी और मुल्क की वफादारी को सबसे बड़ा इनाम बताया। उनकी दरगाह पर आज भी हर मजहब और हर तबके के लोग दुआ और अकीदत के साथ हाज़िरी लगाने पहुंचते हैं। साहिबे सज्जादा जुनेद सिद्दीकी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दो दिवसीय उर्स पूरी मोहब्बत, अकीदत और अमन-ओ-अमान के साथ मनाया जाएगा। उर्स के दौरान मुशायरा कुरानख्वानी, नात-ओ-मनकबत और दुआओं का सिलसिला जारी रहेगा। वहीं उनके भाई शोएब सिद्दीकी ने कहा कि उर्स में आने वाले जायरीन के लिए खाने-पीने, रुकने और ठहरने का माकूल इंतज़ाम किया गया है। दूर-दराज़ से बड़ी संख्या में अकीदतमंद जायरीन उर्स में शिरकत करने पहुंचते हैं। उर्स के अवसर पर दरगाह परिसर में विशेष सजावट की गई है और सुरक्षा व व्यवस्था के लिए भी उचित इंतज़ाम किए गए हैं। लोगों में उर्स को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

गणतंत्र दिवस के पर्व पर थाने में धूमधाम से किया गया ध्वजारोहण

बरेली/क्यों लड़िया के थाना प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने गणतंत्र दिवस की पावन बेला पर थाना प्रांगण में ध्वजारोहणकर ध्वज को सलामी दी साथ ही गणतंत्र दिवस के अवसर पर अमर शहीदों को याद करते हुए पुलिस को शपथ दिलाई गई और कहा आज हम जिस थाने में कार्य कर रहे हैं यह उन अमर शहीदों की बलिदानों को याद दिलाता है जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन को कुर्बान कर दिया। जिसके तहत आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं उन अमर शहीदों की देन है जो हम स्वतंत्र भारत में रहकर कार्य कर रहे हैं इस मौके पर उपस्थित प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह प्रभारी निरीक्षक क्रयम शैलेंद्र कुमार उप निरीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह रणवीर सिंह मुकेश कुमार अरिजीत सिंह देशराज सिंह तोमर महिला उप निरीक्षक मीनाक्षी समेत समस्त पुलिस बल मौजूद था सभी को शपथ दिलाते हुए प्रभारी निरीक्षक ने निष्पक्षता से कार्य करने का निर्देश दिया।

न बी.डी. ओ. को पता और ना ही ए.डी. ओ. पंचायत को ही मालुम कब हुई नीलामी

● कहीं कबाड़ की हो रही इस लूट में सब तो नहीं है भागीदार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद में जिम्मेदार अफसरों की मनमानी के चलते मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति हकीकत की धरातल पर दम तोड़ती नजर आ रही है। योगी सरकार और जिले की निडर और तेज तर्रार जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की लाख कोशिशों के बाद भी ब्लॉक बीजूआ में भ्रस्टाचार और सरकारी धन की लूट का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा ही एक सनसनी खेज मामला ब्लॉक बिजुआ की दर्जनों ग्राम पंचायत बेलहा सीकटिहा मलूकापुर बेलवा अंबाला पिपरिया धनी राजगढ़ दरियाबाद पड़रिया तुला आदि अन्य कई ग्राम पंचायतों में प्रकाश में आया है। जहां पर नल रिबोर का कबाड़ जिम्मेदारो द्वारा डकार लिए जाने का मामला जन चर्चा का विषय बना है। सूत्र बताते हैं कि इस नल रिबोर वाले कबाड़ की नीलामी की जानकारी किसी को भी नहीं है। न तो खंड विकास अधिकारी विजुआ को पता है और न ही सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) विजुआ को ही मालुम हैं कि कब हुई नीलामी? कयास लगाए जा रहे हैं कि कहीं हो रही इस कबाड़ की लूट में सब तो हिस्सेदार नहीं है। बताया गया है कि इन ग्राम पंचायतो में नल रिबोर के नाम पर लाखों का घोटाला किया गया है और देखा जाए तो कई नल आज भी खराब पड़े हैं या काग़ज़ों पर मानक विहीन मरम्मत कार्य दिखाकर अपनी-अपनी तिजोरियों को भर लिए जाने के आरोप लगाए गए हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि इस खेल में ब्लॉक के अधिकारी भी शामिल हैं जिनकी शह पर ही इस भ्रस्टाचार के खेल को हवा मिल रही है।सूत्रों के अनुसार काग़ज़ों पर भारी मात्रा में नल रिबोर और मरम्मत के नाम पर लाखों का भुगतान निकाला गया है जबकि जमीनी हालात कुछ और ही बयान कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि रिबोर और मरम्मत के बाद निकले पुराने पाइप,राड और अन्य कबाड़ गया कहा? जब इस मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो खंड बिकास अधिकारी और ए .डी .ओ. पंचायत सहित दोनों अधिकारी जानकारी देने से बचते नजर आए और कोई सपष्ट जबाब नहीं मिला।दोनों अधिकारियों की चुप्पी ने मामले को और भी सन्देशहापद बना दिया है। चर्चा है कि इस खेल में कहीं जिम्मेदारों की बराबर की भागीदारी तो नहीं है ? ग्रामीणों का आरोप है कि कहीं इस खेल में कबाड़ की खुलेआम लूट तो नहीं हो रही है? लोगों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या कदम उठाता है या फिर यह मामला भी अफसरों की फाइल में दब कर रह जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार 12 वर्षीय बच्ची गंभीर घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। हलिया मीरजापुर।ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बंजारी कला गांव में बुधवार को सड़क हादसे बंजारी गांव निवासी मुरारी की 12 वर्षीय पुत्री प्रभावती अपने घर के पास साइकिल चला रही थी। इसी दौरान पवारी की तरफ से तेज गति से आ रहे बाइक सवार युवक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने से बच्ची सड़क पर गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गई।हादसे के बाद मौके पर मौके पर पहुंचे परिजन तत्काल घायल बच्ची को निजी साधन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर पहुंचे।जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को बेहतर इलाज के लिए उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि बच्ची के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं, जिस कारण बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया है। परिजन घायल बच्ची को एलएस एम्बुलेंस से ट्रामा सेंटर लेकर चले गए है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम व वीवीपैट स्ट्रांग रूम का किया मासिक निरीक्षण

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट स्ट्रांग रूम का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ईवीएम के सुरक्षित रखरखाव, संबंधित रजिस्टरों तथा स्ट्रांग रूम के गेट पर लगे सील व लॉकर की गहनता से जांच की। निरीक्षण के समय ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों से सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों में विगत दिनों की रिकॉर्डिंग, फायर सेफ्टी उपकरणों की वैधता तिथि सहित अन्य सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते हुए निर्देशित किया कि सभी ड्यूटीरत कर्मी पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, चकबंदी अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अनियंत्रित ई रिक्शा गंगा के दलदल मे फसी सुरक्षित बचे सवार

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के रामपुर घाट पर मंगलवार की देर रात पीपापुल पर चढ़ते समय अनियंत्रित ई रिक्शा (टोटो) गंगा मे जा घुसी, संयोग अच्छा रहा कि टोटो गंगा किनारे दलदल मे फस कर पलट गया जिससे उसमे सवार चालक सहित दोनों सुरक्षित बच गए।मौके पर पहुची पी आर बी पुलिस टोटो सहित दोनों को अस्पताल ले आई जहा से दोनों गायब हो गए। घटना के संबंध में बताया जाता है कि देर टोटो लेकर चालक रत्नेश पता अज्ञात एक अन्य युवक गंगा पार जा रहे थे। पीपा पुल पर जाते समय टोटो अनियंत्रित होकर गंगा किनारे दलदल मे जाकर पलट गया द्य घटना की जानकारी पर पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंच गई। टोटो को बाहर निकाल कर दोनो को अस्पताल ले आईद्य बाद मे अस्पताल से दोनो गायब हो गए।रामपुर घाट चौकी प्रभारी प्रमोद यादव ने बताया कि मंगलवार की रात अनियंत्रित टोटो गंगा किनारे दलदल मे पलट गया था उसमे सवार चालक सहित दोनों सुरक्षित बच गए।

राजकीय महाविद्यालय चुनार में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में इनोवेशन इंस्टीट्यूशन काउंसिल (आई0 आई0 सी0) एवं आई0 क्यू0 ए0 सी0 के संयुक्त तत्वावधान में विज्ञान संकाय द्वारा 'ईनोवेटिव टेक्नीक्स इन साइंस' विषयक सात दिवसीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो माधवी शुक्ला,मुख्य अतिथि प्रो वेंकटेश्वर तिवारी एवं आई0क्यू0ए0सी0 कॉर्डिनेटर डॉ चंदन साहू के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्राचार्य प्रो माधवी शुक्ला ने कहा कि गणित विषय विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन,विश्लेषणात्मक क्षमता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।कार्यशाला के द्वितीय दिवस का आयोजन गणित विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष व्याख्यान का विषय 'ज्योमेट्री थ्रू द एजिसः ए मॉडर्न पर्सपेक्टिव' रहा।मुख्य वक्ता के रूप में प्रो बंकेश्वर तिवारी,प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी मैथेमैटिकल साइंसेज,बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में प्राचीन काल से आधुनिक युग तक ज्यामिति के विकास, उसके विविध आयामों तथा आधुनिक विज्ञान,तकनीक एवं अनुसंधान में इसके अनुप्रयोगों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को नवाचार एवं अनुसंधान के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन शालिनी यादव और मोहम्मद फैयाज ने किया,आई0आई0सी0 प्रेसिडेंट डॉ सत्येन्द्र कुमार ने अतिथि स्वागत एवं परिचय संयोजक डॉ गुरु प्रसाद सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।इसी क्रम में अर्थशास्त्र विभाग, वाणिज्य विभाग एवं सेबी के संयुक्त तत्वावधान में 'फाइनेंसियल लिटरेसी एंड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट' विषयक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0(डॉ0) माधवी शुक्ला एवं विशिष्ट वक्ता द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता का स्वागत डॉ मंजुला शुक्ला द्वारा उत्तरीय एवं पौधा देकर किया गया। इसके पश्चात डॉ अमित कुमार यादव ने आज के विशेष व्याख्यान के विषय का संक्षिप्त विवरण व स्वागत भाषण दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो माधवी शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महाविद्यालय के सभी विषय के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष लाभकारी है। ये उन्हें निजी स्तर पर वित्त नियंत्रण, वित्त प्रबंधन एवं निवेश बाज़ार में प्रतिभागिता की ओर आकर्षित एवं अग्रसर करेगा। इस अवसर पर विशेष वक्ता के रूप में डॉ आशा राम त्रिपाठी, प्रोफेसर पूर्व विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में निवेश की बुनियादी बातें, निवेश के प्रकार, म्यूच्यूअल फण्ड की जानकारी, टैक्स और फाइनेंसियल प्लानिंग, फाइनेंसियल फ्रॉड से बचाव आदि विषयों पर व्याख्यान दिया।

आज के विशेष व्याख्यान के संयोजक डॉ शेफालिका राय एवं डॉ मंजुला शुक्ला एवं सह-संयोजक डॉ चन्दन कुमार द्विवेदी एवं डॉ अमित कुमार यादव रहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ चन्दन कुमार द्विवेदी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शेफालिका राय द्वारा किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर डॉ रजनीश,डॉ भास्कर प्रसाद द्विवेदी,डॉ संकठा प्रसाद सोनकर,डॉ मनोज कुमार प्रजापति,डॉ दीप नारायण,डॉ अवधेश सिंह यादव,डॉ नलिनी सिंह,डॉ रीता मिश्रा,डॉ अदिति सिंह,डॉ रमेश चंद्र,डॉ विद्या सिंह, डॉ गुरुप्रसाद सिंह,डॉ अरविंद कुमार,डॉ शिखा तिवारी डॉ दीपक कुमार सिंह,धरमचंद्र यादव, धर्मेंद्र, डॉ रामानंद पुजारी,कमलेश शुक्ला, रामकेश सोनकर, सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

31 जनवरी को विशेष अभियान दिवस, बूथों पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

भदोही। अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुँवर वीरेन्द्र मौर्य ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 31 जनवरी (शनिवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 1 फरवरी 2026 (रविवार) को संत रविदास जयंती के कारण विशेष अभियान स्थगित कर दिया गया है। विशेष अभियान दिवस पर समस्त बीएलओ अपने-अपने बूथ पर प्रातः 10:30 से सायं 4:30 बजे तक मतदाता सूची व फॉर्म-6, 7 और 8 के साथ उपस्थित रहेंगे।

इस दौरान नाम जोड़ने, संशोधन, निवास परिवर्तन, दिव्यांग चिन्हांकन तथा मृतक/डुप्लीकेट नाम हटवाने से संबंधित आवेदन किए जा सकेंगे।

पीड़ित के घर पहुंचे पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली अन्तर्गत चेराके पुरा गांव मे बीते दिनो गोलबंद सरहंगो द्वारा किये गये अमानवीय ब्यवहार व मारपीट से गंभीर रुप से घायल रवि मौर्या का इलाज के दौरान पीजीआई लखनऊ मे हुई मौत की जानकारी होने पर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या वुधवार को पीड़ित के घर पहुंच कर परिवार के लोगों से मिलकर हाल जानने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर कडाई से कानूनी कार्यवाही करने की बात कही। परिवार जनो ने विपक्षीयो पर आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त लोगों का 1590 नाम का एक गैंग है, जो आए दिन मारपीट की घटनाओं को अंजाम देता है, और मादक पदार्थो की बिक्री में संलिप्त है।

स्वामी प्रसाद मौर्या ने पत्रकारो से बात करते हुए उन्हो कहा कि पीडित परिवार को यदि न्याय व मादक पदार्थो की विक्री बन्द नही हुआ तो कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ मे धरना प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान रामराज पटेल, आर के मौर्या, इन्द्रबहादुर मौर्या, अजय मौर्या सहीत गांव के लोग मौजूद रहे।

पांच दिन से लापता श्रमिक का घर से तीन किलोमीटर दूर जंगल में दफ़नाया मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ड्रमंडगंज। क्षेत्र के देवहट गांव में पांच दिन से लापता श्रमिक का मंगलवार शाम को घर से तीन किलोमीटर दूर जंगल में दफनाया शव मिलने पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने गढ्ढा खोदवाकर शव को बाहर निकलवाया।देवहट गांव के कोल बस्ती निवासी 56 वर्षीय श्रमिक छोटकऊ कोल बीते 22 जनवरी की रात फसलों की रखवाली करने घर से तीन सौ मीटर दूर खेत पर गए थे।23 जनवरी की सुबह से वापस नही लौटने पर स्वजन खोजबीन करने लगे श्रमिक का कहीं पता नही चलने पर श्रमिक के साले बसंत लाल ने 24 जनवरी को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मंगलवार शाम को सजहवा बाउली जंगल की ओर गए चरवाहों ने जंगल से दुर्गंध आने पर पास जाकर देखा तो गढ्ढे से दुर्गंध आ रही थी और गढ्ढे के पास लाठी पड़ी हुई थी। चरवाहों ने गांव में आकर जंगल में लाठी और गढ्ढे से आ रही दुर्गन्ध के बारे बताया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन एसआई सुभाष यादव, पुनीत गुप्ता ने घटना की जांच करते गढ्ढे को खोदवाकर देखा तो श्रमिक का शव चादर से बांधकर दफना दिया गया था।शाम सात बजे पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना की बारीकी से जांच पड़ताल की। मृतक श्रमिक के पुत्र लवकुश कोल ने गढ्ढे में मिले शव की पिता के रूप में पहचान की।शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिलने पर मृतक के पुत्र ने पिता की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। मृतक के पुत्र ने बताया कि पिता मेहनत मजदूरी और गांव के लोगों की बंटाई पर खेती करते थे।खेत पर फसलों की रखवाली करने गए थे उसके बाद घर नही लौटे। जंगल में शव दफनाए जाने पर ग्रामीणों में तरह तरह की चर्चाएं होती रही। श्रमिक का शव जंगल में कैसे पहुंचा रहस्य का विषय बना हुआ है। थानाध्यक्ष ने बताया कि लापता श्रमिक का शव चादर से बांधकर देवहट गांव के जंगल में गढ्ढे में दफ़नाया मिला।शव को गढ्ढे से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना की बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही है।

महर्षि आज़ाद क्रिकेट प्रतियोगिता में मास्टर एकेडमी और झारखंड की शानदार जीत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में चल रही राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत बुधवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में मास्टर क्रिकेट एकेडमी ने पटना को जबकि दूसरे मुकाबले में झारखंड की टीम ने आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब को पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। दिन के पहले मैच में पटना की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.5 ओवर में 129 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मास्टर क्रिकेट एकेडमी सुरियावां ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 18 ओवर में 6 विकेट खोकर 131 रन बनाकर मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम कर लिया।

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब को 23 रनों से पराजित किया। झारखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाए। टीम की ओर से प्रियांशु रंजन ने 57 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शिवम त्रिवेदी ने 36 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूती दी। आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब की ओर से गेंदबाजी में राजन यादव ने 3 विकेट झटके, वहीं चंदन यादव, प्रांजल यादव, मोनू यादव, विशाल यादव और अजीत साहू ने एक-एक विकेट लेकर झारखंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आज़ाद स्पोर्ट्स क्लब की टीम 19.2 ओवर में 131 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। झारखंड की सधी हुई गेंदबाजी के सामने बल्लेबाज टिक नहीं सके और झारखंड ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता का अगला मुकाबला मास्टर क्रिकेट एकेडमी बनाम शशांक इलेवन, जबकि दूसरा मैच झारखंड बनाम रायबरेली के बीच खेला जाएगा। मैच के विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य चंद्र भूषण त्रिपाठी (पप्पू) ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, संतोष पांडेय शास्त्री, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, राकेश वर्मा,मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूजीसी कानून के विरोध में भदोही में प्रदर्शन, राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

भदोही। जनपद भदोही में यूजीसी कानून के विरोध में आज विभिन्न संगठनों द्वारा कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए धरना दिया और 'यूजीसी कानून वापस लो' के नारे लगाए। इस दौरान कानून को समाप्त करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। प्रदर्शन में ब्राह्मण युजन सभा के जिलाध्यक्ष अमरीश तिवारी, छात्र संगठन के शिवम शुक्ला, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष आनंद पांडेय, विकास प्रभात पांडेय सहित अधिवक्ता समाज के सैकड़ों लोग शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ भी नारे लगाए गए। छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि यूजीसी कानून लाकर ब्राह्मण, क्षत्रिय और सवर्ण समाज के लोगों पर अन्याय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कानून से शिक्षण संस्थानों में जातिगत भावनाएं बढ़ेंगी और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित होगा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जहां पहले विद्यालयों में छात्र आपसी सद्भाव के साथ शिक्षा ग्रहण करते थे, वहीं इस कानून से शिक्षा के मंदिरों का माहौल बिगड़ने का खतरा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी कानून वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर राज दीक्षित, अनूप पांडेय, टिंकू पांडेय, विकास पांडेय, योगेश पांडेय, सागर राय, रोहित पांडेय सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण, अधिवक्ता एवं क्षत्रिय समाज के लोग उपस्थित रहे।

एंटीरोमियो टीमों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को नारी सुरक्षा, हेल्पलाइन नम्बरों के बारे में किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दिनांक-28.01.2026 जनपद के समस्त थानों की एंटीरोमियो टीमों द्वारा शासन द्वारा नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन/महिला कल्याण के प्रति चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं के मध्य सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद में महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में चलाये जा रहे पुलिस की महिला सुरक्षा सम्बंधी विभिन्न महिला हेल्प लाइन 1090, यूपी-112, हेल्पलाइन नम्बरों 1076 आदि के बारे में जागरूक किया तथा उपस्थित सभी महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को किसी भी विषम परिस्थिति में तत्काल उक्त दिए गए हेल्पलाइन नम्बरों पर कॉल कर पुलिस को सूचित करने हेतु बताया गया। सभी बालिकाओं/ महिलाओं को हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने अपने क्षेत्र में कार्य करने/शिक्षा ग्रहण करने के लिये प्रेरित किया गया। साथ ही एंटी रोमियो स्क्वाड द्वारा आसपास बेवजह घूम रहे युवकों/शोहदों से पूछताछ कर चेतावनी देकर तथा नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एसआईआर नोटिस में प्रतिनिधि भेजने की सुविधा

भदोही। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिन मतदाताओं को एसआईआर नोटिस जारी की गई है और जो किसी कारणवश सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकते, वे लिखित अनुमति देकर किसी प्रतिनिधि को सुनवाई हेतु भेज सकते हैं।एडीएम कुँवर वीरेंद्र मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया

कि ऐसे मतदाता को अपने हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान से किसी व्यक्ति को अधिकृत करना होगा। यह सुविधा निर्वाचन आयोग के 'कोई मतदाता न छूटे' उद्देश्य के तहत मतदाताओं की असुविधा कम करने के लिए दी गई है।

नैनो उर्वरकों पर आधारित जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही जनपद भदोही के कृषि भवन सभागार, घराव में कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नैनो उर्वरको पर आधारित एकदिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उप कृषि निदेशक भदोही, अश्विनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी इरम मिर्ज़ा, क्षेत्र प्रबंधक, इफको प्रयागराज अक्षय पाण्डेय भी उपस्थित थे। क्षेत्र प्रबंधक इफको प्रयागराज द्वारा सभागार में उपस्थित जनपद के कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नैनो यूरिया प्लस,नैनो डीएपी,नैनो जिंक के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई एवं कृषि विभाग द्वारा किये जा रहे सभी कार्यक्रम में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस के बारे में कृषकों को जागरूक किए जाने की बात कही जिससे कि कृषकों के लागत में भी कमी आए एवं फसलों का उत्पादन भी बढ़े।

क्षेत्र अधिकारी इफको भदोही द्वारा सागरिका,लिक्विड कंसोर्टिया एवं जल विलय उर्वरक के प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी दी गई। नैनो डीएपी की 500 द्वद्य. बोतल जो कि 600 रु0 में है इससे 100 किलोग्राम बीज को शोधित कर सकते है। *नैनो डीएपी से बीज शोधित कर बुवाई करने से बीजों का जमाव अच्छा होता है साथ ही जड़ो का विकास अच्छा होता है।

उप कृषि निदेशक द्वारा बताया गया कि कृषकों को नैनो उर्वरकों की प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी विभाग द्वारा किये जा रहे सभी कृषक गोष्ठी में दी जाए साथ ही सभी कृषकों को *नैनो डीएपी से बीज शोधन कर बुवाई करने के लिए जागरूक करे एवं दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करे ।नैनो उर्वरकों के प्रयोग से कृषकों के लागत में भी कमी आएगी, उत्पादन भी बढ़ेगा एवं रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से जल,मृदा एवं पर्यावरण प्रदूषित हो रही है उससे भी बचा जा सकता है।

जिला कृषि अधिकारी द्वारा बताया गया कि नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी के प्रयोग विधि एवं लाभ की जानकारी सभी किसानो को किया जा रहे कृषक गोष्ठी के माध्यम से अवश्य की जाए। पारंपरिक दानेदार उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कमजोर हो रही है। भारत सरकार द्वारा दानेदार उर्वरकों पर अनुदान के रूप में भारी भरकम धनराशि खर्च की जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी ,इफको एसएफए हॉटस्पॉट विकास यादव सहित 70 से अधिक लोगो की उपस्थिति रही।

स्वर्णकार संघ के जिलाध्यक्ष बने लोकेश सेठ.....

भदोही: अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सेठ जी ने संगठन विस्तार के तहत स्वर्गीय डॉ. जटाशंकर वर्मा के सुपुत्र श्री लोकेश सेठ को भदोही जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। स्वर्णकार ने शीघ्र जिला कार्यकारिणी गठन कर समाज के हर समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया, लोकेश सेठ सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं जो अपने व्यवहार से पूरे भदोही जिले में एक अलग ही पहचान बनाई है जो समाजसेवा में हमेशा लगे रहते है और समाज में ऐसा कोई जगह नहीं जहा पर ना पहुंचते हो चाहे आधी रात क्यों ना हो इसी व्यवहार को देखते हुए लोकेश सेठ को स्वर्णकार संघ ने इनके कन्धे पर अपने समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिया है, जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ जी ने कहा कि मैं हृदय से धन्यवाद करता हूँ स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्त प्रदेश कार्यकारिणी का, जिन्होंने मुझ जैसे युवा पर विश्वास जताकर मुझे यह जिले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी, और मै पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ स्वर्णकार संघ के सदस्य बन कर समाज की आवाज़ को मजबूती से उठाने और संगठन की गरिमा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेता हूँ।

डिजी मुद्रा के डायरेक्टर प्रकाश जैन अरेस्ट... जयपुर में ईडी का बड़ा एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जयपुर जोनल ऑफिस ने मंगलवार(27 जनवरी) को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मेसर्स डिजी मुद्रा कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक प्रकाश चंद जैन को गिरफ्तार किया. इसके बाद उन्हें जयपुर स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया गया. जहां से कोर्ट ने जैन को 4 दिन की ईडी की हिरासत में भेज दिया. जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित एसटीएफ और राजस्थान, हरियाणा, उड़ीसा और महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों के कई पुलिस स्टेशनों द्वारा प्रकाश चंद जैन, रवि जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी।

निवेश के नाम पर की धोखाधड़ी

ईडी की जांच में पता चला है कि आरोपियों ने आपस में मिलीभगत करके हजारों लोगों को धोखाधड़ी वाली योजनाओं में निवेश करने के लिए लुभाकर करोड़ों रुपए ठगे थे. इन योजनाओं में उन्हें बहुत अधिक लाभ का लालच दिया गया था।

ईडी की जांच में खुलासा

पीएमएलए, 2002 के तहत अब तक की गई जांच में यह भी पाया गया है कि विभिन्न निवेशकों से करोड़ों रुपए एकत्र किए गए और उसका कुछ हिस्सा मेसर्स डिजी मुद्रा कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटरों/निदेशकों और उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों एवं एजेंटों के निजी खातों में स्थानांतरित कर दिया गया. जांच में पता चला कि अपराध से प्राप्त धन का उपयोग आरोपियों ने अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदने में किया है।

7 परिसरों पर तलाशी अभियान

इससे पहले ईडी ने इस मामले में 31.12.2025 को आरोपियों के कुल 7 परिसरों पर तलाशी ली थी. इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य और 11.3 लाख रुपए नकद जब्त किए गए थे. इसके साथ ही करोड़ों रुपये की विभिन्न अचल संपत्तियों और संस्थाओं से संबंधित विभिन्न बैंक खातों में लगभग 38 लाख रुपए की राशि का भी खुलासा हुआ था।

ईडी की जांच जारी

तलाशी के दौरान यह भी पता चला है कि अपराध के मुख्य आरोपियों में से एक रवि जैन दुबई में है और उसने अपराध से प्राप्त धन को दुबई में रियल एस्टेट और अन्य विभिन्न व्यावसायिक कारोबार में निवेश करने के लिए भेजा है. फिलहाल ईडी की जांच जारी है और आगे और भी बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडारोहण किया गया

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के चक इमाम अली मे नारायणी ब्राइट माइण्डस,द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर में मुख्य अतिथि सुषमा पाण्डेय द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए। मुख्य रूप से प्रधानाचार्या नीलिमा मिश्रा, प्रबन्धिका क्षमा अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, मारुति नन्दन मिश्र, विनायक, ममता मिश्रा,प्रभा पाठक एवं छात्र व अभिभावक उपस्थित रहे।

संविधान के मूल्यों से सशक्त भारत का निर्माण - डॉ. आशुतोष मिश्रा

घाटमपुर। 26 जनवरी के पावन अवसर पर डीएवी एनयूपीपीएल पब्लिक स्कूल में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास, गौरव एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनयूपीपीएल के सीईओ एवं विद्यालय चेयरमैन एस. दुरई कुमार तथा प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्र गान गाया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो गया। इस गरिमामयी अवसर पर एनयूपीपीएल के सीजेएम चंद्रशेखरन (प्रोजेक्ट), सीजेएम रवि कुमार एस (ऑपरेशन एंड मेंटीनेंस), डीजीएम (एचआर) कौशिक भर, एसीएम (एचआर) के. पी. बीनू सहित अनेक वरिष्ठ एनयूपीपीएल अधिकारियों की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, भाषण, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर को और भी गौरवपूर्ण बनाते हुए सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले विद्यार्थियों अभिनय उइके (कक्षा IX) एवं कृष्णा सचान (कक्षा XI) को उनके वैज्ञानिक नवाचार सोच और परिश्रम के लिए एनयूपीपीएल की ओर से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा– '26 जनवरी हमें हमारे संविधान की शक्ति, लोकतंत्र की गरिमा और नागरिक कर्तव्यों की याद दिलाता है। एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है, जब युवा पीढ़ी अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाए। 'उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं देशसेवा की भावना को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि एस. दुरई कुमार ने अपने संबोधन में 'विविधता में एकता' तथा 'संविधान के महत्व' पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार, सजग एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिक बनने का संदेश दिया और सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। समारोह के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की।

शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 2 ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा चौक मे राष्ट्रीवादी रीमा वर्मा द्वारा चौक पर ध्वजरोहण कर,धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया

राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी गणतंत्र दिवस,के पावन पर्व पर नारी शक्ति संगठन गाजियाबाद द्वारा शालीमार गार्डन एक्सटेंशन 2 ऑपरेशन सिंदूर तिरंगा चौक (पुराना नाम पन्नू चौक) मे संगठन की अध्यक्ष अंतराष्ट्रीय ज्योतिषश्चर्य राष्ट्रीवादी रीमा वर्मा द्वारा चौक पर ध्वजरोहण कर,धूमधाम से 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया इस अवसर संगठन ने महिला सशक्तिकरण और स्वच्छ भारत मिशन, महिला सुरक्षा, एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान को लक्ष्य बनाते हूए दलित समाज की महिला सफाई कर्मियों, जान्हवी, पूजा, संगीता और तीन तलाक के विरुद्ध संघर्ष करने वाली मुस्लिम महिलाओ अमरा खातून, अंजुम आरा, अंजुम,महिला सुरक्षा के लिए महिला आयोग से सब इंस्पेक्टर मंजीत सिँह,ईमानदार ऑटो रिक्शा चालकों का नारी शक्ति संगठन की ओर से सम्मान किया गया, साथ ही साथ बच्चों का देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम कर मिठाइयाँ वितरित की गई कार्यक्रम को सफल बनाने मे नारी शक्ति संगठन के पदाधिकारियों मिथलेश उपाध्याय,अनीता बजाज, संगीता, अंजना इत्यादि ने सक्रिय रूप से भाग लिए।

अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर पद से हटाते हुए अखाड़े से भी बाहर किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर विवादित टिप्पणी करने पर किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर पद से हटाते हुए अखाड़े से भी बाहर कर दिया है। डॉ. लक्ष्मी नारायण ने एक वीडियो जारी कर इस बात की जानकारी दी है। माघ मेला क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मौनी अमावस्या के दिन पालकी में संगम जाने से रोकने का विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर तमाम लोग पक्ष-विपक्ष में बयान दे रहे हैं। इसी मामले में पिछले दिनों किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर यमाई ममतानंद गिरि उर्फ ममता कुलकर्णी का एक बयान आया था, जिसमें उन्होंने शंकराचार्य पर विवादित बयान दिया था। इसके बाद मंगलवार को किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का एक वीडियो जारी हुआ जिसमें उन्होंने कहा है कि इस विवाद में वो पड़ना नहीं चाहती हैं। श्री विद्या में वो स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती से दीक्षित हैं और संन्यास परंपरा के गुरु अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरिगिरि हैं। स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती में कुछ विवाद चल रहा है।

उनके बीच कुछ मामला कोर्ट में चल रहा है। इस बारे में उन्हें जानकारी है, लेकिन वो कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती हैं। वो भी माघ मेला आई थीं। भीड़ को देखते हुए उन्होंने गंगा में स्नान किया। सबकी अपनी मान्यता है। डॉ. लक्ष्मी नारायण ने साफ कहा कि वो शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को भी सही नहीं कह रही हैं, लेकिन प्रशासन ने इस प्रकरण को वैसे नहीं संभाला जैसे उसे करना चाहिए था। आचार्य महामंडलेश्वर ने बटुकों की शिखा खींचने पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि परंपरा पर पर उंगली उठाना बुरा लगता है इसलिए ममता कुलकर्णी से दूरी बना ली। उन्हें सर्वसम्मति से बाहर कर दिया। डॉ. लक्ष्मी नारायण ने कहा कि ममता कुलकर्णी लगातार विवादित टिप्पणी देती हैं। बार-बार विवादित टिप्पणी देने से बात बिगड़ती है। उनके बयान से किन्नर अखाड़े का कोई सरोकार नहीं है।

महाकुंभ भगदड़ मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट का आदेश- 30 दिनों में मिले मुआवजा, राज्य सरकार की अपील नामंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने महाकुंभ 2025 में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में मृत महिला के परिवार को 30 दिन में मुआवजे का भुगतान करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जांच आयोग की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद मामलों का निस्तारण करने संबंधी राज्य सरकार का आग्रह नामंजूर कर दिया है। हाई कोर्ट ने मेला प्राधिकरण और आयोग को भगदड़ में जान गंवाने वाली महिला के पति को 30 दिन के भीतर मुआवजा भुगतान करने के लिए कहा है। प्रयागराज निवासी उदय प्रताप सिंह की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति अजित कुमार व न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने चेतावनी दी कि आदेश का पालन न करने पर प्रकरण को गंभीरता से लिया जाएगा। कोर्ट ने आयोग के साथ मेला प्राधिकरण को भी आदेश की तारीख से अगले 30 दिन के भीतर याची के मुआवजे के दावे को निस्तारित करने का निर्देश दिया है और अगली सुनवाई पर 18 फरवरी को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा है। 29 जनवरी 2025 की आधी रात संगम क्षेत्र में हुई भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई थी।

भारत की सबसे कम उम्र की ज्योतिषी बनी काजल कुमारी

● सित्यइंदिरा फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। 26/1/26को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सत्यइंदिरा फाउंडेशन के द्वारा पूरे भारत के 24 लोगों को उनके अतुल्यनीय योगदान के लिए शौर्य राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस में बिहार की शान बनकर उभरी काजल कुमारी को विशेष दर्जा दिया गया। काजल जी सम्मानित होने वाले लोगों में सबसे कम उम्र की हैं तथा भारत की सबसे कम उम्र की ज्योतिषी हैं। इन्होंने ज्योतिष के क्षेत्र में गहन अध्ययन और अपने ज्ञान से बड़ी बड़ी उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इन्हें ज्योतिष शिरोमणि तथा ज्योतिष विषारद जैसी महान् उपलब्धियां प्राप्त हैं। ज्योतिष के शास्त्रार्थ में भी इन्होंने अपने से बड़े बड़े ज्योतिषों को मात दी और विजेता हुई हैं। बिहार की राजधानी पटना की रहने वाली काजल जी हस्तरेखा तथा कुंडली विशेषज्ञ हैं साथ ही यह फेस रीडिंग भी करके भविष्य बताती हैं। ये 5 भाषाओं में कुंडली निर्माण का कार्य करती हैं, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, भोजपुरी, अवधि। इन्होंने निस्वार्थ भाव से लोगों की सहायता की हैं ये कुंडली परामर्श हेतु कोई फीस नहीं लेती तथा गरीब असहाय लोगों की सदा सहायता करती रहती हैं। काजल जी एक लेखिका भी हैं इन्होंने 9 पुस्तकों की रचना मात्र 20 वर्ष की उम्र में ही की हैं। इतना अद्भुत ज्ञान इतनी कम उम्र में वाकई सराहनीय हैं। उन्हें सम्मानित करते हुए संस्थान के सभी लोगों ने बधाई दी और इनके उज्वल भविष्य की कामना की। काजल कुमारी से जब पूछा गया कि उन्हें ज्योतिष की इतनी सटीक जानकारी कैसे हैं तो उन्होंने इसका श्रेय अपने माता पिता जी को दिया और कहा कि मां सरस्वती की असीम कृपा से मैं ये सम्मान को प्राप्त की हूं।

पत्रकारों और व्यापारियों ने मृतक आयुष केसरवानी को दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराजे। चित्रकूट के बरगढ़ निवासी तेरह वर्षीय आयुष केसरवानी पुत्र अशोक केसरवानी की निर्मम हत्या के विरोध में मेवालाल की बगिया तिराहे पर बुधवार को नैनी प्रेस क्लब और नैनी व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नैनी प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी ने किया।इस दौरान नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने प्रदेश सरकार से इस तरह की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है वहीं व्यापारी नेता सुभाष चंद्र केसरवानी ने कहा कि आयुष केसरवानी की हत्या अत्यंत निंदनीय है जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता नयन कुमार कुशवाहा ने पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपए मुआवजे की मांग की है। वही नैनी प्रेस क्लब के संरक्षक सूबेदार सिंह ने इस घटना को अत्यधिक निंदनीय बताया है और सरकार से सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किए जाने की मांग की है। उपाध्यक्ष प्रिया मिश्रा ने कहा कि दिवंगत आत्मा को ईश्वर शांति प्रदान करें और पीड़ित परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें। इस अवसर पर नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष राकेश जयसवाल, सुभाष चंद्र केसरवानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नयन कुमार कुशवाहा, राकेश कुमार श्रीवास्तव, अंजुम नाज, मोहम्मद नाजिम और नैनी प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रिया मिश्रा, महामंत्री अजय सिंह, उपाध्यक्ष दिवाकर पाल, कोषाध्यक्ष इशरत सिद्दीकी, मुकेश विश्वकर्मा, अनिल प्रेमी ,सिमरन बेदी, राहुल जायसवाल,देवा श्रीवास्तव,अमित तिवारी,विनोद जैकब, सहित अनेक पत्रकार एवं व्यापार मंडल के सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट को ले जा रही पुलिस से धक्का-मुक्की, सड़क पर गिर पड़े बेचारे इंस्पेक्टर

बरेली में आज हाई वोल्टेड ड्रामे के बीच निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को जिले से बाहर ले जाया गया. जब अलंकार अग्निहोत्री की कार उनके आवास से निकल रही थी, तब समर्थकों ने कार को घेर लिया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन को समर्थकों को वहां से हटाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. नौबत ऐसी आ गई कि एक समर्थक को गाड़ी के पास से हटाने में शहर कोतवाली इंस्पेक्टर सुरेश गौतम बेचारे जमीन पर गिर पड़े. उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में देखा जा सकता है कि इंस्पेक्टर सुरेश गौतम समर्थक को पकड़े हुए जमीन पर गिरे हैं।

सपा सरकार बनी तो छोटे कामगारों के देशी उत्पादन को महत्व दिया जायेगा- हाजी फ़ज़ल महमूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी महानगर के गोविन्दनगर, आर्यनगर, सीसामऊ, किदवईनगर, कैंट विधानसभा क्षेत्र के पीडीए (PD) थिंक-थैंक के प्रमुखों की बैठक सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद की अध्यक्षता में दिन में 4 बजे सपा हाल 7-नवीन मार्केट परेड में आहूत हुई। ?सपा अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सपा पीडीए का बढ़ता प्रभाव देखकर भाजपा मंत्री समाजवाद का पाठ पढ़ाकर जनता को गुमराह कर रहे है जिसका जवाब 2027 में जनता सपा पीडीए सरकार बनाकर दे देगी।अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि छात्रों को आज जिम्मेदारी डाली गयी कि प्रत्येक पीडीए परिवार पहुंचकर भाजपा सरकार की, जन विरोधी तथा बेरोजगारी, तथा उद्योगों को महत्व देकर, उदारीकरण का बढ़ावा देकर देश के छोटे उद्योगों को बर्बाद किया जा रहा है जिससे युवा पीढ़ी में आक्रोश है। इसलिये सपा पीडीए अब लघु उद्योगों तथा कामगारों के हाथ से निर्मित वस्तुओं को अपनाने तथा विदेशी सामानों का विरोध किया जायेगा। क्योंकि बेरोजगारी रोकने में भाजपा असफल रही है।अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने सम्बोधन में कहा कि बैंको द्वारा क्रेडिट लोन युवाओं को देकर, नियम से हटकर वसूली में उत्पीड़न किया जा रहा जिससे अब तक 6 हजार से अधिक युवा त्रस्त होने के कारण आत्महत्या कर रहे है जिसको सपा ने गम्भीरता से लिया है। और इसके लिये सपा पीडीए पूरा आकलन कराकर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी को रिपोर्ट देंगे और आन्दोलनात्मक कदम इंटर की परीक्षा के बाद तय किये जायेंगे। बैठक मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद,प्रदेश सचिव के के शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू,महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर,महेन्द्र सिह,रजत मिश्रा,अरमान खान,जस्वेन्द्र निषाद,गुड्डू यादव,साकिब अब्बासी,प्रवीण मिश्रा,प्रीतम बक्सी,मोनू विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

अपर्णा-प्रतीक यादव के बीच हुई सुलह! इंस्टा पर लिखा- 'ऑल इज गुड, हम चैंपियंस का परिवार'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव के साथ तलाक की घोषणा के बाद अब संबंधों में सुधार की बात कही है. सोशल मीडिया पर 'ऑल इज वेल' पोस्ट कर उन्होंने विवादों पर विराम लगाया है. इस सुलह से यूपी की राजनीति में एक बार फिर यादव परिवार के भीतर के समीकरणों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, जिससे परिवारिक एकजुटता का संदेश गया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपर्णा यादव के साथ तलाक की घोषणा कर हलचल मचाने वाले प्रतीक यादव ने अब सबकुछ ठीक होने की बात कही है. उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपर्णा के साथ अपने संबंधों के बेहतर होने की बात साझा की है. प्रतीक यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि ऑल इज गुड. अब सब ठीक हो गया है. दरअसल प्रतीक यादव ने 19 जनवरी को अपर्णा यादव के साथ संबंध खत्म करने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया था. इसके बाद राज्य में सियासी सरगर्मी बढ़ गई थी. वहीं अपर्णा और प्रतीक के संबंधों को लेकर बहस भी तेज हो गई. अब उन्होंने इस मामले में नया पोस्ट किया है। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव का नया इंस्टा पोस्ट, अपर्णा यादव संग फोटो शेयर कर लिखा- ऑल इज गुड प्रतीक यादव के पोस्ट से तलाक की अटकलों पर फिलहाल विरामलग गया है. 8 घंटे में प्रतीक यादव के दो पोस्ट, दोनों अब भी इंस्टाग्राम पर मौजूद हैं. प्रतीक यादव तलाक चर्चा के बीच अपर्णा यादव संग दिखे. प्रतीक और अपर्णा यादव इंस्टाग्राम फोटो में साथ बैठे नजर आए। 19 जनवरी वाला तलाक संकेत पोस्ट अब तक डिलीट नहीं किया गया है. प्रतीक-अपर्णा की साथ वाली तस्वीर लंबे समय बाद सामने आई. सोशल मीडिया पर प्रतीक यादव की पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा था. इंस्टा पोस्ट से रिश्ते को लेकर नई चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

प्रतीक ने शेयर किया पोस्ट

प्रतीक यादव ने अपनी पोस्ट सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर अपर्णा संग तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- सब अच्छा है. वो चैंपियन होते हैं जो अपनी पर्सनल/प्रोफेशनल समस्याओं को खत्म कर देते हैं. हम चैंपियंस का परिवार हैं. उन्होंने हाल ही में अपर्णा यादव के साथ संबंधों को लेकर चल रही गहमागहमी के बीच को लेकर कहा कि हमारे संबंध सही हैं. हमारे बीच ऑल इज वेल है. हम चैंपियंस का परिवार हैं. प्रतीक यादव ने खुद ये सब एक पोस्ट में लिखा है।

क्या था मामला?

प्रतीक यादव ने 19 जनवरी को एक पोस्ट शेयर कर अपर्णा यादव के साथ तलाक की घोषणा की थी. एक पोस्ट में उन्होंने अपर्णा यादव को फैमिली डेस्ट्रॉयर कहा था. वहीं, दूसरी पोस्ट में परिवार से अलग करने की बात कही थी. इसके लिए उन्होंने अपर्णा को जिम्मेदार ठहराया था. उन्होंने माता, पिता और भाई से संबंधों को तोड़ने वाली भी अपर्णा को कहा था. अपर्णा को केवल अपनी चिंता करने वाली और खुद के विकास के लिए काम करने वाली बताया था. इसके साथ ही संबंध तोड़ने की भी बात कही थी।

गंगा जी के तट पर शिव पुराण ज्ञानयज्ञ में अमृत बरसता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जायसवाल की रिपोर्ट

नैनी, प्रयागराज। माघ मेला में आचार्य डॉ निलिम्प त्रिपाठी ने उत्साह,आनंद और उल्लास की वर्षा करा दी। वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी डॉ गिरीश के संयोजन में यह कथा चल रही है। शिव पुराण की महिमा में प्रयागराज का उल्लेख है शिव तीर्थ के रूप में यह पहले से ख्यात है। शिव पुराण में 24000 श्लोक हैं इसको सुनने वाला साक्षात शिव धाम जाता है। हर हर शंकर ! घर-घर शंकर ! का जय घोषकर आचार्य जी ने रुद्राक्ष की महिमा तथा पापी देवराज की मुक्ति की अद्भुत कथा सुनाई। बिंदुग तथा चंचुला की रहस्यमई कथा से लोग भाव विभोर हो गए।राजा पृथु, अज और रघु के समय भी यहां माघ मेला और कुंभ लगता था।

पहले से ही यहां दान की परंपरा रही है। यहां पर सदा यज्ञ होते ही रहे हैं इसीलिए इस स्थान का नाम प्रयागराज है। ज्ञान यज्ञ, तप यज्ञ, दान यज्ञ और स्नान यज्ञ सब कुछ एक साथ इस पवित्र भूमि में ही संभव है। स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम परिसर में पूज्य महर्षि महेश योगी जी के समाधि स्थल के निकट शिव पुराण की कथा हो रही है। इसमें आश्रम के 600 वैदिक विद्वान एवं अतिथि अभ्यागत सहित हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। विद्वान् आचार्य डॉ निलिम्प त्रिपाठी जी ने कथा की श्रवण विधि बताकर शिव जी के स्वरूप का वर्णन किया।कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य बसंत जी एवं श्री सुनील जी ने माल्यार्पण कर आचार्य जी का स्वागत किया।

गणतंत्र दिवस पर स्कूल में अभिभावकों को दिलाई स्वच्छता शपथ

ललितपुर। 77 वे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में गुरुकुल कॉन्वेंट स्कूल पिसनारी बाग में धूमधाम से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन में मु य अतिथि नपाध्यक्ष सोनाली जैन मौजूद रहीं। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर नाट्य प्रस्तुति देकर समस्त अतिथियों का मन मोह लिया, जो कि काफी सराहा गया। मु य अतिथि नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने गणतंत्र दिवस का महत्व बताते हुए वहां उपस्थित छात्र छात्राओं उनके अभिभावकों से अपने घर गली मोहल्ले एवं शहर को साफ स्वच्छ बनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के उपरांत स्कूल प्रधानाचार्य जी.डी.रजक ने आभार जताया। संचालन जयशंकर प्रसाद दुबे द्वारा किया गया। इस दौरान पार्षद गिरधारी लाल कुशवाहा, पुष्पेन्द्र राजा बुंदेला (प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख हिन्दू जागरण मंच), अशोक कुमार साहू, भाजपा नेता वंशीधर श्रीवास, महाराज सिंह, गणेश प्रसाद, संतोष कुशवाहा समेत समस्त स्कूल स्टाफ व बड़ी सं या में उपस्थित रहे।

जे पी एल फाइनल मुकाबले में बीना ने देवरान को हराकर अपने नाम की ट्रॉफी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जाखलौन। सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में नरेंद्र सिंह पप्पी राजा की पुण्य स्मृति में चल रहे जाखलौन प्रीमियर लीग सीजन 4 का फाइनल मुकाबला देवरान और बीना टीम के बीच खेला गया जिसमें बीना की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और बल्लेबाजी करते हुए बीना टीम ने 14 रनों के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया सेकंड विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई जिसमें ओपनिंग करने आए फरहान ने 24 गेंदों में 40 रनों का योगदान दिया जिसमें 4 चौके और 3 छक्के भी शामिल हैं। इसके बाद और खिलाड़ी भी टीम में अपना योगदान देते हुए बीना टीम का स्कोर 16 ओवर के मैच में 9 विकेट पर 133 रनों तक पहुंचाया। देवरान टीम की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए सचिन टोंटे ने 3 ओवर में मात्र 9 देकर 3 विकेट झटके लक्ष्य का पीछा करने उतरी देवरान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही जीरो रन पर अपना पहला विकेट खोकर देवरान की टीम दबाव में आ गई और बीना टीम की कसी गेंदबाजी के चलते घुटने टेक दिए मात्र 57 रनों के स्कोर पर देवरान टीम ने अपने 6 विकेट खो दिए और देवरान टीम के खिलाड़ी रनों के लिए झूजते रहे। लेकिन बीना टीम के गेंदबाज व फील्डर द्वारा कोई गलती नहीं की, और देवरान टीम के 9 विकेट गिरा कर देवरान टीम को मात्र 95 रनों पर रोक दिया और फाइनल का यह मुकाबला 38 रनों से अपने नाम कर लिया बीना टीम की तरफ शानदार गेंदबाजी प्रिंस ने 3 विकेट, यशवंत ने 2 विकेट, समीर ने 2 विकेट, सचिन ने 2 विकेट, अपने नाम कर हुबली टीम को जीत दिला दी। टूर्नामेंट में आज करीब 2 से 3000 के बीच जनता रही उपस्थित खचाखच भरा रहा स्टेडियम कॉमेंटेटर बद्री प्रसाद, और स्कोरर रहे धीरज शर्मा, अंपायर की भूमिका रोहित मिश्रा और छोटे लाल झा ने निभाई फाइनल मैच में जीपीएल आयोजन समिति द्वारा पत्रकारों का स मान में स्मृति चिन्ह के साथ डायरी पेन, और शाल उड़ाकर किया गया स मानित। फाइनल मैच समापन में मु य अतिथि रहे अमर विश्वकर्मा घुटारी, जिला पंचायत सदस्य जाखलौन, सपा पूर्व जिला अध्यक्ष तिलक यादव,Vz जिला अध्यक्ष विजय सोनी, वरिष्ठ पत्रकार मोदी शिखर चंद्र जैन, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश प्रकाश कोंते, पत्रकार प्रदीप कुमार जैन,विवेक जैन, चाली राजा महेशपुरा, पुष्पेंद्र राजा बरदेही, अजय राजा बुंदेला, यशवीर राजा, प्रवीण यादव, डायरेक्टर ब्लू बैल एकेडमी,रहीस यादव प्रिंसिपल, शिवम विश्वकर्मा, जहेश साहू, दिनेश साहू,दर्शन यादव, राजू बबेले, मोहन अहिरवार (सूदरे प्रधान,) मनोज प्रधान ऐरा, रामगोपाल यादव, संदीप राजा, अरविंद रजक आयोजन समिति संजय जैन राहुल यादव, सेलू राजा,के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या के भदरसा गैंगरेप केस में कोर्ट का बड़ा फैसला, सपा नेता मोईद खान बरी; नौकर राजू खान दोषी करार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अयोध्या के बहुचर्चित भदरसा दुष्कर्म कांड में पॉक्सो कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है. सपा नेता मोईद अहमद को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया गया, जबकि मुख्य आरोपी राजू खान को दोषी पाया गया. कोर्ट ने राजू खान को फिर से जेल भेज दिया है और अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी. यह फैसला इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बहुचर्चित भदरसा दुष्कर्म कांड में पॉक्सो कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सना दिया है. कोर्ट ने आरोपी सपा नेता मोईद अहमद को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया. वहीं इस मामले में कोर्ट ने मुख्य आरोपित रहे राजू खान को दोषी पाया. दोनों आरोपी जेल में निरुद्ध रहे, जिन्हें बुधवार को जेल से तलब किया गया था. कोर्ट ने राजू खान को दोषसिद्ध करते हुए फिर से जेल भेज दिया. वहीं अगली सुनवाई के लिए 29 जनवरी की तारीख नियत की है। साल 2024 में अयोध्या के भदरसा क्षेत्र के नाबालिग गैंगरेप मामले में समाजवादी पार्टी नेता मोईद खान को कोर्ट मे बेगुनाह साबित हुआ. इसके बाद कोर्ट ने उसे बरी कर दिया जबकि नौकर राजू पर आरोप सही पाए गए और कल उसकी सजा का ऐलान होगा. 2024 में मोईद खान और उसके नौकर का डीएनए जांच कराया गया था. रिपोर्ट आने के बाद कोर्ट ने मोईद खान को बरी कर दिया, जबकि नौकर को दोषी पाते हुए कल सजा सुनाने का ऐलान किया है।

क्या था मामला?

अयोध्या के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा में एक 12 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर गैंगरेप हुआ. पीड़िता के परिजनों का आरोप था कि सपा नेता मोईद खान जो भदरसा नगर के अध्यक्ष थे और उनकी बेकरी में काम करने वाले राजू खान ने लड़की को बेकरी में बुलाकर रेप की घटना को अंजाम दिया था. आरोपियों ने घटना का वीडियो बनाया और ब्लैकमेल कर महीनों तक बार-बार दुष्कर्म किया. जब लड़की दो महीने की गर्भवती हो गई, तब जुलाई 2024 में मामला सामने आया।

पुलिस ने की थी कार्रवाई

30 जुलाई 2024 को पुलिस ने मोईद खान और राजू खान को गिरफ्तार किया था. मामला संवेदनशील होने से राजनीतिक बवाल मचा गया था. योगी सरकार ने मोईद खान की बेकरी सील की, अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया. पॉक्सो एक्ट, गैंगरेप और ब्लैकमेलिंग की धाराओं में केस दर्ज हुआ था. मोईद खान सपा सांसद अवधेश प्रसाद के करीबी माने जाते थे।

फाइनल में पहुंचीं कुसमाड़ और टीटीनगर सौजना की टीमें

महरौनी। ग्राम सौजना में 22 जनवरी से आयोजित अंडर-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहले सेमीफाइनल में नैकोरा और टीटीनगर सौजना की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नैकोरा की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 101 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीटीनगर सौजना की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 9 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में विवेक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 54 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला सौजना और कुसमाड़ की टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सौजना की टीम ने 10 ओवरों में 95 रन बनाए। जवाब में कुसमाड़ की टीम ने 9.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। कुसमाड़ की ओर से रोहित ने 43 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 1 फरवरी को टीटीनगर सौजना और कुसमाड़ की टीमों के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर टूर्नामेंट के मु य अतिथि रतिराम साहू (व्यापारी) रहे। आयोजन समिति में संदीप जैन एडवोकेट, पूरन सहरिया, नीरज, गगन उपाध्याय, द्वारिका रजक, मंजू दुबे, अवधेश, आमिर खान, केशव, मनू पटेल, अंतिम राजा, पवन अहिरवार, राहुल अरविंद, चाली, धनीराम सहित बड़ी सं या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जिस प्रेमी के साथ घर से गई नाबालिग, उसी ने दोस्तों के साथ मिलकर बनाया हवस का शिकार

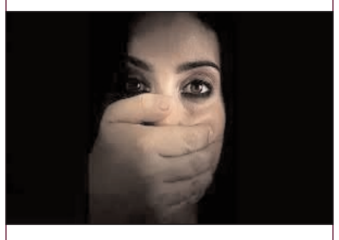

मधेपुरा। शंकरपुर थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के साथ चार-पांच युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना तीन दिन पहले की है। बुधवार को पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद पुलिस के द्वारा एक आरोपित रोशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह पीड़िता का प्रेमी बताया जा रहा है। इधर, जांच के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के पटोरी स्थित बांसबिट्टी में घटना को अंजाम दिया गया था। जहां से फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और कफ सिरप की 8-10 बोतलें बरामद की है। महिला थाना, सिंहेश्वर थाना व शंकरपुर थाना की पुलिस जांच में जुटी है। इसके बाद पीड़िता का सदर अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

शादी का झांसा देकर पीड़िता को घर से लेकर भागा था आरोपित प्रेमी

पीड़िता के अनुसार उसका शंकरपुर थाना क्षेत्र के बसंतपुर निवासी वासु यादव उर्फ सतेन्द्र यादव का पुत्र रोशन का उसके साथ प्रेम प्रसंग था। प्रेमी रोशन कुमार 24 जनवरी की रात शादी का झांसा देकर चार चक्का वाहन पर लेकर घर से लेकर भागा। उसके साथ चार और दोस्त थे। अन्य चारों आरोपितों को वह नहीं पहचान पाई है। इसके बाद रास्ते में पटोरी बांसबिट्टी में ले जाकर पहले प्रेमी रोशन फिर उसके चारों दोस्तों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद सभी आरोपित उसे सिंहेश्वर लाकर छोड़ कर भाग निकला। जिसके बाद वह बेहोश हो गई। होश आने पर वह खुद को मेडिकल कॉलेज में पाई। इस बीच अस्पताल में भर्ती कराने वालों ने स्वजन को जानकारी दी। स्वजन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। महिला थाना की पुलिस द्वारा पीड़िता का बयान लेने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। सिंहेश्वर व शंकरपुर थाना की पुलिस के साथ महिला थाना की पुलिस मामले की जांच और फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है।

बिहार में बदलाव की लहर, समृद्धि की सौगात लेकर आई मुख्यमंत्री नीतीश की यात्रा

दरभंगा । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा है कि नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा से न केवल बिहार में समृद्धि लाएगी, बल्कि इससे दरभंगा और मिथिला भी समृद्ध होगा। गत वर्ष मुख्यमंत्री अपनी प्रगति यात्रा के दौरा 11 योजनाओं की घोषणा की थी। इन सभी योजनाओं को कार्य प्रारंभ हो चुका है। नागेन्द्र झा स्टेडियम में आयोजित जनसंवाद को संबोधित करते हुए सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बन रहे एयरपोर्ट टर्मिनल को देखा, तो निर्माणधीन एक्सप्रेस हाइवे और निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा की समीक्षा की। इसके अलावा तीन ऐतिहासिक तालाब हराई, दिग्गी, गंगासागर के सौंदर्यीकरण और एकीकरण का भी जायजा लिया। इसके अलावा 1800 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एलिवेटेड रोड की भी समीक्षा की। इस रोड के बन जाने से दरभंगा को जाम से मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री विकास के साथ ही सनातन संस्कृति के आगे बढ़ने की भी चिंता कर रहे हैं। बाबा कुशेश्वर स्थान के विकास की बात हो या अहिल्या धाम में विकास की बात हो या मिथिला शोध संस्थान की बात हो, मुख्यमंत्री ने उन सभी की चिंता की। एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार दरभंगा और मिथिला के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार भी विकास की गति को मजबूती प्रदान कर रही है। पटना के बाद सबसे बड़े शहर और विकास योजनाओं के मामले में दरभंगा ही रहने वाला है। सीएम की यात्रा को लेकर कार्यकर्ता उत्साहित दिखे।

सनातन धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्रीय हित में शंकराचार्य एवं योगी को आरोप-प्रत्यारोपों को विराम देना राष्ट्रीय हित में : हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड :- शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती त्रिवेणी संगम में अपने शिष्यों के साथ पालकी पर सवार होकर पावन स्नान को जा रहे थे। भारी भीड़ को देखते हुए मेला प्रशासन ने उनसे पालकी से उतरकर पैदल स्नान करने की करबद्ध प्रार्थना की, परंतु वे पालकी पर सवार होकर ही जाने की जिद पर अड़े रहे, जिससे विवाद बढ़ता गया। वहीं अब राज्य सरकार, विशेषकर योगी आदित्यनाथ एवं शंकराचार्य के बीच वाक्य-युद्ध में राजनीतिक पार्टियां, इंडि गठबंधन के नेता विशेष रूप से अखिलेश यादव, राजनीतिक लाभ हेतु शंकराचार्य का पक्ष लेते हुए सरकार पर आरोप लगाते नजर आए। उन्होंने सरकार पर यह आरोप लगाया कि शंकराचार्य को त्रिवेणी संगम में स्नान से रोककर अधर्म तथा धर्म-विरोधी कार्य किया गया है। इतना ही नहीं, अखिलेश यादव ने शंकराचार्य की आड़ लेकर एसआईआर की आलोचना करते हुए भारतवर्ष में चुनाव निष्पक्ष नहीं होने का आरोप भी भारत निर्वाचन आयोग पर मढ़ दिया। यद्यपि मंच राजनीतिक विषयों पर टीका-टिप्पणी करने से बचता रहा है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा सनातन धर्म और संस्कृति की निराधार एवं तथ्य-विहीन आलोचना देश की स्वतंत्रता काल से होती रही है। ऐसी परिस्थितियों में हिन्दू विचार मंच लेखनी के माध्यम से हिन्दुओं की भावनाओं का प्रतिकार करता रहा है, जो राष्ट्रीय हित में है। अखिलेश यादव द्वारा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का पक्ष लेकर सरकार पर आरोप लगाना उनका अधिकार है, परंतु धर्म की आड़ लेकर भारत निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बिना प्रमाणिक तथ्यों के आरोप लगाना, क्या राष्ट्रधर्म के अनुरूप है? यह विचारणीय प्रश्न है। हालांकि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने उन्हें सटीक उत्तर देकर उनकी मंशा स्पष्ट कर दी है। समय बीतने के साथ इन आरोप-प्रत्यारोपों एवं दुखद प्रसंगों को देवयोग मानते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रशासन द्वारा शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का हार्दिक अभिनंदन कर त्रिवेणी संगम में स्नान का मार्ग प्रशस्त करते हुए क्षमा-याचना करना ही राष्ट्रीय धर्म का पालन होगा। अन्यथा ऐसे विषयों पर सनातनियों में भ्रम फैलेगा और सनातन धर्म एवं संस्कृति पर अनावश्यक टीका-टिप्पणी करने का अवसर देश-विरोधी तत्वों को मिलेगा। भारतवर्ष की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में महर्षि, संत और मुनि सदैव राष्ट्रीय हित में राजाओं और महाराजाओं को परामर्श देते रहे हैं। सम्राट भी राष्ट्रीय रक्षा हेतु यज्ञादि अनुष्ठानों द्वारा दैत्यों से रक्षा करते रहे हैं। ज्ञात रहे कि महर्षि विश्वामित्र तारका जैसी भीमकाय और अत्यंत शक्तिशाली दैत्या का स्वयं वध कर सकते थे, किंतु उन्होंने श्रीराम के हाथों उसका वध कराकर समाज और राष्ट्र की रक्षा की। उसी प्रकार पूज्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी को भी सनातन धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्रीय हित में क्रोध का त्याग करना चाहिए। वहीं योगी आदित्यनाथ सामूहिक प्रगति को प्राथमिकता देते हुए बिना भेदभाव सभी नागरिकों के हित में राज्य के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं। भू-माफियाओं, राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर कठोर कार्रवाई, प्रदेश को भय-मुक्त करना तथा धर्मांतरण जैसे मामलों पर सख्त कदम उठाना योगी के अतिरिक्त किसी अन्य मुख्यमंत्री द्वारा नहीं

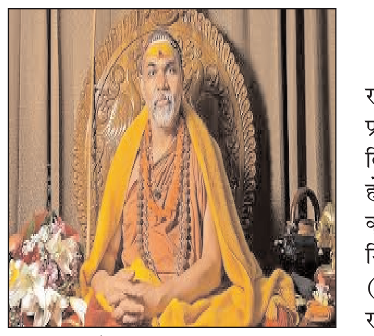

किया गया है–ऐसा मानना केवल राज्य ही नहीं, बल्कि देशवासियों का भी है। संतों, सरकार एवं मेला प्रशासन को यह स्मरण रखना चाहिए कि प्रत्येक समस्या का समाधान तर्क-वितर्क से नहीं होता, विशेषकर मौनी अमावस्या जैसे पावन अवसर पर। इस शुभ घड़ी में पूज्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी एवं मेला प्रशासन, विशेषकर योगी आदित्यनाथ जी, को एक-दूसरे का सम्मान करते हुए मेला प्रांगण में आए श्रद्धालुओं एवं राष्ट्रीय हित में शीघ्र समाधान निकालना चाहिए। यही सनातन और भारत के हित में होगा, अन्यथा पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ शेष नहीं रहेगा।

समाजसेवी आदर्श लक्ष्य ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर किया रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवघर, झारखंड :- 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देवघर जिले के दो होनहार पहलवान–रोहित कुमार (गोवर्धन साहित्य मिडिल स्कूल) एवं रिशु कुमार (तक्षशिला विद्यापीठ)–बीते बुधवार को राजधानी एक्सप्रेस के माध्यम से झारखंड टीम के साथ रांची से दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर समाजसेवी सह युवा नेता आदर्श लक्ष्य उर्फ 'भईया जी' ने दोनों खिलाड़ियों को टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनका उत्साहवर्धन करते हुए उज्ज्वल भविष्य और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि देवघर के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है और ऐसे मंच उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों खिलाड़ी राज्य और जिले का नाम रोशन करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए देवघर जिला कुश्ती संघ के सचिव संजीव कुमार झा ने बताया कि पिछले माह आयोजित राज्य स्तरीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में रोहित कुमार ने 38 किलोग्राम भार वर्ग (फ्री-स्टाइल) तथा रिशु कुमार ने 48 किलोग्राम भार वर्ग (फ्री-स्टाइल) में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था। इसी उत्कृष्ट उपलब्धि के आधार पर दोनों खिलाड़ियों का चयन झारखंड टीम में किया गया है। मौके पर देवघर जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष विजय प्रताप सनातन सहित अभिजीत सिंह कुमार, कौशल सिंह, संजय वर्मा, राजीव सिंह, मनोरंजन सिंह, रौनक सिन्हा, आशीष पांडे एवं संघ के अन्य सदस्यों ने भी दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग), झारखंड :- प्रखंड अंतर्गत मनगढ़ में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निर्माणाधीन चहारदीवारी का बरही विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं पर नाराजगी जताई। निरीक्षण उपरांत मुकुंद साव ने बताया कि चहारदीवारी निर्माण में घोर लापरवाही बरती जा रही है। नवनिर्मित दीवार में नियमित रूप से पानी नहीं दिया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा उपयोग में लाई जा रही सामग्री की गुणवत्ता भी संतोषजनक नहीं है तथा पुराने मटेरियल के उपयोग की बात भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में लगभग 500 छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन विगत कई दिनों से विद्यालय परिसर में प्रवेश द्वार (गेट) नहीं लगा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। जो गेट लगाने के लिए लाया गया है, वह भी कमजोर प्रतीत हो रहा है तथा गेट के ऊपर लगने वाली तीर (बीम) भी नहीं लगाई गई है। इससे असामाजिक तत्वों के विद्यालय परिसर में प्रवेश की आशंका बनी हुई है। मुकुंद साव ने संवेदक के मुंशी तन्मय यादव को निर्देश दिया कि पांच दिनों के भीतर गेट लगाया जाए, नवनिर्मित दीवार में नियमित रूप से पानी दिया जाए तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में सुधार नहीं होने की स्थिति में वरीय अधिकारियों सहित सांसद एवं विधायक को शिकायत की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष भरत सिंह, मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार साव, भाजपा नेता एवं भोजपुरी गायक जन्मेजय कुमार सिंह उपस्थित थे। वहीं विद्यालय की वार्डेन सह शिक्षिका ललिता कुमारी, पूर्व वार्डेन सह शिक्षिका संघमित्रा कुमारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं।

लायंस क्लब ऑफ मधुपुर ने 'गोकुल स्मृति' लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर के संचालन हेतु किया समझौता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखंडः- लायंस क्लब ऑफ मधुपुर द्वारा समाजसेवा एवं जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत 'गोकुल स्मृति' लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर के संचालन हेतु एक समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह सेंटर पत्थरचपटी मोहल्ला स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर के नव-निर्मित भवन के चौथे तल पर संचालित किया जाएगा। समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम एक निजी होटल के सभागार में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ मधुपुर की ओर से इस प्रोजेक्ट के चेयरपर्सन पीएमजेएफ़ लायन डॉ. अरुण कुमार गुटगुटिया एवं क्लब अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक ने, जबकि दूसरी ओर से बाबा नायक डायग्नोस्टिक की निदेशिका पूनम देवी ने विधिवत रूप से समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के माध्यम से क्षेत्रवासियों को सुलभ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण नेत्र एवं स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार हुआ है कार्यक्रम के दौरान क्लब के सक्रिय सदस्य लायन विकास डालमिया एवं लायन मनीषा डालमिया ने अपने माता-पिता की स्मृति में

लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर में उपयोग होने वाले चिकित्सा उपकरणों हेतु सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की, जिसे सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण बताया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट चेयरमैन पीएमजेएफ़ लायन डॉ. अरुण कुमार गुटगुटिया ने कहा कि लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर केवल एक स्वास्थ्य केंद्र नहीं, बल्कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए आशा का केंद्र बनेगा। लायंस क्लब का उद्देश्य सेवा को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है और यह परियोजना उसी संकल्प को साकार करेगी। क्लब अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि लायंस क्लब ऑफ मधुपुर निरंतर समाजहित में कार्य करता रहा है। यह सेंटर नेत्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करेगा और आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुलभ होगी। बाबा नायक डायग्नोस्टिक के संचालन से जुड़े लायन शंभु मंडल ने कहा कि लायंस क्लब के साथ इस सहयोग के माध्यम से समाज सेवा का अवसर प्राप्त होना गौरव की बात है। यह सेंटर निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन के वरिष्ठ सदस्य पीएमजेएफ़ लायन प्रदीप डोकानिया ने कहा कि लायंस क्लब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य अनुकरणीय हैं। मधुपुर में लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर की स्थापना पूरे संथालपरगना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लायन विकास डालमिया ने कहा कि अपने माता-पिता की स्मृति में इस पुनीत कार्य में योगदान देना उनके लिए भावनात्मक एवं गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सेंटर समाज के जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। इस अवसर पर मधुपुर क्लब के उपाध्यक्ष लायन सुमंत गुटगुटिया, सर्विस चेयरपर्सन लायन महेश बथवाल, सचिव लायन विजय आनंद लछिरामका, संयुक्त सचिव लायन राजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष लायन रामानुज मिश्रा, लायन सरफ़राज, लायन नीलम डालमिया, लायन आँचल गुटगुटिया, लायन मनीषा डालमिया, लायन संजीत, लायन डॉ. देवानंद, लायन राहुल, लायन रूपेश मोदी, लायन विनोद लछिरामका, लायन दीपक, लायन अटल, लायन श्याम, लायन शंभू मंडल, लायन विशाल सहित लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन एवं लायंस क्लब ऑफ देवघर बैद्यनाथ धाम के सदस्य तथा शहर के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने इस पहल को लायंस क्लब की निःस्वार्थ सेवा भावना का प्रतीक बताते हुए समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। वक्ताओं ने कहा कि लायंस विज़न एंड वेलनेस सेंटर भविष्य में जरूरतमंद लोगों के लिए नेत्र परीक्षण, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का एक प्रभावी केंद्र बनेगा। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित सदस्यों ने इस जनकल्याणकारी प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

केन्द्रीय कानून से बढ़ेगी सनातनियों में आपसी जातीय वैमनस्यता एवं द्वेषपूर्ण भाव - हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- भारत में 15 जनवरी 2026 को लागू की गई यूजीसी एक्ट से सनातनियों में आपसी सामाजिक वैमनस्यपूर्ण भाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे देश में अराजकता की स्थिति पैदा होने की संभावना दिख रही है। इसका प्रतिकूल प्रभाव भारत की विकसित होने की धारा पर भी पड़ सकता है। इसे लेकर सामान्य वर्ग के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अभिभावकों द्वारा व्यापक स्तर पर लोकतांत्रिक ढंग से विरोध प्रदर्शन प्रारंभ हो चुका है। वहीं दूसरी ओर भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय में भी विरोध स्वरूप याचिका दाखिल की गई है। इस मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता समर्थन और विरोध में सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस नए यूजीसी एक्ट से सभी को समान न्याय मिलेगा, लेकिन कई बिंदुओं को लेकर सामान्य वर्ग में आशंकाएँ व्याप्त हैं। सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी सनातनियों में आपसी जातीय भेदभाव को बल मिलने की संभावना दिखाई दे रही है, जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। सनातन धर्म और संस्कृति में सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग के किसी भी काल में

जातीय या क्षेत्रीय भेदभाव नहीं रहा है। ऐसी संकीर्णता पराधीन भारत में विशेष रूप से कुटिल अंग्रेजों द्वारा सनातनियों को विभिन्न जातियों में बाँटकर अपने साम्राज्य का विस्तार करने के उद्देश्य से उत्पन्न की गई, जो स्वतंत्रता के बाद भी किसी न किसी रूप में जारी रही। स्मरण रहे कि श्रीराम, श्रीकृष्ण तथा बड़े-बड़े महर्षियों, देवों और दानवों में आज की तरह जातीय भेद कहाँ दिखाई देता है। कर्म आधारित व्यवस्था के कारण ही योग्यता के आधार पर मत्स्य कन्या सत्यवती के पुत्र महर्षि वेदव्यास तथा दासी पुत्र विदुर महामंत्री बने। सभी युगों में ऐसे असंख्य उदाहरण सनातन धर्म और संस्कृति में विद्यमान हैं। परंतु हम अंग्रेजों द्वारा लिखे गए विकृत इतिहास और साहित्य को पढ़कर उसी को सत्य मान बैठे हैं और मनु को 'मनुवादी' कहकर कोसते रहे हैं। अस्तु, स्वतंत्रता के लगभग साठ वर्षों के उपरांत भारत की पावन धरा पर सनातन धर्म और संस्कृति आधारित राष्ट्रीय भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सामूहिक प्रगति की नीति के आलोक में एनडीए सरकार वर्ष 2014 से गठित हुई है। वर्तमान समय में देशवासियों में राष्ट्रीय भावना प्रबल होती दिखाई दे रही है। ऐसी अनुकूल स्थिति में यदि यूजीसी एक्ट को लागू किया जाता है, तो यह सनातनियों और राष्ट्रीय हित में कतई उचित नहीं प्रतीत होता। सरकार चाहे जितना भी दावा कर ले कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा, परंतु वर्तमान परिस्थितियों में यह संभव नहीं दिखता। निस्संदेह केन्द्र सरकार को सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा कानून बनाना चाहिए, जिससे कोई भी जातीय आधार पर पीड़ित न हो।

यू जी सी कानून के विरुद्ध सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज, किया दमदार प्रदर्शन

देवरिया। यूजीसी कानून के विरोध में मंगलवार को सवर्ण समाज के लोगों का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला। हजारों की संख्या में लोग शहर के सुभाष चौक पर एकत्र हुए और कानून के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां व बैनर लेकर सरकार से कानून वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मानस पाण्डेय ने कहा कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था के मूल ढांचे और सामाजिक संतुलन को प्रभावित करेगा। मानवेंद्र तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकार बिना व्यापक विमर्श के निर्णय थोप रही है, जिसे समाज स्वीकार नहीं करेगा। वहीं कृष्ण बिहारी दुबे ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही यू जी सी कानून पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को जनपद स्तर से प्रदेशव्यापी रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सरकार में शामिल सवर्ण नेताओं के प्रति भी लोगों में नाराजगी देखी गई। स्थिति को देखते हुए सुभाष चौक पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

संवैधानिक मूल्यों पर केंद्रित लेक्चर प्रतियोगिता, छात्रों को किया गया सम्मानित

●गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई बौद्धिक प्रतिभा, लेक्चर प्रतियोगिता संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपालगंज - हथुआ- संविधान और लोकतंत्र पर छात्रों ने रखे विचार, लेक्चर प्रतियोगिता का सफल आयोजन गणतंत्र दिवस पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सवरेजी हथुआ में लेक्चर प्रतियोगिता का आयोजन गणतंत्र दिवस के अवसर पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सवरेजी हथुआ में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास एवं अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करने हेतु लेक्चर प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 11वीं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संविधान, लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 11वीं कला संकाय से ज्योति कुमारी, लखन पांडेय, अर्चना कुमारी एवं जीतू कुमार; कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय से सफीक आलम, अभिषेक कुमार एवं पलक मिश्रा; कक्षा 9वीं से पलक कुमारी,

मंजीत कुमार, स्नेहा कुमारी, सलोनी कुमारी सोनी, नंदनी कुमारी एवं आयुषी कुमारी तथा कक्षा 10वीं से जागृति कुमारी शामिल रहीं। इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमृतेश कुमार रंजन ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक अनवर हुसैन द्वारा किया गया। लेक्चर प्रतियोगिता के उपरान्त सभी सभी प्रतिभागियों क़ो प्रशस्ति पत्र एक मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अनिरुद्ध प्रसाद, सोनू निगम, पूजा कुमारी, स्नेहा कुमारी, जावेद आलम, सुनील कुमार चक्रवर्ती, सुचित कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि पप्पू जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा मंच के माध्यम से आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और विचार अभिव्यक्ति को सशक्त बनाना रहा। अंत में विद्यालय प्रशासन द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विचाराधीन मुकदमे की जमीन में विपक्षी मनमाने ढंग से जबरिया,दबंगई,गुंडई के बल पर पक्का पिलर का निर्माण कर बना रहे हैं मकान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र।/ उत्तर प्रदेश- घोरावल तहसील के करमा थानांतर्गत बारी महेवा गांव में न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे की जमीन में मनमाने ढंग से जबरिया गुंडई,दबंगई के बल पर पक्का पिलर का निर्माण कर मकान बनाया जा रहा है जबकि न्यायालय में अभी फाट की कार्रवाई लंबित है। इस संबंध में एसडीएम घोरावल ने तहसीलदार तथा एसएचओ कर्मा को जांचकर नियमानुसार उचित कार्रवाई करने का दिया निर्देश दिया है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी घोरावल को बुधवार को करमा थाना क्षेत्र के बारी महेवा गांव निवासी हीरालाल यादव पुत्र स्व. बचऊ यादव ने सौंपें गए शिकायती पत्र में कहा है कि मा.न्यायालय उपजिलाधिकारी महोदय के न्यायालय में बचऊ बनाम विन्देश्वरी, मुकदमा नं0टी बी 26166603162 मुकदमा विचाराधीन है।जिसका निर्धारित तारीख 03फरवरी2026 को लगी है जिसका आ0 नं0 422 रकबा 2.6930 हेक्टेयर है। विपक्षी हरिगेन यादव पुत्र शिवधारी उक्त विचाराधीन मुकदमे की जमीन में जबरदस्ती पक्का पीलर का निर्माण करते हुए मकान बना रहे हैं तथा मना करने पर घोर अपमानजनक अपशब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट,झगड़ा करने पर आमादा हैं।ऐसी सूरत में इलाका लेखपाल व थाना

करमा को आदेशित किए जाने की गुहार लगाई है कि जब तक मा.न्यायालय में फाट की कार्यवाही नहीं हो जाती तब तक विपक्षीगण को मकान का निर्माण कार्य करने से रोका जाये ताकि निर्माण कार्य न हो सके।

आदर्श नगर पंचायत चोपन में बिना सूचना बोर्ड कराए जा रहे निर्माण कार्य, शासनादेशों की उड़ रही धज्जियाँ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन (सोनभद्र)। आदर्श नगर पंचायत चोपन में सड़क, नाली एवं खड़ंजा निर्माण कार्य शासनादेशों के बावजूद बिना सूचना बोर्ड लगाए कराए जा रहे हैं। यह गंभीर अनियमितता जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत के बाद नगर पंचायत द्वारा प्रस्तुत आख्या से स्वयं उजागर हुई है। नगर पंचायत चोपन में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के क्रम में नगर पंचायत द्वारा दिनांक 24 जनवरी 2026 को प्रस्तुत आख्या में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है कि किसी भी निर्माण स्थल पर शासनादेशानुसार 'निर्माणाधीन सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया था। नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक निर्माण कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य है, जिसमें कार्य का नाम, स्वीकृत लागत, वित्तीय वर्ष, कार्य प्रारंभ एवं पूर्णता तिथि तथा ठेकेदार का नाम अंकित होना चाहिए। इसके बावजूद नगर पंचायत क्षेत्र में यह अनिवार्यता पूरी तरह नजरअंदाज की गई। आख्या में केवल यह उल्लेख किया गया है कि संबंधित ठेकेदारों को सूचना बोर्ड लगाने हेतु निर्देश दे दिए गए हैं, किंतु अब तक किन-किन कार्य स्थलों पर सूचना बोर्ड लगाए गए, इसकी कोई सूची या प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही, सूचना बोर्ड न लगाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों अथवा कार्यदायी संस्थाओं पर किसी प्रकार की कार्रवाई का भी उल्लेख नहीं है। सूचना बोर्ड न होने के कारण निर्माण कार्यों की लागत एवं गुणवत्ता को लेकर पारदर्शिता समाप्त हो रही है और जनता को आवश्यक जानकारी से वंचित रखा जा रहा है। इससे कार्यों में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि नगर पंचायत चोपन में कराए जा रहे सभी निर्माण कार्यों की स्थलीय जांच कराई जाए, सूचना बोर्ड न लगाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में प्रत्येक निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए।

संक्षिप्त खबरें

झांसी गोलीकांड में घायल एमबीए छात्रा की मौत

78 दिन बाद तोड़ा दम, प्रेमी ने खुद को भी गोली मारी थी

ललितपुर। शहर क्षेत्र में रहने वाली एमबीए की छात्रा कृतिका चौबे का मंगलवार को निधन हो गया। वह बीते 9 नवंबर को झांसी यूनिवर्सिटी के सामने हुई गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। इस घटना में उनके प्रेमी मनीष साहू ने उन्हें गोली मारने के बाद खुद भी आत्महत्या कर ली थी। कृतिका 78 दिनों से जीवन के लिए संघर्ष कर रही थीं। यह घटना बीते 9 नवंबर को सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तालाबपुरा निवासी मनीष साहू (पुत्र बिहारी साहू) और उनकी परिचित कृतिका चौबे (पुत्री गौरीशंकर चौबे उर्फ कल्लन) के बीच झांसी यूनिवर्सिटी के सामने हुई थी। किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान मनीष साहू ने तमंचे से पहले कृतिका पर गोली चलाई और फिर खुद को भी गोली मार ली थी। घटनास्थल पर ही मनीष साहू की मौत हो गई थी, जबकि कृतिका गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज झांसी में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने के कारण उन्हें पहले एम्स भोपाल रेफर किया गया, जहां कई दिनों तक उनका इलाज चला। बाद में, चिकित्सकों ने उन्हें एम्स दिल्ली भेज दिया था। डॉक्टरों के अनुसार, गोली कृतिका की रीढ़ की हड्डी के पास लगी थी, जिससे उनके शरीर का निचला हिस्सा सुन्न हो गया था। तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः परिजन उन्हें कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भैसाई स्थित अपने घर ले आए, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उनकी मृत्यु हो गई।

सड़क सुरक्षा माह के तहत चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत एआरटीओ के निर्देशन में सड़क सुरक्षा जन जागरूकता अभियान में परिवहन कार्यालय से दो पहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया, जो नगर में घंटाघर, सावरकर चौक, तुवन चौराहा, बरनी चौराहा, कचहरी चौराहा, सदन शाह चौराहा होते हुए इलाइट चौराहा पर समापन किया गया जिसमें दो पहिया वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों से जागरूक किया। इसी क्रम में यात्री/ माल कर अधिकारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को गोल्डन अवर में चिकित्सा केन्द्र पर पहुंचाए जाने वाले व्यक्तियों को राहवीर योजना का लाभ प्राप्त किए जाने के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त योजना में गोल्डन अवर में अस्पताल पहुंचाए जाने पर शासन द्वारा पुरस्कार राशि रुपए 25 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है। वहीं राहवीर योजना का लाभ लेने हेतु राहवीर को अस्पताल में अपना नाम अवश्य लिखाए जाने हेतु आम जन मानस को प्रेरित किया गया।

आर्थिक तंगी नहीं बनेगी इलाज में बाधा

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस का संकल्प, 200 जरूरतमंदों का होगा मुफ्त ऑपरेशन

ललितपुर। समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस और भगवान महावीर नेत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से क्षेत्र के दो सौ से अधिक जरूरतमंद मरीजों का मुफ्त ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर का कार्यक्रम विज्ञापन के अनुसार दो दिवसीय शिविर का आयोजन जांच एवं भर्ती शुक्रवार 30 जनवरी एवं ऑपरेशन की तिथि शनिवार, 31 जनवरी और 1 फरवरी को श्री दिगम्बर जैन भगवान महावीर नेत्र चिकित्सालय स्टेशन रोड पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज जैन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। आयोजकों ने मरीजों की सुविधा के लिए पंजीकरण हेतु विभिन्न केंद्रों की सूची जारी की एक महीने से जारी कर दी थी। इस आयोजन के मुख्य संरक्षक अपहरण एवं प्रमुख प्रायोजक श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस कंपनी प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज जैन हैं। कंपनी के रीजनल मैनेजर नीरज पटेरिया ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य उन लोगों तक रोशनी पहुँचाना है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी आंखों का इलाज नहीं करा पाते हैं। क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएं ताकि पात्र व्यक्ति इस सेवा का लाभ उठा सकें।

मटर आढ़ती से नगदी लेकर लौट रहे किसान से रंगदारी मांगने में जेल गया टाईगर

● 25 दिसंबर की रात की बताई जा रही है घटना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मंडी से हरी मटर बेचकर लौट रहे एक किसान से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने छोटू टाइगर को जेल भेज दिया है। घटना बीती 25 दिसंबर की बताई जा रही है। पीड़ित किसान ने कोतवाली में तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की थी। ग्राम घुसिया निवासी प्रदुम्न पटैरिया ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनके पिता के पास गांव में करीब 35 बीघा कृषि भूमि है, जिसकी देखरेख वह करते हैं। खेत में हरी मटर की फसल लगी थी, मटर उसने 25 और 26 दिसंबर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कोंच मंडी में खुशाली एंड आशी ट्रेडिंग कंपनी के यहां बेची थी। आढ़ती द्वारा भुगतान तत्काल नहीं दिया गया था। आढ़ती ने करीब 15 दिन बाद रुपए देने को उससे कहा था। पीड़ित के अनुसार 12 जनवरी को वह अपने साथियों अजय कुमार और देशराज सिंह के साथ मंडी पहुंचा, जहां आढ़ती ने खर्च के लिए उसे 15 हजार रुपये दे दिए। उक्त नगदी लेकर वह ट्रैक्टर से घर लौट रहा था। तभी घुसिया नहर पुलिया के समीप कोंच कस्बा निवासी रिजवान मंसूरी उर्फ छोटू टाइगर ने मोटरसाइकिल से रास्ता रोक लिया। टाइगर ने खुद को बड़ा नेता बताते हुए एक लाख रुपये की उससे रंगदारी मांगी और न देने पर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दी। डर के कारण उसने अपने पास मौजूद 15 हजार रुपये टाइगर को दे दिए। टाइगर ने शेष रकम जल्द देने की धमकी देते हुए पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की उसे चेतावनी दी। पीड़ित के अनुसार दो दिन बाद आरोपी टाइगर सागर तालाब के पास दोबारा मिला और गाली-गलौच करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। उक्त मामले में बुधवार को पुलिस ने आरोपी छोटू टाइगर को संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है।

साहना खान को मिस फ्रेशर व शिवानी को मिस ब्यूटी का मिला खिताब

● बद्री प्रसाद कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित हुई फ्रेशर पार्टी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- स्थानीय सेठ बद्री प्रसाद कॉलेज ऑफ नर्सिंग में फ्रेशर पार्टी आयोजित की गई। साहना खान को मिस फ्रेशर व शिवानी को मिस ब्यूटी के खिताब से नवाजा गया। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल के आतिथ्य में आयोजित फ्रेशर पार्टी की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर की, तदोपरांत कॉलेज के कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखर, प्रभारी प्राचार्य बृजेंद्र सिंह सहित स्टाफ सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। फ्रेशर पार्टी में छात्र छात्राओं ने शानदार रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। रैम्प वॉक प्रतियोगिता में भी छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर आशीर्वाद प्रदान किया। संचालन अमन एवं जया सरोज ने किया। इस दौरान डॉ मनोज कुमार, डॉ सत्यप्रताप, तैयबा सिद्दीकी, पूनम देवी, डॉ शिवम सिंह, इं. संतोष रायकवार, प्रदीप कुशवाहा, राधेश्याम पटेल, राघवेंद्र पटेल, मनोज श्रीवास्तव, दिनेश बाबूजी मनोहर प्रजापति, विवेक बाबू, राजकुमार, संदीप, संजय आदि उपस्थित रहे।

आजादपुरा में सड़क निर्माण की मांग

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला आजादपुरा में रहने वाले लोगों ने एक राय होकर जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भेजा है। बताया कि उनके वार्ड नं 12 व 16 में सड़क निर्माण न होने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि सड़क न होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियां हो रही है। आगे बताया कि रोड का निर्माण कराये जाने को लेकर कई बार पत्राचार किया, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुयी। मोहल्लेवासियों ने बताया कि अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी से मामले की जांच करायी जाकर सड़क निर्माण कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय मोनू, राजपाल, सुरेश, छोटू पटेल, सौरभ, चंदन, सुरेन्द्र, विनोद, राजू, रामबाबू, नायक, रवि कुशवाहा, मथुराप्रसाद, आदर्श दुबे, लोकेश कुमार, रोहित, रश्मि आदि मौजूद रहे।

एसआईआर नोटिस सुनवाई के दौरान भारी भीड़ उमड़ रही है मतदाताओं की

● 6 फरवरी तक जमा हो सकेंगे जरूरी प्रपत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मुख्य चुनाव आयोग के निर्देशन में जारी एसआईआर 2025 प्रक्रिया के तहत ऐसे तमाम मतदाता हैं जिनके नाम पता आदि जानकारियों की मैपिंग नहीं हो पाई है और निर्वाचन कार्यालय से उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। इन नोटिसों की सुनवाई के लिए नियत तिथियों पर परेशान लोगों की भारी भीड़ तहसील में उमड़ रही है।

2003 की मतदाता सूची के सापेक्ष साक्ष्य उपलब्ध न करवाने पर मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए थे जिनकी सुनवाई के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को लगाया गया है। बुधवार को भी तहसील सभागार में नोटिस प्राप्त मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी और मतदाता अपना मताधिकार के प्रयोग के लिए जारी 17 प्रमाणपत्र सूचियों के अभिलेख लिए भटकते नजर आ रहे थे। काफी अफरा तफरी का माहौल था, मतदाताओं को अपने कागजातों को जमा करने के लिए धक्का मुक्की करनी और सहनी पड़ रही थी। मतदाता इसलिए भी खासे परेशान लग रहे थे कि कहीं उनका मताधिकार ही न छिन जाए। इसके लिए वे घंटों भीड़ में अपने नंबर की प्रतीक्षा में खड़े रहे। इस काम में समूची तहसील क्षेत्र में 10 एईआरओ की ड्यूटी लगाई गई है। तहसील कार्यालय सहित एबीएसए कार्यालय कोंच व नदीगांव, ब्लॉक कार्यालय कोंच व नदीगांव कुल 6 स्थानों पर एईआरओ बैठ कर संबंधित मतदाताओं के जरूरी प्रपत्र जमा कर रहे हैं। प्रभारी तहसीलदार/ न्यायिक एसडीएम वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि जिन मतदाताओं को नोटिस प्राप्त हुए हैं, उनके जरूरी प्रपत्र 6 फरवरी तक जमा कर फीडिंग कार्य किया जाएगा जिसके बाद संशोधित मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल, सहायक अभियंता धर्मेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह जादौन, पारस अग्रवाल, अजय यादव सहित तमाम कर्मचारी इस काम में लगे हुए हैं।

गल्ला मंडी में ट्रक के अंदर खाना बनाते समय फटा मिनी सिलेंडर, बड़ी घटना होने से बची

कोंच(जालौन)- नगर में स्थित गल्ला मंडी परिसर में बुधवार की दोपहर करीब एक बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ट्रक के अंदर रखे मिनी गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। घटना के बाद मंडी परिसर में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। जानकारी के अनुसार, गल्ला मंडी परिसर में खड़े एक ट्रक के चालक द्वारा ट्रक के अंदर मिनी गैस सिलेंडर पर खाना बनाया जा रहा था। इसी दौरान गैस लीकेज होने के कारण सिलेंडर में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख चालक घबरा गया और उसने तुरंत जलते हुए सिलेंडर को ट्रक से बाहर सड़क पर फेंक दिया। सड़क पर गिरते ही सिलेंडर में तेज आवाज के साथ विस्फोट हो गया जिससे आसपास मौजूद लोग सहम गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि सिलेंडर छोटा था जिस कारण कोई बड़ी घटना घटित नहीं हुई। विस्फोट के बाद कुछ देर के लिए इलाके में धुआं फैल गया लेकिन स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई। समय रहते सिलेंडर को ट्रक से बाहर फेंकने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही मंडी निरीक्षक सोनू मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षक ने बताया कि हादसे में किसी प्रकार की कोई हानि नहीं हुई है।

व्यापारियों को अनावश्यक रूप से तंग करने की व्यवस्था समाप्त करने पर दिया जाएगा जोर : सम्भव सिंघई

● केमिस्ट एसोसिएशन का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिला केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नववर्ष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जो हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में शहर के दवा व्यवसायियों के साथ चिकित्सक, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पत्रकार और पुलिस महकमें से जुड़े लोग शामिल हुए, सभी ने एकजुट होकर नए साल की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। वहीं दवा व्यवसाईयों ने व्यवसाय को और बेहतर बनाने पर चर्चा की।

जिला केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा नववर्ष मिलन समारोह का आयोजन रविवार को दवा व्यवसायी वरिष्ठ पत्रकार सम्भव सिंघई के आवासीय परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ दवा व्यवसाई व संगठन संरक्षक नवीन समैया ने की। समारोह में व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष का ऐलान किया गया। वक्ताओं ने एक स्वर में जीएसटी दरों में कमी, व्यापार को सफल बनाने की मांग व व्यापारियों को अनावश्यक रूप से तंग करने की व्यवस्था समाप्त करने पर जोर दिया। साथ ही व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठी। नव वर्ष में व्यापारिक एकता को और मजबूत करने तथा व्यापारियों के अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम आयोजक मंडल से अंशुल जैन, मनोज जैन, संजय गुप्ता, ला. जितेन्द्र जैन, रेशु जैन, सौरभ जैन, जगदीश कुशवाहा, संदीप गोस्वामी, अशोक कुमार, डा. विनोद साहू, आलोक निरंजन, अखिल समैया, शैलेन्द्र साहू, रविराजा, वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र गोस्वामी, अरविन्द सिंघई नेता, हिंदु हित रक्षक सुधांशु हुण्डैत, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि विवेक जैन जिमी, व्यापार मंडल से सुरेश बड़ेरा, शैलेन्द्र सिंघई, क्रांतिकारी पार्षद मनमोहन चौबे, पूर्व पार्षद पंकज मोदी, संघ के सक्रिय कार्यकर्ता भगत सिंह भाईसाहब, दयोदय गौशाला अध्यक्ष संतोष जैन, व्यापारी भामाशाह विनोद कामरा, ला. सन्मति सर्राफ, ला. रविंद्र जैन रब्बू, दिगम्बर जैन पंचायत अध्यक्ष डा.अक्षय टडैया, आकाश जैन, सनत जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुमित खजुरिया, प्रांतीय व्यापारी नेता मनीष सडैया, अजय सोनी, कमलेश सर्राफ, अजित जैन, डा. राजकुमार, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, अवध बिहारी उपाध्याय, लखन अग्रवाल, प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले, महामंत्री अमित सोनी, वरिष्ठ पत्रकार सुनील शर्मा, कृष्ण बिहारी उपाध्याय, विनीत चतुर्वेदी, जसपाल सिंह बंटी, कैलाश अग्रवाल, अजय जैन, अनूप सेन, अशोक तिवारी, शिब्बू राठौर, संजू श्रोती, अतिम पारौल, पूजा कश्यप, अमित लखेरा, देवेन्द्र साहू, कृष्ण कांत सोनी, आलोक चतुर्वेदी, प्रदीप रिछारिया, डा. प्रतीक जैन, कैलाश अग्रवाल, सुमत समैया, सुरेश अग्रवाल, मुकुल जैन, जयनारायण कटारे, अभिलाष रिछारिया, अनूप जैन कैरू, विजय उपाध्याय, सजल समैया, सजल सिंघई, संजीव जैन सीए सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्राकृतिक सुरम्य वातावरण में पुरातात्विक धरोहर भारतीय संस्कृति को दर्शाती हैं : फिरोज इकबाल

● पर्यटन मित्र ने दर्जनों ग्रामीण अंचलों में फैले प्राकृतिक सौंदर्य को यात्रा के जरिए उकेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद ललितपुर अपनी विविधता, संस्कृति, परम्परा और प्राकृतिक सौंदर्य के लिये प्रसिद्ध है। पर्यटन मित्र फिरोज इकबाल डायमण्ड बताते हैं कि जिले के अनेकों स्थान में देवगढ़, अमझरा घाटी, बार, बछरावनी, बालाबेहट, बन्दरगुढ़ा, बानपुर, बंट, चंडी माता मंदिर जलप्रपात, चांदपुर जहाजपुर, दशरारा, दूधई, गिरार, टेटा-जमालपुर, झूमरनाथ, करकरावल, लखन्जर, मदनपुर, माताटीला, नीलकंठेश्वर पाली, पांडवन, पवागिरि, राजघाट, रणछोरधाम, सदनशाह दरगाह, सिरोनकलां, सिरसी, सौंरई, मडावरा, बिजरौठा, डोंगराकलां, राखपंचमपुर, तालबेहट, बुदनी, उल्दनाकलाँ हैं, जहां पुरातात्विक धरोहरों के साथ ही संस्कृति और प्राकृतिक सुरम्य वातावरण की अनुभूति प्राप्त होती है। जब लोग इन पर्यटन स्थलों को देखने जाते हैं, तो सिर्फ तस्वीरें नहीं लेते, इतिहास को जिंदा रखते हैं। पर्यटन से हमारे क्षेत्रों की विशिष्टता और पहचान विश्व पटल पर स्थापित होती है। बुन्देलखण्ड को देखने की ललक में 2 लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा के बाद भी अनेको नये ज्ञात व अज्ञात स्थल आज भी अचरज में डाल देते हैं। ऐसे ही दुर्लभ नये और अनछुए स्थान की सैर पर ले चलते है जो अब तक लोगों की दृष्टि से ओझल रहा है। यह मेरी खोज पर्यटन दिवस को समर्पित है, जिसकी थीम भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा घोषित ग्रामीण और समुदाय केन्द्रित पर्यटन है। पर्यटन के यह नये स्थल जो ग्रामीण क्षेत्रों में है और पर्यटन रोजगार में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते है। ललितपुर से महरौनी होते हुये सौजना तिराहे से गौना- मड़ावरा मार्ग पर कुसमाड़ से आगे तिराहे से मिलन का खैरा गांव जो कुसमाड़ से 06 किमी. दूर स्थित है पहुंच कर इस अनोखे और अद्भुत स्थान को देख सकते है। गांव में खेतों की मेड़ो से होते हुये यहां पहुंचना बड़ा रोचक है। यहां एक के ऊपर एक पत्थर जिस बैलेंस के साथ रखे हैं वह आश्चर्यचकित और अचंभित करता है। दन्त कथाओं में स्थानीय लोगों का अपना अपना मत है। कोई कहता है कि महाभारत काल में भीम जब यहां से गुजर रहे थे तो रास्ते में बिखरे तीन विशालकाय चट्टानों को उठाकर एक के ऊपर रख दिया। कुछ लोग बताते है कि आल्हा ऊदल के समयकाल में इन चट्टानों को निगरानी चौकी हेतु एक के ऊपर एक रखकर निगरानी हेतु उपयोग में लिया गया। खैर वास्तविकता हो भी हो पर इन सैकड़ों कुंतल वजनी पथरीली चट्टानें जो बहुत ही संकीर्ण आधार कुछ वर्ग इंच पर

एक पर एक रखे गये है यहां मूल पत्थर हवा में लटका सा प्रतीत होता है और आश्चर्यचकित कर देता है। समीप ही एक बड़ी चट्टान पर भी एक पत्थर भी रखा है। ऐसे प्राकृतिक स्थल का शासन प्रशासन प्रचार प्रसार करें तो निश्चित ही जनपद ललितपुर पर्यटकों के लिये पर्यटन पड़ाव होगा। आज सैकड़ो हजारों वर्षो से ये बैलेंसिंग रॉक प्राकृतिक आपदाओं को का सामना बिना गिरे कर रही है। नजदीक ही पत्थरों के कई ढेर इसे श्रृंखला स्वरूप बनाते है। आसपास मौजूद खेतों में किसानी करने वाले यहां धूप से बचने के लिये यहां ठण्डी छांव में बैठ जाते हैं। ललितपुर के विशाल नदी तटीय क्षेत्र, सघन वन, वास्तुकला, ऐतिहासिक धरोहरों के गौरवशाली इतिहास को लोग अधिक से अधिक जानें और गौरवान्वित महसूस करें इसके लिये हमें अपने वैश्विक पटल तक बात डिजीटल मीडिया, प्रिन्ट मिडिया, मौखिक, रेडियो, इलैक्ट्रोनिक, सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचानी होगी।

कॉलेज जाने को निकली युवती का बाइक सवारों ने किया जबरन अपहरण

● भाई की तहरीर पर पुलिस ने महिला समेत तीन लोगों पर दर्ज की एफआईआर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्र में युवती को बाइक सवार बदमाशों ने जबरन अपहरण कर लिया। घटना की सूचना परिजनों ने कोतवाली में दर्ज करायी है। जानकारी देते हुए चौकी तेरई फाटक अंतर्गत पोस्ट सेरवास के ग्राम कलौथरा निवासी एक युवक ने पुलिस को बताया कि उसकी 20 वर्षीय बहन 5 जनवरी को सुबह करीब साढ़े दस बजे महर्षि स्थित एक कॉलेज में पढ़ने के लिए कहकर घर से निकली थी। लेकिन काफी देर तक उसका पता नहीं चलने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन की। खोजबीन करते हुए गांव के लोगों ने बताया कि दो मोटर साइकिलों पर तीन लोग सुबह आये थे, जो कि उसकी बहन को जबरन अपने साथ मोटर साइकिल पर बैठाकर ले गये। जब लोगों ने उन्हें रोका तो उक्त लोगों ने अपना नाम थाना जखौरा के ग्राम बांसी निवासी अजय पुत्र बद्री रजक, बद्री पुत्र हरदास रजक व एक महिला इंदौर निवासी प्रियंका पत्नी नीलेश रजक बताया। उक्त लोगों ने ग्रामीणों को रोके जाने पर गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। बताया कि अपहरणकर्ताओं ने अगले दिन सुबह 9 बजे उसे फोन किया और अपना नाम अजय बताते हुए शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने अपनी बहन के साथ अनहोनी घटना होने की संभावनाएं व्यक्त की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 87, 131 व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

गिरनार जी दर्शन को गये व्यक्ति के घर चोरी

क्राइम

ललितपुर। थाना मड़ावरा अंतर्गत ग्राम सौंरई निवासी सुनील कुमार जैन पुत्र स्व.हरप्रसाद ने पुलिस को अवगत कराया कि बीती 18 जनवरी को वह अपने पुत्र अनमोल जैन के साथ गिरनार जी (गुजरात) दर्शन करने गये थे। घर पर उसकी पत्नी सगुन जैन व छोटा पुत्र सुदर्शन जैन थे। 27 जनवरी को जब वह घर पहुंचा तो देखा कि अज्ञात चोरों ने उसके घर में रखे करीब 90 हजार रुपये, एक सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी पायल व अन्य सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भीड़ का फायदा उठा रहे ट्रेनों में सक्रिय बदमाश

» पंजाब मेल व दक्षिण एक्सप्रेस में चोरी की घटनाएं

» महामना में पत्नी को छोड़ने आये युवक का मोबाइल भी चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के एफ-72, बिशनपुरा सेक्टर 58 में रहने वाले विजय यादव पुत्र नंदलाल यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह पहली जनवरी को ट्रेन संख्या 12722 दक्षिण एक्सप्रेस में हजरत निजामुद्दीन से भोपाल की यात्रा कर रहा था। कोच संख्या एस-5 की बर्थ संख्या 23 पर था। आगरा स्टेशन के पहले वह सो गया था, जब उसकी नींद खुली तो उसने देखा कि उसका मोबाइल फोन मौके पर नहीं था, उसने जांच की तो पाया कि अज्ञात व्यक्ति उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। जीआरपी पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ में रहने वाले राकेश कुमार जैन पुत्र स्व.दीपचंद्र ने जीआरपी पुलिस को बताया वह 22 जनवरी को वह टीकमगढ़ रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म पर था, वह अपनी पत्नी को महामना एक्सप्रेस में छोड़ने के लिए आया हुआ था, तभी भीड़ का फायदा उठाकर कोई अज्ञात बदमाश उसका मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। जीआरपी पुलिस ने उसकी तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इधर उत्तर प्रदेश के पोस्ट तीहा मोहम्मदपुर ग्राम चौबोली में रहने वाली रुबी कुमारी पुत्री स्व.तुलसी प्रसाद ने जीआरपी पुलिस को बताया कि बीते 31 दिसंबर 2025 को ट्रेन संख्या 12138 पंजाब मेल एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रही थी। वह ऊपर की सीट पर अपना पिट्ठू बैग लेकर बैठी थी। बताया कि ललितपुर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी रुकी, तभी भीड़ का फायदा उठाकर कोई अज्ञात बदमाश उसका बैग चोरी कर ले गया। बैग में मोबाइल फोन, 600 रुपये नकदी, दिल्ली पुलिस का एडमिट कार्ड, 12 जोड सलवार, इस्तेमाली, जूती चार जोड़ी, बुक्स, मार्कशीट इत्यादि चोरी हो गया। महिला की तहरीर पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूचना दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

प्रदर्शनी में पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली की एसडीएम से की शिकायत

कोंच(जालौन)- नगर के एसआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में लगाई गई प्रदर्शनी में वाहन पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली करने और मुख्य रास्ते की सड़क अवरुद्ध करने की एसडीएम से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई है। नगर के अजय कुमार, कुलदीप कुशवाहा, देव यादव, सौरभ, राहुल कुशवाहा, आर्यन याज्ञिक, विकास कुशवाहा, मनोज कुमार आदि ने बुधवार को एसडीएम ज्योति सिंह को शिकायती पत्र देकर बताया कि प्रदर्शनी में आने जाने वाले वाहन स्वामियों से पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। अवैध वसूली काम में लगे संबंधित लोग आम रास्ते की सड़क को जबरन अवरुद्ध किए हुए हैं और बांस का लट्ठा डाले हुए हैं। अगर कोई विरोध करता है तो संबंधित लोग माली गलौज पर भी आमादा हो जाते हैं। शिकायतकर्ताओं ने मामले में एसडीएम से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

वरिष्ठ पत्रकार कुन्दन पाल की माताजी के निधन पर प्रेस क्लब दी श्रद्धांजलि

● आवास पर पहुंचकर प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने सौंपा शोक पत्र

ललितपुर। प्रेस क्लब के सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार एवं पार्षद कुन्दन पाल की पूज्यनीय माता जी के निधन पर प्रेस क्लब ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बुधवार को अमर शहीद पं. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित हुई। जहां उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। तत्पश्चात सभी पत्रकारगण उनके आवास पर पहुंचे, जहां पत्रकार कुन्दन पाल एवं उनके परिवारजनों को शोक पत्र सौंपते हुए ढांढस बंधाया। इस दौरान प्रेस क्लब के संरक्षक पवन संज्ञा, मंजीत सिंह सलूजा, कार्यालय प्रभारी अजित जैन भारती, उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, महामंत्री अमित सोनी, कोषाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह पाली, राहुल चौबे, अभय श्रीमाली, बृजेश पंथ, हरीशंकर अहिरवार, अजय तोमर, शिब्बू राठौर, संजू श्रोती, बलराम पचौरी, अशोक तिवारी, अनूप सेन, सुनील जैन,

शुभम् पस्तोर, सुमित रैकवार, अमित संज्ञा, निहाल सेन पटना, आशीष तिवारी, राहुल साहू खिरिया, कृष्णकांत सोनी, प्रदीप रिछारिया सहित अनेक प्रेस क्लब सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

घाटमपुर में बाइक की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

घाटमपुर। घाटमपुर के जहानाबाद रोड पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार और एक पैदल यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए,यह घटना एक ढाबे के पास हुई, जहां एक बाइक ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी, दोनों घायलों को सीएचसी घाटमपुर से कानपुर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया है, घायलों की पहचान खैराबाद गांव निवासी 50 वर्षीय राजेश पुत्र गंगा राम,और घाटमपुर के गांधीनगर मोहल्ला निवासी 17 वर्षीय शुभ पुत्र सत्य प्रकाश के रूप में हुई है, जानकारी के अनुसार राजेश ढाबे के पास चाय पीने के लिए सड़क पार कर रहे थे,इसी दौरान शुभ की बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, सीएचसी के डाक्टरों ने दोनों को गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया।

फजलगंज में आठ साल की बेटी से किया रेप

कानपुर। कानपुर नगर कानपुर अंतर्गत फजलगंज थाना क्षेत्र में रिश्तों को कलंकित करने वाला मामला सामने आया है, एक महिला ने अपने पति पर आठ साल की बेटी से रेप करने का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है,, पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा, पीड़िता के अनुसार उसके पति मजदूरी करतें हैं, और शराब के लती है,उनकी आठ साल की बेटी और तीन साल का बेटा है, बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए वह भी घरों में काम करतीं हैं, आरोप है कि दिन के वक्त जब वह काम पर जाती थी, तो अवसर पाकर उसका पति नशे की हालत में घर आकर बेटी से अश्लील हरकत करता था, बीतें कुछ दिनों से बेटी गुमसुम रहने लगीं,जिस पर उन्होंने बेटी से पूछा तो उसने आपबीती बताई, जिसके बाद महिला ने अपने पति के खिलाफ फजलगंज थाने में मामले की शिकायत की, फजलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही थी, इस बीच सुबह आरोपी पत्नी को धमकाने पहुंचा,जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जिला उद्योग बन्धु, एक जनपद एक उत्पाद व व्यापार बन्धु की बैठक 29 जनवरी को

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी व उपायुक्त राज्य कर ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु समिति तथा एक जनपद एक उत्पाद जिला स्तरीय समिति व व्यापार बन्धु की बैठक आज जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में अपरान्ह 3 बजे आयोजित की जायेगी।

बार काउंसिल कानपुर के चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

कानपुर। दिनांक 28.01.2026 को बार काउंसिल चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा मतदान स्थल एवं उसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, सहायक पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतदान स्थल का भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा बलों की तैनाती तथा संवेदनशील स्थलों का गहन अवलोकन किया गया। इस अवसर पर ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण सतर्कता, निष्पक्षता एवं अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने हेतु प्रभावी एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

सीएम ने सिद्धार्थनगर को 1052 करोड़ की 229 परियोजनाओं की सौगात दी

● सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए- मुख्यमंत्री

सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 का हुआ आगाज

सिद्धार्थनगर, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा फीता काटकर एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 का उद्घाटन किया गया।

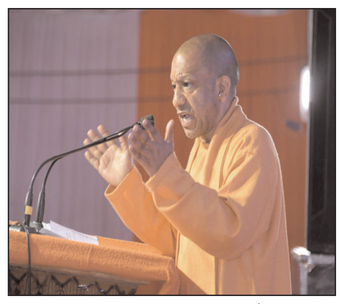

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने मैत्री का सन्देश देने वाले महात्मा गौतम बुद्ध की पावन धरा को नमन करते हुए जनपदवासियों एवं जनप्रतिनिधियों को बधाई दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की आकस्मिक मृत्यु पर उनको श्रद्धांजलि दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनपद राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर सिद्धार्थनगर बना। कपिलवस्तु उनकी राजधानी थी। सत्य व ज्ञान की खोज में गया जाकर साध्सनस की। ज्ञान प्राप्त होने के बाद पहला उपदेश सारनाथ में दिया। बुद्धं शरणमं गच्छामि का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्ति शत्रुओं के हाथ में आयेगा तो विनाश होगा और देवताओं के हाथ में आयेगा तो उत्थान होगा। यही कार्य डबल इंजन की सरकार में हो रहा है। 1052 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात आज जनपदवासियों को प्राप्त हो रही है। यहां का अन्नदाता किसानो को फसलों के लिए पानी की आवश्यकता होती है। आज बारिश भी अन्नददाता किसानों के लिए अमृत के समान है। बिना किसी भेदभाव के 25 करोड़ की जनता को परिवार मानकर उनके विकास के लिए बजट उपलब्ध कराया जाता है। मानव जीवन मिला है, एक दूसरे के साथ मिलकर रहे तथा एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जनपद के लोगो के इलाज के लिए मेडिकल कालेज का निर्माण कराया गया। नर्सिंग कालेज का संचालन हो रहा है। मेडिकल छात्रावास व आडीटोरियम निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया है। हर पात्र गरीब व्यक्ति को आवास, राशन, आयुष्मान कार्ड, का लाभ मिल रहा है। मनरेगा में पहले 100 दिन का रोजगार की गारन्टी थी अब 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। रोजगार नही मिलने पर मुआवजा उपलब्ध कराया जायेगा। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मछली उत्पादन को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। महोत्सव के आयोजन से पहले स्थानीय कलाकारों की प्रतिस्पर्धा, ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खण्ड एवं तहसील स्तर पर आयोजित हो। अच्छे कलाकारों को जनपद स्तर पर प्रतिभाग कराकर उनको सम्मानित किया जाये। सड़क पुल, सिंचाई, मेडिकल छात्रावास व अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। निरन्तर सभी योजनाओ का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। किसानों द्वारा दो फसल के बाद तीसरे फसल का उत्पादन किया जा रहा है। उपद्रव से उत्सव की ओर यह प्रदेश अग्रसारित है। मुख्यमंत्री द्वारा 1052 करोड़ के लागत की 229 परियोजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रमसेवायोजन एवं समन्वय विभाग उ0प्र0 सरकार/जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद जगदम्बिका पाल, नेता प्रतिपक्ष/ विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक श्यामधनी राही, विधायक सैय्यदा खातून, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष जिला पंचायत शीतल सिंह, पूर्व विधायक डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, आदि उपस्थित रहे।

आयुष चिकित्साधिकारी व फार्मासिस्ट अपने कार्यस्थल पर समय से रहें उपस्थित- सीडीओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। आयुष विभाग से सम्बन्धित चिकित्साधिकारी अधिकतर अपने कार्यस्थल से नदारद ही रहते हैं और डिजिटल इंडिया के जरिए घर बैठे वेतन भोग करते हैं। कई चिकित्साधिकारी महज सप्ताह मे एक दिन ही दर्शन देते हैं और बाकी दिनों में उनकी जगह पर वार्ड ब्वॉय आदि डॉक्टर बन मरीजों को दवा व इलाज करते हैं इसी खामी को रोकने के लिए सीडीओ डॉ दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में आयुष विभाग के समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक कर संचालित योजनाओं सेवाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश करना रहा।बैठक मे आयुर्वेद यूनानी योग होमियोपैथी चिकित्सा पद्धतियों के अंतर्गत संचालित चिकित्सालयों की वर्तमान स्थिति,उपलब्ध संसाधनों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा विभागीय कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई।सीडीओ ने निर्देशित किया कि जिन आयुष चिकित्सालयों मे भवन जर्जर अवस्था में है अथवा शौचालय विद्युत व्यवस्था आदि मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं विद्यमान है।उन सभी समस्याओं का विवरण तत्काल उपलब्ध कराते हुए सीडीओ के माध्यम से शीघ्र निवारण की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए।भूमि संबंधी समस्याओं की सूचना तत्काल प्रस्तुत की जाए, ताकि आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आयुर्वेदिक यूनानी होमियोपैथी सहित समस्त चिकित्साधिकारी व फार्मासिस्ट इंचार्ज अपने अपने कार्यस्थलों पर निर्धारित समय से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें तथा विभागीय अनुशासन का पूर्णतया पालन करें। बैठक मे क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ सुमन कुशवाहा, जिला होमियोपैथी चिकित्साधिकारी डॉ ममता सचान व समस्त चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

एकता सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन

● 20 मुस्लिम 6 हिंदू जोड़ो का अपनी अपनी रीति रिवाज के अनुसार विवाह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सद्भावना का संदेश देने के लिए संगठन द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन बताते चले की बहुत ही गर्व की बात है कि पश्चिम बंगाल जमीअतुर राईन, अपने अध्यक्ष और पूर्व विधायक सोहराब राईन के नेतृत्व में, 26 जनवरी 2026 को एक भव्य सामूहिक विवाह (इज्तिमाई शादी) कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस सामूहिक विवाह समारोह में खास बात यह रही की जहां पश्चिम बंगाल जमीअतुर राईन ने हिंदू मुस्लिम दोनों समुदाय के लोगों के विवाह का कार्यक्रम किया इस अनूठे और ऐतिहासिक कार्यक्रम में, 20 मुस्लिम जोड़ों का इस्लामी शरिया के अनुसार निकाह किया गया, साथ ही साथ 6 हिंदू जोड़ो का पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया। पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल आपसी सम्मान, भाईचारे और भारत की सद्भावना गंगा-जमुनी सांस्कृतिक सद्भाव का एक सशक्त प्रतीक है। ज्ञात हो की इस आयोजन से सद्भावना का संदेश देते हुए पूरे भारत देश का ध्यान आकर्षित होने की उम्मीद है, जो सामाजिक एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और मानवता का एक सशक्त संदेश देगा। पश्चिम बंगाल में हुए इस भव्य आयोजन में शिरकत करने के लिए कानपुर एवं लखनऊ से पदाधिकारी ने पश्चिम बंगाल पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अहम रोल अदा किया और उम्मीद जताई कि इस ऐतिहासिक कदम से सद्भावना का पैगाम जन जन तक पहुंचेगी।

इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया जमीअतुर राईन के वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से ऑल इंडिया जमीअतुर राईन के अध्यक्ष श्री शमशाद आलम राईनी, ऑल इंडिया जमीअतुर राईन के कोषाध्यक्ष मो मोईन राईनी, गुफरान शाहीन, डॉ.अमानुल्लाह उर्फ बाबर राईन, उमर फारूक राईन, अमीरुल हक राईन, डॉ. फरमान राईन, नक्की इमाम राईन, बिहार की टीम,अबू शमा राईन आईआरएस, जीएसटी कमिश्नर छत्तीसगढ़, सलाम बागबान पुणे महाराष्ट्र,अब्दुर रहमान राईन गुजरात के अध्यक्ष जमीयतुर राईन अपनी टीम के साथ, मो. बिलाल जनरल सचिव कानूनी सलाहकार मोहम्मद तबरेज़ इकबाल राईनी,उत्तर प्रदेश जमीअतुर राईन के अध्यक्ष मोहम्मद वसीम राईनी, उत्तर प्रदेश जमीअतुर राईन के महासचिव मोहम्मद हसीन राईनी, उत्तर प्रदेश जमीअतुर राईन के सरपरस्त कमरुलज़मा राईनी, पश्चिम बंगाल जमीअतुर राईन के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मोहम्मद सोहराब राईनी पश्चिम बंगाल जमीअतुर राईन के महासचिव मोहम्मद बिलाल का मानना है कि इस तरह की पहल सामाजिक बंधनों को मजबूत करती है और सभी समुदायों के लोगों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देती है।

राष्ट्र सेविका समिति, कानपुर विभाग द्वारा बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर, कानपुर से एक भव्य पथ संचलन का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज राष्ट्र सेविका समिति, कानपुर विभाग द्वारा बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर, कानपुर से एक भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से दो सत्रों में सम्पन्न हुआ, जिसमें सेविकाओं की अनुशासित उपस्थिति एवं आयोजन का गरिमामय प्रदर्शन विशेष रूप से दर्शनीय रहा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में एक सारगर्भित बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की मुख्य अतिथि सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मयूरी सिंह जी रहीं। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ तथा सामाजिक चेतना को जाग्रत करते हुए समाज को एक नई दिशा प्रदान करें। उन्होंने महिला शक्ति की भूमिका को समाज निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह-संपर्क प्रमुख माननीया के. सीता अक्का जी रहीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने राष्ट्र सेविका समिति की 90 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसके मूल उद्देश्य, वैचारिक आधार तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय जीवन में उसके निरंतर योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने सेविका जीवन की अनुशासनात्मक एवं सेवा-प्रधान भावना को रेखांकित करते हुए राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को स्पष्ट किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित पथ संचलन का मुख्य उद्देश्य समाज में देशभक्ति, अनुशासन एवं सेवा-भाव को जागृत करना था। राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं ने अनुशासित पंक्तिबद्धता एवं समर्पण भाव के साथ पथ संचलन में सहभागिता करते हुए समाज को एकजुटता, संगठन और राष्ट्रनिष्ठा का प्रेरक संदेश दिया। इस अवसर पर क्षेत्र प्रचारिका आदरणीया शशी जी की विशेष उपस्थिति रही, जिनकी गरिमामयी सहभागिता से कार्यक्रम की शोभा और अधिक बढ़ी।

इस पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन कानपुर विभाग की संपर्क प्रमुख डॉ. पूनम द्विवेदी जी एवं बौद्धिक प्रमुख मधु अवस्थी जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। साथ ही जिले की बहनों ज्योति जी (भाग कार्यवाहिका), सरिता जी, अलका जी, अर्चना जी, विभा जी तथा कल्पना जी (जिला कार्यवाहिका) का सराहनीय एवं सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रांत की व्यवस्था प्रमुख जूही मांगलिक जी एवं सेवा प्रमुख नीतू कटियार जी का विशेष योगदान रहा। इसके अतिरिक्त बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर द्वारा प्रदान किए गए सहयोग ने आयोजन को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

● सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन करायें- ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में अधिशासी अभियन्ता ओपी चौरसिया द्वारा पिछली बैठक के अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई। इस दौरान एआरटीओ ने जानकारी दी कि 01 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर ग्राम पंचायतों की बैठकें आयोजित कर ग्रामवासियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए तथा जागरूकता संबंधी पम्पलेट वितरित किए जाएं। साथ ही गुड्स सेमेरिटन (नेक आदमी) योजना के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया। बताया गया कि जनपद में कुल 08 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए है, जिनमें से कुछ पर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है जबकि शेष पर कार्यवाही प्रगति पर है। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने अवशेष ब्लैक स्पॉट्स पर शीघ्र आवश्यक सुधारात्मक कार्य करने के निर्देश दिये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में संचालित वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र सभी प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों से अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाए। ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने हेतु सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। तेज रफ्तार, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट एवं ओवरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रान्तीय खण्ड के अधिशासी अभियन्ता ओ.पी. चौरसिया, एआरटीओ दिलीप गुप्ता, ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

परिजनों की नाराजगी दरकिनार कर प्रेमी युगल ने मंदिर में लिए सात फेरे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– परिजनों की नाराजगी को दरकिनार करते हुए प्रेमी युगल ने मंदिर में लिए सात फेरे लिए और जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाई। एक प्रेमी युगल ने यह साबित कर दिया कि जब रिश्ता सच्चा हो और फैसला सोच-समझकर लिया गया हो, तो कोई दबाव उसे रोक नहीं सकता। कोंच तहसील और कैलिया थाना क्षेत्र में सामने आए इस मामले में प्रेमी युगल ने पहले कोंच तहसील पहुंचकर विधिवत इकरारनामा भरवाया और फिर मंदिर में जाकर विधि-विधान से विवाह कर हमेशा के लिए एक-दूजे का हाथ थाम लिया। प्रेमिका रोशनी कुशवाहा और प्रेमी आकाश कुशवाहा, दोनों एक ही जाति से होने के बावजूद परिजनों की सहमति न मिलने के कारण लंबे समय से संघर्ष कर रहे थे। किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए दोनों ने कानूनी रास्ता अपनाया और साफ किया कि वे बालिग हैं और अपनी मर्जी से पति-पत्नी के रूप में जीवन बिताना चाहते हैं। मंगलवार देर शाम पहाड़गांव स्थित माता मंदिर में सादगी के साथ हुए इस विवाह में डर नहीं बल्कि सुकून और आत्मविश्वास नजर आया।

सिद्धार्थनगर में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

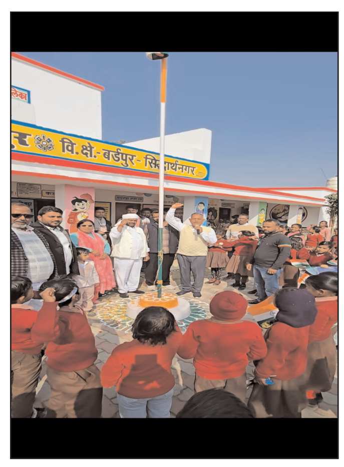

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने की। इस अवसर पर कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसके उपरांत राष्ट्रगान तथा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का भावपूर्ण सामूहिक गायन संपन्न हुआ। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को केंद्र में रखकर निरंतर प्रगतिशील है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में शोध और नवाचार के माध्यम से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में वैज्ञानिक सोच का विकास काफी हद तक परिसर के शैक्षिक वातावरण पर निर्भर करता है। इस दृष्टि से हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है कि विश्वविद्यालय परिसर में सशक्त शैक्षिक वातावरण विकसित कर इस क्षेत्र के बहुआयामी विकास, विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में, अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है। न केवल नए शिक्षण संस्थानों का सृजन हो रहा है, बल्कि गुणवत्ता, शोध और नवाचार की दिशा में अनेक अभिनव प्रयोग भी किए जा रहे हैं, जो प्रदेश एवं देश की उच्च शिक्षा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत हैं।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने एनसीसी कैडेट्स की परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की आधिकारिक पत्रिका 'कैंपस कनेक्ट' का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार, विभिन्न संकायों के आचार्यगण, शिक्षक, 8अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। संपूर्ण आयोजन राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और शैक्षिक चेतना से ओत-प्रोत रहा। उसका बाजार। क्षेत्र के शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। कस्बा के स्व मथुरा प्रसाद पाण्डेय किसान इंटर कालेज पर प्रबंधक उमेश चंद पाण्डेय, ज्ञानोदय इंटर कालेज पर प्रबंधक फूल चंद यादव, एस एन पब्लिक स्कूल बकैनिहा पर प्रबंधक टीपी शुक्ला, श्री कृष्णा द स्कूल उसका राजा पर प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, सेंट जोसेफ स्कूल महुआ पर प्रबंधक प्रियंका अग्रवाल, सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल पर प्रबंध दिलीप जायसवाल, केसरी सिंह विद्या मंदिर पर प्रबंधक रणजीत सिंह, सोनमती कन्या इंटर कालेज पर प्रबंधक नरसिंह पाण्डेय ने ध्वजारोहण किया है। शिक्षण संस्थाओं को ध्वजारोहण के बाद विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए और बच्चो ने मिष्ठान वितरण किया गया।

गोल्हौरा, सॉफ्टदेव कोचिंग संस्थान में गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुआ, इस दौरान जनता इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुनील कुमार रंजन, हित लाल यादव, हिमांशु त्रिपाठी , श्याम सुंदर ,दुर्गेश यादव रोहित चौधरी, शिवम यादव एवं (सॉफ्टदेव) संस्थान के निदेशक संदीप यादव आदि भाग लिया, इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण और कविता पाठ प्रस्तुत किए गए। निदेशक ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी के साथ लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी, सोहना -त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में सोमवार को गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं निजी प्रतिष्ठानों में ध्वजारोहण किया गया।

त्रिलोकपुर थाना परिसर में थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय ने ध्वजारोहण किया। वहीं छेदीलाल इंटर कॉलेज बिस्कोहर में प्रधानाचार्य दीप नारायण सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी क्रम में स्व. छोटकन यादव मेमोरियल स्कूल पोखरभिटवा में प्रधान चौधरी प्रसाद यादव एवं प्रधानाचार्य रामफेर यादव, प्राथमिक विद्यालय चोरथरी में जितेंद्र सिंह यादव, प्राथमिक विद्यालय बड़ाहरा बिशनपुर कंपोजिट में बब्बन यादव, प्राथमिक विद्यालय लोहरौला में महेंद्र चौधरी, प्राथमिक विद्यालय पटखौली माफी में अनिल कुमार गौड़, रामप्यारे लाल मेमोरियल स्कूल धुन्धरा में गिरीश कुमार श्रीवास्तव, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बुढऊ में रमेश त्रिपाठी, आदर्श शिक्षण संस्थान नावडीह में बीरबहादुर यादव, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पटखौली माफी में इंद्रजीत, प्राथमिक विद्यालय खखरांव में विवेक कुमार यादव तथा प्राथमिक विद्यालय पिपरा में सतीश कुमार भारती ने ध्वजारोहण किया।क्षेत्र के विभिन्न गांवों के पंचायत भवनों और विद्यालयों में राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुए।

बर्डपुर के आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या राजकुमारी पाण्डेय ने ध्वजारोहण किया तत्पश्चात वहाँ देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रम भी हुए। इस दौरान गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में बताते हुए अमर सपूतों, स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध शहीदों के बलिदान को याद दिलाया । स्कूली बच्चों की देशभक्ति गीतों पर दी गई प्रस्तुति एवं भारत माता की जय के जयघोष से माहौल देशभक्ति मय हो उठा। वहीं कार्यक्रम में मुख्य स्थिति सदर विधायक श्यामधनी राही ने भी सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए प्रधानाचार्या राजकुमारी पाण्डेय की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले स्कूली बच्चों को मेडल,सर्टिफिकेट एवं उपहार देकर पुरस्कृत किया । इस अवसर पर विद्यालय के संचालक नितेश पाण्डेय, भाजपा नेता सत्य प्रकाश राही, सांसद प्रतिनिधि रिंकू पाल, मण्डल अध्यक्ष अमित उपाध्याय, जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी, शोभनाथ यादव, उमेश यादव, संतोष यादव, संदीप राव, रुचि उपाध्याय, श्वेता पटवा, बिंदु विश्वकर्मा, सरिता जायसवाल, अन्नू जायसवाल रूपा चौधरी रीता जायसवाल प्रेमलता पासवान विनय कुमार वर्मा राकेश मिश्रा,हर्ष श्रीवास्तव, अजय कुमार,चंद्रावती देवी आदि मौजूद रहे।

उधर बर्डपुर ब्लाक के कंपोजिट जूनियर हाई स्कूल काशीपुर में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों द्वारा प्रातःकाल में हाथों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकाली गई, कई गांव का भ्रमण करने के पश्चात विद्यालय में वापस आकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ, बच्चों द्वारा संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे, कार्यक्रम में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले छात्राओं को पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद सईद, पिंटू पाकीजा, प्रधानाध्यापक अब्दुल अजीज, सहायक अध्यापक समसुल हक, नागेश्वर प्रसाद,अनुदेशक विजयलक्ष्मी, रितु मलिक, उर्मिला देवी, सुनीता, वंदना चौधरी, सुशीला, मनवाती आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तानी जासूसी रैकेट का भंडाफोड़, एनआईए अदालत ने मास्टरमाइंड को सुनाई 5 साल की सजा

विशेष एनआईए अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान के नेतृत्व वाले जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि आरोपी अल्ताफहुसेन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया था, जिसमें अभियोजन पक्ष द्वारा 37 गवाहों से पूछताछ की गई थी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने मंगलवार को आरोपी को सिम कार्ड, वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। तदनुसार, घनचीभाई को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 18 (षड्यंत्र आदि के लिए सजा) के तहत पांच साल छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66सी (पहचान की चोरी के लिए सजा) के तहत दो साल छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

कोलकाता के गोदाम में लगी आग में 16 लोगों की मौत, 13 लापता, बचाव अभियान जारी

कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक गोदाम में लगी आग से कम से कम 16 जले हुए शव बरामद किए गए हैं। अधिकारी अभी भी लापता कम से कम 13 लोगों की तलाश जारी रखे हुए हैं। इस आपदा के बाद आपातकालीन सेवाओं द्वारा बड़े पैमाने पर राहत कार्य शुरू किया गया है। अधिकारियों ने शवों की पहचान करने और त्रासदी से प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के प्रयासों की पुष्टि की है। तड़के गोदाम में आग लग गई, जो वहां बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री रखे होने के कारण तेजी से फैल गई। दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पुलिस जिले के पुलिस सूत्रों के अनुसार, इमारत के अंदर अभी भी जली हुई हड्डियों के टुकड़े मौजूद हैं, जो तबाही की भयावहता को दर्शाते हैं।

GC के नए रेगुलेशन के भविष्य पर कल होगा फैसला, CJI सूर्यकांत की बेंच करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। GC के नए नियमों को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन जारी है। कई लोग GC के नए नियमों को सवर्णों के खिलाफ बता रहे हैं और इसे लेकर अब राजनीति भी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश में तो इन नए नियमों को लेकर एक अधिकारी ने अपने पद से इस्तीफा तक दे दिया। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है और यूजीसी के नए रेगुलेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

कल होगी सुनवाई

GC के नए रेगुलेशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी गई है। बुधवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने सुनवाई के लिए हामी भर दी थी। अब इस मामले की सुनवाई CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की बेंच करेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने एक वकील की दलीलों पर गौर किया, जिन्होंने याचिका पर तात्कालिक सुनवाई की मांग की। वकील ने कहा, 'इन नियमों से सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव की आशंका है।' मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हमें पता है कि क्या चल रहा है। सुनिश्चित करें कि कमियां दूर हो जाएं। हम इसे सूचीबद्ध करेंगे।' 13 जनवरी को अधिसूचित नए नियमों में सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को 'समानता समितियों' का गठन करने का निर्देश दिया गया है, जो भेदभाव की शिकायतों की जांच करेंगी और समानता को बढ़ावा देंगी।

यूजीसी एक्ट संशोधनों के खिलाफ उतरी अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद

● **राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- यूजीसी एक्ट में प्रस्तावित एवं लागू किए जा रहे संशोधनों के विरोध में अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के पदाधिकारी बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और संपूर्ण अनारक्षित सामान्य वर्ग की ओर से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था संविधान द्वारा प्रदत्त समान अवसर, योग्यता और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है, लेकिन यूजीसी एक्ट में हालिया बदलावों के कारण यह व्यवस्था गंभीर संकट की ओर बढ़ रही है। परिषद का कहना है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना रहा है, जबकि वर्तमान संशोधनों से शिक्षा संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। साथ ही अनारक्षित सामान्य वर्ग के छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के अधिकारों का हनन हो रहा है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि यूजीसी के मौजूदा स्वरूप में योग्यता आधारित चयन प्रणाली को कमजोर किया जा रहा है, जिससे अनारक्षित सामान्य वर्ग के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर लगातार सीमित होते जा रहे हैं। परिषद ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 की मूल भावना के विपरीत बताया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सामान्य वर्ग ने शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, रक्षा और संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसके बावजूद आज यह वर्ग स्वयं को उपेक्षित और असुरक्षित महसूस कर रहा है। परिषद ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इसका असर

सामाजिक संतुलन और राष्ट्रीय एकता पर पड़ सकता है। परिषद ने राष्ट्रपति से यूजीसी एक्ट से जुड़े विवादित एवं जनविरोधी प्रावधानों की निष्पक्ष समीक्षा कराने, अनारक्षित सामान्य वर्ग के साथ हो रहे संवैधानिक अन्याय को समाप्त करने तथा उच्च शिक्षा में योग्यता, गुणवत्ता और समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की। इस मौके पर राकेश त्रिपाठी, दीपा तिवारी , सुनील शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, अमित तिवारी, प्रशांत शुक्ला, ऋषभ दीक्षित, जिला महामंत्री आलोक अवस्थी और नरेंद्र कुमार बाजपेई सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

चार स्थानों पर होंगे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह

देवरिया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपद में चार स्थानों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि 2 फरवरी को ओम मैरेज हॉल तरकुलवा में विवाह समारोह संपन्न होगा। 4 फरवरी को प्रिंस पैलेस कोटवा चौराहा देवरिया, 6 फरवरी को उत्सव लॉन सलेमपुर तथा 10 फरवरी को केन्द्रीय विद्यालय आईटीआई परिसर देवरिया में अलग-अलग विकास खंडों के लाभार्थियों का विवाह कराया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर अधिकतम 100 जोड़े शामिल होंगे। योजना के अंतर्गत प्रति जोड़े पर एक लाख रुपये व्यय किए जाएंगे, जिसमें 60 हजार रुपये कन्या के खाते में डीबीटी से भेजे जाएंगे। पात्र आवेदकों से समय से ऑनलाइन आवेदन की अपील की गई है।

युवा पखवाड़ा समापन के अवसर पर युवाओं को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- राठ कस्बा में बुधवार के दिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा स्वामी विवेकानंद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित युवा पखवाड़ा के समापन के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनीष राय, प्रांत संगठन मंत्री (कानपुर प्रांत) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सत्यनारायण परिहार उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमित बिसेन ने युवाओं को संबोधित किया। समारोह की स्वागत समिति के अध्यक्ष मनीष गौतम रहे। कार्यक्रम प्रमुख रमाकांत विश्वकर्मा तथा कार्यक्रम संयोजक जतिन मिश्रा के नेतृत्व में आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। विवेकानंद सम्मान समारोह के दौरान शिक्षा, समाज एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 500 से अधिक छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा। समारोह का समापन प्रेरणादायी वातावरण एवं उत्साह के साथ हुआ।

नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले अभियुक्त को आठ माह का कारावास

हमीरपुर :- राठ कोतवाती में दर्ज धारा-20/22 एनडीपीएस एक्ट के अभियुक्त कल्लू राजपूत पुत्र प्रेमचन्द निवासी ग्राम औंता को न्यायालय द्वारा आठ माह के कारावास की सजा सुनाई गई।अभियुक्त के खिलाफ थाना राठ में बीते 26 अक्टूबर 2016 में अभियोग पंजीकृत किया गया था।बुधवार के दिन न्यायालय गैंगस्टर एक्ट द्वारा अभियुक्त कल्लू राजपूत को दोषी मानते हुए आठ माह के कारावास व पांच हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। बता दें कि अभियुक्त के कब्जे से 20 ग्राम हेरोइन नाजायज पुलिस ने बरामद की गई थी।

जो विकास कार्य 11 वर्षों से बाधित रहा उस कार्य को युवा विधायक प्रवेश रतन ने कर दिखाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। पटेल नगर में बारिश बना विकास कार्य में बाधा आसमाजिक तत्व फैला रहे थे अफुआ वर्षो पुरानी सीवर की समस्या से जुझता हुआ एरिया प्रेम नगर गली नंबर 21 में नई सीवर लाइन का कार्य GRAP y के कारण शुरू नहीं हो पाया था। अब GRAPy हट चुका है और क्षेत्र विकास कार्य शुरू कर दिया गया लेकिन लगातार बारिश दखल के कारण फिलहाल कार्य में रुकावट आई है। कुछ तथाकथित लोग भ्रमणशील वीडियो बनाकर यह झूठ फैला रहे थे कि उद्घाटन के बाद काम छोड़ दिया गया, जो कि पूरी तरह गलत और जनता को भड़काने वाला प्रयास था।यह सरकारी कार्य है, नियमों के तहत किया जा रहा है। मौसम ठीक होते ही काम पूरी गति से शुरू हुआ है अफवाह फ़ैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

विधायक प्रवेश रतन ने जनता से अपील कि इस तरह के भ्रम में न आएं और सहयोग बनाए रखें।इस प्रकरण में क्षेत्रीय विधायक प्रवेश रत्न से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कुछ आ समाजिक तत्वों द्वारा पब्लिक को भड़काया जा रहा था। लेकिन आ सफल रहे। साथ में यह भी कहा कि पूर्व में मंत्री रहे राजकुमार आनंद के कार्यकाल में जो कार्य पिछले 11 वर्षों से बाधित था वह कार्य अब पूरा होगा।

हिंदू सम्मेलन में लिया एकजुटता का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- कुरारा की मंडी समिति के पास विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गजेंद्र सिंह क्षेत्रीय संगठन मंत्री विश्व हिंदू परिषद मौजूद रहे। तथा अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य बटेश्वरदयाल दोहरे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर हुआ। मुख्य अतिथि गजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया के पचास विश्वविद्यालय में ग्लोबल मेंटल के तहत हिंदुओं को बांटने के लिए कार्य किया जा रहा है। महापुरुषों के खिलाफ गलत टिप्पणी करना। इटावा की घटना यह सब विरोधी लोगों द्वारा ही किया जा रहा है। लोगो को जाति, धर्म, गोत्र के आधार पर बांट देने का कार्य किया जा रहा है। हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक निवास करने वाले सभी लोग हिंदू है। यह हिंदुओं का देश है। इसके धर्म संस्कृति की रक्षा करना है। साढ़े तीन करोड़ बांग्लादेशी

घुसपैठिए भारत में है। 1857 की क्रांति के पूर्व इस देश का क्षेत्रफल 83 लाख वर्ग किलोमीटर में था। इसके बाद यह आजादी मिलने तक 33 लाख वर्ग किलोमीटर में रह गया है।देश में धर्मांतरण, लवजेहाद का खेल चल रहा है इसके लिए सतर्क व जागरूक रहने की जरूरत है।समाज में सामाजिक समरसता बनाए रखे। तथा एक दूसरे से संबंध बनाए रखे। तथा महापुरुषों की जयंती सभी की मनाए। तथा स्वदेशी का उपयोग करना होगा। इस देश में प्राचीन समय से कुटुंब व्यवस्था रही है। इसको विघटन की कोशिश की जा रही है।इसके लिए प्रसारित होने वाले सीरियल भी गहरी भूमिका निभा रहे हैं। आज युवा पीढ़ी को शिवाजी व जीजाबाई की शिक्षा की जरूरत है।तथा नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करने का आव्हान किया। तथा जल संचयन व जन्म दिन पर वृक्ष रोपण करने का आवाहन किया। पर्यावरण को बचाने की जिम्मेदारी सभी देश वासियों की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्रधानाचार्य बटेश्वर दयाल दोहरे ने समाज में प्रेम से रहने का संदेश दिया। तथा लोगों के आपसी तालमेल बने रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम मेपधारे साधु संतो को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक खंड कार्यवाह विवेक पालीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गोपाल दास पालीवाल, ब्लाक प्रमुख आशीष पालीवाल, चेयरमैन आशारानी कबीर, रामविलास श्रीवास, ब्रह्म कुमारी बहने, अमित सिंह राजावत, गणेश तिवारी, आकाश दीप पालीवाल, प्रधान चंद्रेश सिंह गौर, तथा संचालन सुशील सोनी ने किया।

क्षेत्र के विकास के लिए समाज सेवक एस के चौबे ने लगाई दिल्ली उच्च न्यायालय से गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कौन कहता है कि आसमान में सुराख नहीं हो सकता पहले एक तो दिल से उछाल कर देखना होगा।एक तरफ जहां जनता का विश्वास आज के नेताओं पर से उठता जा रहा है वही जनहित में काम कर रहे समाज सेवक से जनता का करीबीपन बढ़ता जा रहा है। मै बात करूं तो विधान सभा पटेल नगर में विगत 20 वर्षो से समाजहित में काम करने वाले समाज सेवक एस के चौबे जो किसी पहचान के मोहताज नहीं है के कार्यो को देखते हुए जनता का झुकाव चुने हुए प्रतिनिधियों से ज्यादा इस समय एस के चौबे की तरफ होता देखा जा रहा है। अपने काम करने के तरीके से क्षेत्र और आस पास के विधान सभाओं में पहचान बनाने वाले समाज सेवक एस के चौबे नेताओं के ऊपर भरोसा न करते हुए विभागों के ऊपर दबाव बनाते है और जब विभाग उनकी बात नहीं सुनते है तब वे माननीय न्यायालय की तरफ कूंच करते है और न्यायालय के आदेश से क्षेत्र के काम करवाते है। जैसे कि राजनीतिक दलों के मुख्य चुनावी मुद्दा प्रेम नगर फाटक का फुट ओवर ब्रिज जो कि माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश से बनवा कर अपना नाम अमर कर गए, इसी तर्ज पर

उन्होंने एक और गंभीर समस्या के निदान के लिए जनहित याचिका के माध्यम से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहे है।

समस्या यह है कि विधानसभा पटेल नगर के प्रेम नगर, नेहरू नगर बलजीत नगर में सीवर लगभग 30 वर्ष पुराना होने के कारण बैठ चुके है जिसके कारण सीवर का पानी ऊपर सड़कों पर तैर रहा होता है, वही हाल गलियों का भी है। सीवर से सट कर आने वाली पीने के पानी की पाईप लाईन भी खराब और फट गई है जिसके कारण सीवर का पानी पाईप लाईन के माध्यम से लोगों के घरों में जा रहा है। एस के चौबे द्वारा जब जल बोर्ड के अधिकारियों से इस समस्या के निदान मतलब पुनः नया सीवर लाईन डालने और पीने के पानी की नई पाईप लाईन डालने के लिए बात किया तो अधिकारी फंड ना होने की बात करके पल्ला झाड़ दिए लेकिन चौबे जी कहां मानने वाले थे वे तुरंत माननीय न्यायालय की तरफ कूंच कर गए और जनहित के माध्यम से माननीय न्यायालय के समक्ष अपनी समस्या को रखने के लिए एक बार फिर कमर कस लिए है जिसमें क्षेत्र की जनता भी खुश है और चौबे जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी भी है।एस के चौबे के साथ कानूनविदों की एक बड़ी टीम भी है जो समाजहित के लिए उनके साथ लगी हुई है।ऐसे समाज सेवकों के साथ जनता और क्षेत्रीय मीडिया भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है। एस के चौबे सभी राजनीतिक दलों के लिए एक चुनौती बनते जा रहे है वह भी मात्र अपने सेवा भाव के बगले।

ऊच्च प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया वार्षिकोत्सव ,आयोजित हुए खेलकूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- मुस्करा विकासखण्ड के महेरा गांव में बुधवार के दिन उच्च प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया इस दौरान खेलकूद प्रतियोगताओं को भी आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख वीर नारायण राजपूत रहे जिनका स्वागत घोष बैंड द्वारा किया गया। मां सरस्वती के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक उमेश कुमार व अनिल कुमार अनुदेशक के दिशानिर्देश पर बालक बालिकाओं की क्रीड़ा आयोजित की गई जिसमें 100 मीटर 200 मीटर दौड़ ,रिलेदौड कराई गई। जिसमें बालक बालक वर्ग में सतीश प्रथम स्थान प्राप्त किया और बालिका वर्ग में खुशी देवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, देशभक्ति नाटक, गीत व नृत्य प्रस्तुत किये।छात्राओं को विशिष्ट अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुखदेव ,शब्बीर खान ,विशिष्ट अतिथि अजय पाल राजपूत प्रबंधक श्री पीएनबी इंटर कॉलेज चिल्ली ,लखन राजपूत , अरविंद सिंह राजपूत , राजकुमार, अमर सिंह, विनोद कुमार, बृजेंद्र कुमार, करनसिंह ,मुकेश कुमार ने व्यवस्थाएं बनाई रखी साथ ही सत्येंद्र यादव ,सुजीत कुमार, अजय कुमार, देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।समापन पर विद्यालय प्रधानाचार्य बाबूराम चक्रवर्ती ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चकबंदी चौपाल में 45 वाद हुए निस्तारित

हमीरपुर :- मुस्करा विकासखंड की ग्राम पंचायत छानी में बुधवार के दिन चकबंदी चौपाल का आयोजन किया गया। तहसील मौदहा स्थित पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में चकबंदी से जुड़े कुल 45 वादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। चकबंदी चौपाल का आयोजन समस्या समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया, जिसमें बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी पैगाम हैदर एवं चकबंदी अधिकारी की उपस्थिति में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। वादों का निस्तारण चकबंदी अधिकारी जिज्ञासु कुमार पुष्कर, चकबंदी लेखपाल अनुराग सिंह और रामसुमेर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की भूमि संबंधी शिकायतों का समाधान किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली। अधिकारियों ने ग्रामीणों को चकबंदी प्रक्रिया के बारे में जानकारी भी दी और समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रमेश चंद्र सहित स्थानीय निवासी सिद्धगोपाल, प्रहलाद, सुल्तान, गोकुल प्रसाद, जसीराम, सियाराम समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

विचार गोष्ठी के आयोजन दौरान मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- गणतंत्र दिवस समारोह सप्ताह पर बुधवार के दिन राठ में बज़्म-ए-तामीर सामाजिक समिति द्वारा राष्ट्रीय विचार गोष्ठी एवं मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र दीपेंद्र पाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नव निर्वाचित वर्ष 2026 के अध्यक्ष शकील मुहम्मद ने की। संचालन सचिव मुहम्मद अली द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष साजिद खान, मीडिया प्रभारी सकूर खान, आईटी सेल प्रभारी तनवीर अहमद अली सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अय्यूब अली एवं विशिष्ट अतिथि कैलाशचंद्र अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जमीलुद्दीन राठी, डॉ. सुल्तान बेग, प्रदीप कुमार, शैलेन्द्र बाजपेयी, असदउद्दीन, अय्यूब खान, प्रो. सईद उल्लाह, दिलीप खान, असर खान सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर संस्था की ओर से निर्धन व जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क कोचिंग देने की घोषणा की गई। गरीब एवं मेधावी छात्रों के मार्गदर्शन हेतु सेमिनार आयोजित करने पर भी सहमति बनी। कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष शकील मुहम्मद द्वारा संस्था की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नए सदस्यों को शामिल किया गया, जिनमें मेराज अहमद, नासिर कुरैशी एवं हाजी राशिद कुरैशी शामिल हैं। अंत में संस्था के सचिव मुहम्मद अली ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

अजीत पवार की मौत पर ममता के बयान से घमासान, भाजपा ने नजीराबाद अग्निकांड पर घेरा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान दुर्घटना में हुई दुखद मृत्यु के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हालिया टिप्पणियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी आलोचना की है। भाजपा ने बनर्जी से आग्रह किया है कि वे नाज़िराबाद अग्निकांड के पीड़ितों के लिए न्याय दिलाने पर ध्यान केंद्रित करें। कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दो सटे हुए गोदामों में 26 जनवरी को लगी भीषण आग में कम से कम आठ लोगों की जान चली गई और यह आग 24 घंटे से अधिक समय तक जलती रही। पवार की मृत्यु की सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच की बनर्जी की मांग और जांच एजेंसियों के मिलीभगत के आरोपों की भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने कड़ी आलोचना की है। मालवीय ने नजीराबाद अग्निकांड की जांच को भी सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी वाली विशेष जांच टीम को सौंपने की मांग की है। उन्होंने बनर्जी पर कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए इस दुखद घटना के लिए जवाबदेही की मांग की है। भाजपा ने पारदर्शिता और अग्निकांड पीड़ितों के परिवारों के प्रति सहानुभूति की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही टीएमसी प्रशासन की सक्षमता पर भी सवाल उठाए।

पुलिया से टकराकर बाईक सवार एक किशोर की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

● **दो अन्य किशोर को मामूली चोटें, सड़क सुरक्षा पर सबसे बड़ा सवाल**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम कचनरवा अंतर्गत बरवाहीखोली में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गये, जिससे एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार बाईक हर जल जीवन मिशन के एक कर्मचारी का बताया जा रहा है ,जिसे दुकान जाने का बहाना बनाकर जल जीवन मिशन की टंकी बरवाहीखोली से मंगलवार देर शाम लगभग 7.30 बजे बाईक लेकर तीनों किशोर एक ही बाईक से सवार होकर सड़क पर गाड़ी चलाने की ललक से निकले थे कि जैसे ही वे बरवाहीखोली पानी टंकी से कुछ दूर आगे भैंसबहरी बांध के सामने पुलिया पर पहुंचे, तभी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पुलिया से जा टकराई जहाँ एक किशोर को गंभीर चोटें आई जिसकी मौके पर मौत हो गयी और अन्य दोनों किशोर मौके से फरार होकर चुपचाप अपने अपने घर दुबक कर सो गये । जिसके क्रम में वाहन स्वामी अपने साथियों के साथ रात लगभग 11.30 बजे बाईक और बाईक चालक को खोजने लगे तभी पता चला कि बाईक दुर्घटनाग्रस्त हो गई । जिसके क्रम बाईक पुलिया के नीचे मिली, जिसकी सूचना स्थानीय लोगों द्वारा स्थानीय प्रशासन को दी। ग्रामीणों के अनुसार हादसे में कृष्णा चेरो पुत्र सुरेश चेरो (उम्र लगभग 14 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं विजय पुत्र जवाहीर

पुत्र जवाहीर चेरो(15 वर्ष) एवं शेषमणि पुत्र अजय चेरो (16 वर्ष) हल्की फुलकी चोटें आई पर हादसे में डर की वजह से चोटें आने के बाद भी घर में दुबके थे। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़ा किया है।

जिला सैनिक बंधु की बैठक सम्पन्न

देवरिया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बंधु की बैठक अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं की समीक्षा करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक की शुरुआत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल डॉ. सुधाकर त्यागी द्वारा स्वागत के साथ हुई। इसके बाद पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की अनुपालन समीक्षा की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों द्वारा राजस्व व पुलिस विभाग से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए, जिन्हें संबंधित विभागों को निस्तारण हेतु भेजने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, पूर्व सैनिक एवं कार्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे।